■ RNI No. 58061/93 ■ वर्ष - 21 ■ अंक - 303 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- बेंगलूरु » बुधवार » 03-06-2026 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : news@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित

5 जो बोली से नहीं माना वो गोली से जरूर मान गया : योगी आदित्यनाथ

6 क्या नए राजनीतिक युग की शुरुआत करेंगे अन्नामलाई?

7 वर्क प्लेस पर कामकाजी मांओं के लिए क्यों नहीं हैं बच्चों के कमरे : कंगना रनौत

फर्स्ट टेक

सिद्दरामय्या कांग्रेस कार्य समिति के सदस्य नियुक्त

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस ने कर्नाटक के मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देने वाले अपने वरिष्ठ नेता सिद्दरामय्या को मंगलवार को पार्टी कार्य समिति (सीडब्ल्यूसी) का सदस्य नियुक्त किया। पार्टी के संगठन महासचिव के सी वेणुगोपाल की ओर से जारी विज्ञप्ति के अनुसार, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने सिद्दरामय्या की नियुक्ति तत्काल प्रभाव से की। कांग्रेस आलाकमान के कहने के बाद सिद्दरामय्या ने बीते 28 मई को मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दिया था। कर्नाटक प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष डी के शिवकुमार बुधवार को मुख्यमंत्री पद की शपथ लेंगे।

खलील उर रहमान संयुक्त राष्ट्र महासभा के 81वें सत्र के अध्यक्ष चुने गए

संयुक्त राष्ट्र/भाषा। बांग्लादेश के विदेश मंत्री खलील उर रहमान मंगलवार को कड़े चुनावी मुकाबले में संयुक्त राष्ट्र महासभा (यूएनजीए) के 81वें सत्र के अध्यक्ष चुने गए। रहमान और साइप्रस के बहुपक्षवाद मामलों के विशेष दूत एंड्रियस काकौरिस 193 सदस्यीय महासभा के 81वें सत्र के अध्यक्ष पद की दौड़ में शामिल थे। यूएनजीए के 81वें सत्र की शुरुआत सितंबर में होगी। करीबी चुनावी मुकाबले में बांग्लादेशी राजनयिक रहमान को 99 मत मिले, जबकि काकौरिस को 91 मत प्राप्त हुए। मतदान में 190 सदस्य देशों ने हिस्सा लिया। चुनाव में जीत हासिल करने के लिए कम से कम 96 मतों की आवश्यकता थी। रहमान वर्तमान महासभा अध्यक्ष और जर्मनी की पूर्व विदेश मंत्री एनालेना बेयरबॉक का स्थान लेंगे।

भारतीय सेना ने किशनगंगा नदी में फंसे नागरिकों को बचाया

द्रणभारतीय सेना ने जम्मू-कश्मीर के बांदीपोरा के गुरेज क्षेत्र में तेज बहाव के कारण किशनगंगा नदी फंसे नागरिकों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया है। अधिकारियों ने मंगलवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों के अनुसार, उत्तर कश्मीर की गुरेज घाटी के चकवाली क्षेत्र में सोमवार रात तेज बहाव के कारण वाहन फंस जाने से कई नागरिक अपने वाहनों में ही फंस गए थे। किशनगंगा नदी भारतीय हिस्से में पड़ने वाले कश्मीर से होकर पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में बहती है, जहां इसे नीलम नदी के नाम से जाना जाता है। कश्मीर घाटी में जारी भीषण गर्मी के बीच, नियंत्रण रेखा (एलओसी) के पास स्थित गुरेज घाटी में पर्यटकों की संख्या में काफी इजाफा हुआ है। सैलानी तपती गर्मी से राहत पाने के लिए बड़ी संख्या में यहां पहुंच रहे हैं।

03-06-2026 सूर्यास्त 6:43 बजे | 04-06-2026 सूर्योदय 5:52 बजे

BSE	NSE
74,649.84	23,483.55
(+382.50)	(+100.95)

सोना	चांदी
16,231 रु.	271,990 रु.
(24 कैरेट) प्रति ग्राम	प्रति किलो

शिवकुमार आज लेंगे कर्नाटक के मुख्यमंत्री पद की शपथ

- शिवकुमार के साथ 10 से 12 विधायक मंत्री पद की शपथ ले सकते हैं
- मंत्रिमंडल विस्तार इस महीने होने वाले राज्यसभा एवं विधान परिषद चुनाव के बाद होने की संभावना है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/बेंगलूरु/भाषा। कर्नाटक प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष डीके शिवकुमार बुधवार को मुख्यमंत्री पद की शपथ लेंगे। इससे पहले मंगलवार को उन्होंने राष्ट्रीय राजधानी में पार्टी आलाकमान के साथ मंत्रिमंडल की रूपरेखा पर चर्चा की।

सूत्रों का कहना है कि शिवकुमार के साथ 10 से 12 विधायक मंत्री पद की शपथ ले सकते हैं और मंत्रिमंडल विस्तार इस महीने होने वाले राज्यसभा एवं विधान परिषद चुनाव के बाद होने की संभावना है।

इस बीच, पार्टी ने मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देने वाले अपने वरिष्ठ नेता सिद्दरामय्या को मंगलवार को कांग्रेस कार्य समिति (सीडब्ल्यूसी) का सदस्य नियुक्त कर दिया।

शिवकुमार और सिद्दरामय्या ने राज्य के अगले मंत्रिमंडल को अंतिम रूप देने के लिए मंगलवार को पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे तथा पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी के साथ विस्तृत चर्चा की। इसके बाद दोनों नेताओं ने कांग्रेस के संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल और पार्टी के कर्नाटक प्रभारी रणदीप सुरजेवाला के साथ अलग से मंत्रणा की।

शिक्षा की शक्ति से आगे बढ़कर सशक्त, आत्मनिर्भर भारत का निर्माण करें युवा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने मंगलवार को कहा कि जब युवा शिक्षा और प्रौद्योगिकी की शक्ति के बल पर आगे बढ़ेंगे, तो वे एक सशक्त, समृद्ध और आत्मनिर्भर भारत का निर्माण करेंगे।

जनजातीय मामलों के मंत्रालय की प्रमुख छात्रवृत्ति योजनाओं के लाभार्थियों के एक समूह से राष्ट्रपति भवन में मुलाकात के बाद उनको संबोधित करते हुए मुर्मू ने कहा कि भारत सरकार विभिन्न योजनाओं के माध्यम से आदिवासी समुदायों के युवाओं को सशक्त बनाने और उनका उत्थान करने के लिए निरंतर प्रयास कर रही है।

राष्ट्रपति ने कहा कि शिक्षा सशक्तीकरण का एक महत्वपूर्ण साधन है और इसमें ही वह शक्ति है जो किसी व्यक्ति को आत्मनिर्भर, जागरूक और सक्षम बनाती है। उन्होंने कहा कि उनकी अपनी जीवन-यात्रा में भी शिक्षा ने एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उन्होंने कहा कि युवाओं की शिक्षा और अनुभव उन बच्चों के लिए प्रेरणा बनने चाहिए जो सीमित संसाधनों के बावजूद बड़े सपने देखने का साहस रखते हैं।

मुर्मू ने कहा, जब वे दूसरों को साथ लेकर आगे बढ़ेंगे, तभी राष्ट्र का समावेशी विकास एक वास्तविकता बन पाएगा। उन्होंने कहा कि जब युवा अपनी विरासत पर गर्व करते हुए, शिक्षा और प्रौद्योगिकी की शक्ति के बल पर आगे बढ़ेंगे, तो वे एक सुदृढ़, समृद्ध और आत्मनिर्भर भारत का निर्माण करेंगे।

राष्ट्रपति ने कहा कि युवा हमारे राष्ट्र की शक्ति, आशा और उज्ज्वल भविष्य के प्रतीक हैं। उन्होंने युवाओं, विशेष रूप से जनजातीय समुदायों से आने वाले युवाओं से आग्रह किया कि वे अपनी जड़ों और अपने लोगों को न भूलें। मुर्मू ने कहा, हम 2047 तक भारत को 'विकसित भारत' में बदलने की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं। इस लक्ष्य को प्राप्त करने में युवा महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। उन्होंने कहा कि वे जिस भी क्षेत्र को चुनें, उनमें वे समाज और राष्ट्र के विकास के लिए सक्रिय योगदान दे सकते हैं। उन्होंने कहा कि हमारे देश में प्रतिभा की कोई कमी नहीं है। मुर्मू ने कहा, आवश्यकता है सही मार्गदर्शन, सहयोग और एक उचित मंच उपलब्ध कराने की। लाभार्थियों की उपस्थिति इस बात का प्रमाण है कि यदि अवसर मिले तो हमारे गांवों, दूरदराज के क्षेत्रों और जनजातीय अंचलों से ऐसे युवा निकलकर आएंगे, जो भारत का नाम उज्ज्वल करेंगे।

चार जून के आसपास मानसून की दस्तक संभव : आईएमडी

नई दिल्ली/भाषा। केरल में दक्षिण-पश्चिम मानसून चार जून के आसपास दस्तक दे सकता है। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने मंगलवार को यह पूर्वानुमान जताया। केरल में मानसून आम तौर पर एक जून के आसपास पहुंच जाता है, जिसे दक्षिण-पश्चिम मानसून के मौसम (जून-सितंबर) की शुरुआत का प्रतीक माना जाता है। आईएमडी ने अपने दैनिक पूर्वानुमान में कहा, ''दक्षिण-पश्चिम एवं दक्षिण-पूर्व अरब सागर के कुछ और हिस्सों, लक्षद्वीप तथा केरल और तमिलनाडु के कुछ भागों में चार जून के आसपास दक्षिण-पश्चिम मानसून के और आगे बढ़ने के लिए परिस्थितियां अनुकूल हैं।'' पूर्वानुमान के मुताबिक, मानसून दक्षिण-पश्चिम, पश्चिम-मध्य, पूर्व-मध्य और उत्तर-पूर्वी बंगाल की खाड़ी के कुछ और हिस्सों तथा दक्षिण-पूर्व बंगाल की खाड़ी के बाकी भागों में भी इसी तारीख के आसपास आगे बढ़ेगा। आईएमडी ने पहले अनुमान जताया था कि केरल में मानसून की दस्तक 26 मई के आसपास होगी। हालांकि, ऐसा नहीं हुआ। बाद में विभाग ने 29 मई को कहा कि मानसून अगले हफ्ते पहुंच सकता है।

सूरत के पास महाराष्ट्र की दो सरकारी बसों की टक्कर में 7 लोगों की मौत

सूरत/भाषा। गुजरात के सूरत जिले के बारडोली कस्बे के पास मंगलवार को महाराष्ट्र राज्य सड़क परिवहन निगम (एमएसआरटीसी) की दो बसों की टक्कर में कम से कम सात लोगों की मौत हो गई और करीब 40 अन्य घायल हो गए। पुलिस ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि बारडोली तालुका के उवा गांव के पास राष्ट्रीय राजमार्ग 53 पर हुई दुर्घटना के बाद एक बस पलट गई और उसमें आग लग गई। यह मार्ग महाराष्ट्र को गुजरात से जोड़ता है। सूरत जिले के पुलिस अधीक्षक राजेश गढ़िया ने बताया कि एक बस सूरत से धुले जा रही थी, जबकि दूसरी बस महाराष्ट्र के चालीसगांव से सूरत आ रही थी।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा

भारत-नेपाल सीमा विवाद के समाधान में किसी तीसरे पक्ष की कोई भूमिका नहीं

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारत ने मंगलवार को नेपाल के साथ सीमा विवाद के समाधान में किसी भी तीसरे पक्ष की भूमिका को सिरे से खारिज कर दिया।

भारत की यह प्रतिक्रिया ऐसे समय आई है, जब कुछ दिन पहले नेपाल के प्रधानमंत्री बालेंद्र शाह ने विवाद के समाधान के लिए चीन और ब्रिटेन की भागीदारी की वकालत की थी।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि दोनों पक्षों ने सीमा मुद्दे के सभी पहलुओं से निपटने के लिए द्विपक्षीय तंत्र स्थापित किए हैं और भारत-नेपाल सीमा का लगभग 98 प्रतिशत हिस्सा चिह्नित किया जा चुका है।

बालेंद्र शाह ने रविवार को नेपाल की संसद में कहा कि सीमा विवाद पर भारत के साथ चर्चा के अलावा, नेपाल चीन और ब्रिटेन के साथ भी संपर्क में है। उन्होंने कहा, ''चूंकि यह विवाद ब्रिटिश भारत के दौर से जुड़ा है, इसलिए हमारा मानना है कि इस मामले में इंग्लैंड को भी शामिल किया जाना चाहिए।''

नेपाल और भारत के बीच लिपुलेख, लिम्पियाधुरा और कालापानी को लेकर पुराना सीमा विवाद है। भारत लगातार यह दावा करता रहा है कि ये क्षेत्र उत्तराखंड का हिस्सा हैं।

जायसवाल ने साप्ताहिक प्रेस वार्ता में कहा, ''सीमा से जुड़े सभी मुद्दों के समाधान के लिए भारत और नेपाल के बीच द्विपक्षीय तंत्र मौजूद है। सभी संबंधित पक्षों को यह स्पष्ट होना चाहिए कि भारत और नेपाल के बीच के द्विपक्षीय मामले में किसी तीसरे पक्ष की कोई भूमिका नहीं है।''

बालेंद्र शाह की टिप्पणियों के बारे में पूछे जाने पर विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने यह टिप्पणी की।

जायसवाल ने कहा, ''हमने भारत-नेपाल सीमा के संबंध में नेपाल के प्रधानमंत्री की टिप्पणियों के साथ-साथ इस मामले पर नेपाली विदेश मंत्रालय द्वारा जारी बयान भी देखा है।'' उन्होंने कहा, ''भारत-नेपाल सीमा का लगभग 98 प्रतिशत हिस्सा निर्धारित हो चुका है, लेकिन कुछ हिस्से अभी भी अनसुलझे हैं। गंडक नदी के मार्ग में बदलाव के कारण यह स्थिति उत्पन्न होती है।''

जायसवाल ने कहा, ''इसके अलावा, सीमा के चिह्नित क्षेत्रों में 'नो-मैन्स लैंड' पर अतिक्रमण और सीमा पार कब्जे के कुछ मामले सामने आए हैं। इनका दोनों देशों द्वारा संयुक्त रूप से मानचित्रण किया जा रहा है।''

बालेंद्र शाह ने यह भी स्वीकार किया था कि नेपाल ने भारतीय क्षेत्रों पर ''अतिक्रमण'' किया है।

हवा से सतह पर मार करने वाली

रुद्र एम-दो मिसाइल का भारत ने सफल परीक्षण किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) और भारतीय वायु सेना ने हवा से सतह पर मार करने वाली मिसाइल रुद्र एम-दो का हवाई प्लेटफॉर्म से सफल उड़ान परीक्षण किया है। रक्षा मंत्रालय ने मंगलवार को यह जानकारी दी।

मंत्रालय ने कहा कि प्रक्षेपण के बाद मिसाइल को पूर्वनिर्धारित लक्ष्य की ओर निर्देशित किया गया और उन्होंने अत्यंत सटीकता के साथ लक्ष्य को भेदा। परीक्षण के सभी उद्देश्यों को पूरी तरह सफलतापूर्वक हासिल कर लिया गया।

मंत्रालय ने कहा कि अत्यंत चुनौतीपूर्ण परिचालन परिस्थितियों और महत्वपूर्ण प्रक्षेप पथ पर किए गए इन परीक्षणों ने मिसाइल की सटीकता, विश्वसनीयता तथा इसकी सभी प्रमुख उपप्रणालियों के उत्कृष्ट प्रदर्शन को प्रमाणित किया। मिसाइल की मारक क्षमता लगभग 350 किलोमीटर है।

मंत्रालय ने एक बयान में कहा, ''प्रक्षेपित सभी मिसाइल ने पूर्वनिर्धारित लक्ष्यों पर अत्यंत सटीकता के साथ प्रहार किया।

तालिबान शासन में अफगान महिला शिक्षाविदों का भविष्य अंधकारमय

- जब तालिबान ने 1996 से 2001 के बीच पहली बार अफगानिस्तान पर शासन किया था, तब महिलाओं को शिक्षा और कई प्रकार के रोजगार से वंचित कर दिया गया था।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लंदन/द कन्वरसेशन। कल्पना कीजिए कि आपने अपना करियर बनाने में दशकों लगा दिए हैं। आपके पास मास्टर डिग्री है। आपने सैकड़ों विद्यार्थियों को पढ़ाया है। आप हर सुबह उद्देश्य और उत्साह के साथ अपने कार्यस्थल पहुंचती हैं। फिर रातोंरात आपके लिए संस्थान के दरवाजे बंद कर दिए जाते हैं। आपको बता दिया जाता है कि अब आप वापस नहीं आ सकतीं।

ऐसा किसी गलती की वजह से नहीं हुआ, बल्कि इसलिए हुआ क्योंकि आप एक महिला हैं। अगस्त 2021 में तालिबान के सत्ता में लौटने के बाद पूरे अफगानिस्तान में महिला शिक्षाविदों के साथ यही हुआ।

हमने टेलीग्राम और व्हाट्सएप के माध्यम से 12 अफगान महिला शिक्षाविदों से बातचीत की। इनमें से आठ उस समय अफगानिस्तान में थीं, जबकि चार हाल ही में देश छोड़ चुकी थीं।

जो महिलाएं अफगानिस्तान में थीं, उनमें से केवल एक ही बाद में देश छोड़ने में सफल हुई। बाकी सभी अब भी वहीं हैं। उन्होंने जो कुछ हमें बताया, वह बेहद पीड़ादायक था।

जब तालिबान ने 1996 से 2001 के बीच पहली बार अफगानिस्तान पर शासन किया था, तब महिलाओं को शिक्षा और कई प्रकार के रोजगार से वंचित कर दिया गया था।

अमेरिका के नेतृत्व वाले हस्तक्षेप के बाद स्थिति धीरे-धीरे सुधरी। अफगानिस्तान में उच्च शिक्षा में महिलाओं की भागीदारी में उल्लेखनीय वृद्धि हुई। वर्ष 2001 में जहां केवल 5,000 छात्राएं थीं, वहीं 2021 तक उनकी संख्या बढ़कर एक लाख से अधिक हो गई। विश्वविद्यालयों में विद्यार्थियों में महिलाओं की हिस्सेदारी 28 प्रतिशत और शिक्षकों में 14 प्रतिशत तक पहुंच गई थी। यह प्रगति वास्तविक थी, भले ही वह नाजुक थी। लेकिन बाद में यह लगभग पूरी तरह पलट गई।

दिसंबर 2022 तक सभी विश्वविद्यालयों ने महिलाओं के लिए अपने दरवाजे बंद कर दिए। लड़कियों की शिक्षा 12 वर्ष की आयु के बाद प्रतिबंधित कर दी गई। महिलाओं को अधिकांश नौकरियों से बाहर कर दिया गया, यात्रा के लिए पुरुष अभिभावक की अनिवार्यता लागू कर दी गई और सार्वजनिक स्थानों पर काला हिजाब पहनना अनिवार्य बना दिया गया।

ट्रंप के साथ तीखी बातचीत के बाद बाद,

नेतन्याहू ने लेबनान पर हमले की योजना टाली

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

वाशिंगटन/भाषा। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि उन्होंने इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू को लेबनान के खिलाफ हमले को रोकने के लिए राजी कर लिया है, जिसके बाद उन्होंने अपने सैनिकों को वापस बुला लिया।

ट्रंप ने सोमवार शाम को 'ट्रुथ सोशल' पर यह घोषणा की। ट्रंप का यह बयान ऐसे समय में आया है जब दोनों नेताओं के बीच ''तीखी'' बातचीत की खबरें सामने आ रही थीं। खबरों के अनुसार ट्रंप ने नेतन्याहू से यह भी कहा कि अगर उन्होंने हस्तक्षेप नहीं किया होता तो इजराइल के प्रधानमंत्री आज जेल में होते । उन्होंने इजराइल के प्रधानमंत्री को उनके लोकप्रिय उपनाम से संबोधित करते हुए कहा, ''आज (सोमवार) मेरी बीबी नेतन्याहू से बातचीत हुई। मैंने उनसे लेबनान के बेरूत में कोई बड़ा हमला न करने का अनुरोध किया। उन्होंने अपनी सेना को वापस बुला लिया। धन्यवाद बीबी।''

ईरान द्वारा लेबनान पर इजराइल के हमलों को लेकर अमेरिका के साथ जारी बातचीत को खत्म करने की धमकी के बाद ट्रंप और नेतन्याहू के बीच फोन पर बातचीत हुई। नेतन्याहू ने कहा था कि अगर हिजबुल्ला इजराइल पर हमले बंद नहीं करता है तो इजराइल बेरूत में ''आतंकी ठिकानों'' पर हमला करेगा।

ट्रंप ने कहा कि उनकी हिजबुल्ला के नेताओं के प्रतिनिधियों से भी बातचीत हुई, जो ''इजराइल और उसके सैनिकों पर गोलीबारी बंद करने'' पर सहमत हुए। उन्होंने कहा, ''मेरी हिजबुल्ला के नेताओं के प्रतिनिधियों से भी बातचीत हुई और वे इजराइल तथा उसके सैनिकों पर गोलीबारी बंद करने पर सहमत हुए। इसी तरह, इजराइल भी उन पर गोलीबारी बंद करने पर सहमत हो गया। देखते हैं यह कब तक चलता है – उम्मीद है कि यह हमेशा के लिए चलेगा।''

एलयूसीसी घोटाला :

सीबीआई ने दो मुख्य आरोपियों को गिरफ्तार किया

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने उत्तराखंड में 800 करोड़ रुपए के एलयूसीसी चिटफंड घोटाले के दो कथित मुख्य साजिशकर्ताओं को मुंबई से गिरफ्तार किया है। अधिकारियों ने मंगलवार को यह जानकारी दी। आरोप है कि 'लोनी अर्बन मल्टी स्टेट क्रेडिट एंड थ्रिफ्ट को-ऑपरेटिव सोसाइटी' (एलयूसीसी) के एक लाख से अधिक निवेशकों को आकर्षक मुनाफे का वादा कर उनसे करीब 800 करोड़ रुपए की ठगी की गई।

अधिकारियों ने बताया कि इस घोटाले में उत्तराखंड पुलिस द्वारा 18 प्राथमिकी दर्ज किए जाने के बाद कथित मुख्य साजिशकर्ता किशन जैन और पंकज जैन फरार हो गए थे। उन्होंने बताया कि उत्तराखंड उच्च न्यायालय ने पिछले साल नवंबर में ये मामले सीबीआई को सौंप दिए थे। सीबीआई के प्रवक्ता के बयान के अनुसार, एजेंसी ने पता लगाया कि दोनों आरोपी मुंबई में है और उसने उन्हें सोमवार को गिरफ्तार कर लिया।

मिशन मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

ब्लेम बवंडर

पुख्ता सबूत के बिना सदा,
होते मसले सब सारहीन।
ज्यों कोई खड़ा तबेले में,
हो मगन बजाए मधुर बीन।
मिडिया आरोपों को परखे,
पहले ढूंढे सच्ची जमीन।
वर्ना प्रचार के तंत्र श्रेष्ठ,
हो जायेंगे सारे मलीन।।

'लाडकी बहिन' योजना बंद नहीं होगी, 1.70 करोड़ पात्र महिलाओं को मिलता रहेगा लाभ : फडणवीस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने मंगलवार को आश्वस्त किया कि राज्य सरकार अपनी प्रमुख 'मुख्यमंत्री माझी लाडकी बहिन' योजना को बंद नहीं करेगी और हाल में लाखों लाभार्थियों को सूची से हटाए जाने के बावजूद 1.70 करोड़ पात्र महिलाओं को योजना का लाभ मिलता रहेगा।

मुख्यमंत्री की यह टिप्पणी 30 अप्रैल की ई-केवाईसी (उपभोक्ता को जानो) सत्यापन की समयसीमा समाप्त होने के बाद आई है। सत्यापन प्रक्रिया के दौरान योजना से जुड़े करीब 80 लाख लाभार्थियों के नाम सूची से हटा दिए गए थे, जिसके बाद विपक्षी दलों ने सरकार की तीखी आलोचना की।

साप्ताहिक मंत्रिमंडल बैठक से पहले फडणवीस ने संवाददाताओं से कहा कि योजना शुरू होने के बाद सरकार ने लाभार्थियों का सत्यापन कराया था, जिसमें कई अनियमितताएं सामने आईं। उन्होंने कहा, ''जब योजना शुरू की गई थी, तब महिलाओं को स्वयं अपने पात्र होने का प्रमाण देने की अनुमति दी गई थी, क्योंकि कई महिलाओं के पास दस्तावेज जमा करने के लिए पर्याप्त समय नहीं था। बाद में सत्यापन कराया गया, क्योंकि इस योजना पर होने वाला सरकारी खर्च ऑडिट के दायरे में आता है।''

मुख्यमंत्री ने कहा कि जांच में कई विसंगतियां सामने आईं जिनमें सरकारी कर्मचारियों के परिवारों की

महिलाओं द्वारा लाभ लेना और कुछ मामलों में पुरुषों द्वारा आवेदन करना भी शामिल हैं। उन्होंने कहा कि लगभग 10 लाख लाभार्थियों के मामलों में पात्रता संबंधी गड़बड़ियां पाई गईं, जबकि करीब 14 हजार पुरुषों ने भी इस योजना के तहत आवेदन किया था।

फडणवीस ने कहा कि पात्रता की पुष्टि के लिए सरकार ने आयकर, परिवहन और राशन कार्ड संबंधी डाटाबेस से लाभार्थियों का मिलान किया।

उन्होंने कहा कि अपात्र महिलाओं और अनिवार्य ई-केवाईसी प्रक्रिया पूरी नहीं करने वालों को भुगतान रोक दिया गया है।

मुख्यमंत्री ने यह भी स्पष्ट किया कि बाद में अपात्र पाई गई महिलाओं से पूर्व में दी गई राशि वापस नहीं ली जाएगी। हालांकि, जिन पुरुषों ने गलत तरीके से योजना का लाभ लिया है, उन्हें यह राशि लौटानी होगी। उन्होंने कहा कि लगभग 1.70 करोड़ महिलाएं सभी पात्रता शर्तें पूरी करती हैं और उन्हें योजना के तहत सहायता मिलती रहेगी।

फडणवीस ने कहा, ''यह योजना कभी बंद नहीं होगी। आज भी यह देश के राज्यों में अपनी तरह की सबसे बड़ी कल्याणकारी योजनाओं में से एक है और आगे भी जारी रहेगी।''

एक वरिष्ठ अधिकारी ने सोमवार को कहा कि हालांकि, 30 अप्रैल की 'ई-केवाईसी' समयसीमा के बाद लाभार्थियों की संख्या 2.4 करोड़ से घटकर करीब 1.7 करोड़ रह गई है, लेकिन यह कटौती केवल 'ई-केवाईसी' न कराने के कारण नहीं, बल्कि पात्रता मानदंडों का पालन न करने से भी जुड़ी है।

सरकार ने लाभार्थियों को ई-केवाईसी पूरा करने के लिए आठ महीने का समय दिया था।

वहीं, विपक्षी दलों ने आरोप लगाया है कि सरकार ने महिलाओं के साथ ''विश्वासघात'' किया है और ''गंभीर वित्तीय संकट'' के कारण बड़ी संख्या में लाभार्थियों को योजना से बाहर किया जा रहा है।

मध्यप्रदेश सरकार शुरू करेगी सरकारी बस सेवा: मुख्यमंत्री मोहन यादव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भोपाल/भाषा। मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने मंगलवार को कहा कि उनकी सरकार चरणबद्ध तरीके से राज्य द्वारा संचालित बस सेवा शुरू करेगी और आगामी रक्षाबंधन त्योहार तक महिलाएं इन बसों में यात्रा कर सकेंगी। उन्होंने यहां संवाददाताओं से कहा कि राज्य परिवहन सेवा की गरीबों के जीवन में बहुत महत्वपूर्ण भूमिका होती है लेकिन कांग्रेस के शासनकाल के दौरान बस सेवा को बंद कर दिया गया था।

यादव ने कहा, ''अब, हमारी सरकार न केवल तेजी से बेहतर और आधुनिक सड़कों का निर्माण कर रही है, बल्कि मुख्यमंत्री सुगम परिवहन सेवा को चरणबद्ध तरीके से शुरू करने की दिशा में आगे बढ़

रही है।'' उन्होंने कहा,''रक्षाबंधन पर हमारी प्यारी बहनें राज्य परिवहन की बसों में यात्रा कर सकेंगी।'' यह त्योहार इस साल 28 अगस्त को है।

यादव ने कहा कि लोगों को अब निजी वाहनों में यात्रा करने के लिए मजबूर नहीं होना पड़ेगा। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश के विशाल विस्तार के कारण, शहरों के बीच दूरियां लंबी हैं और लोग माल ले जाने वाले वाहनों में यात्रा करने के लिए मजबूर हैं। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री की सुगम परिवहन सेवा इन सभी समस्याओं को खत्म करेगी और राज्य के आंतरिक हिस्सों को जोड़ेगी एवं पड़ोसी राज्यों को भी संपर्क प्रदान करेगी। यादव ने सोमवार को नई सेवा पर चर्चा करने के लिए 'मध्यप्रदेश पैसेंजर ट्रांसपोर्ट एंड इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड' के निदेशक मंडल की बैठक की अध्यक्षता की। इसमें बोर्ड के उपाध्यक्ष एवं परिवहन मंत्री उदय प्रताप सिंह और वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे।

बोर्ड के प्रबंध निदेशक मनीष सिंह ने बैठक में एक प्रस्तुति के दौरान बताया कि मुख्यमंत्री सुगम परिवहन सेवा के उद्देश्य से राज्य को सात क्षेत्रों इंदौर, उज्जैन, भोपाल, जबलपुर, सागर, ग्वालियर और रीवा में विभाजित किया जाएगा।

इंदौर क्षेत्र में पीएम ई-बस सेवा और मुख्यमंत्री सुगम परिवहन सेवा योजना के तहत बसों का संचालन शुरू होगा।

सिद्दरामय्या का सारा ध्यान अब अपने बेटे के लिए एक महत्वपूर्ण पद सुरक्षित करने पर : आर. अशोक

बेंगलूरु कर्नाटक विधानसभा में विपक्ष के नेता और वरिष्ठ भाजपा नेता आर. अशोक ने मंगलवार को सिद्दरामय्या पर आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री का पद छोड़ने और डी.के. शिवकुमार को नेतृत्व सौंपने से पहले उन्होंने राज्य को गंभीर वित्तीय संकट में ला दिया था। सिद्दरामय्या का अब सारा ध्यान अपने बेटे के लिए एक महत्वपूर्ण पद सुरक्षित करने पर केंद्रित है। 'कर्नाटक खंडहर में' सिद्दरामय्या की शर्मनाक विरासत शीर्षक वाले एक कड़े बयान में अशोक ने दावा किया कि सिद्दरामय्या ने कर्नाटक की अर्थव्यवस्था को पूरी तरह से बर्बाद करने के बाद मुख्यमंत्री का पद छोड़ दिया और अपने उत्तराधिकारी के लिए एक आर्थिक रूप से संकटग्रस्त राज्य छोड़ गए। कांग्रेस पार्टी द्वारा नेतृत्व परिवर्तन को सुचारू और व्यवस्थित बताने के दावे को खारिज करते हुए अशोक ने आरोप लगाया कि सिद्दरामय्या ने मुख्यमंत्री पद पर बने रहने के लिए संघर्ष नहीं किया, क्योंकि वे राज्य की बिगड़ती वित्तीय स्थिति से अवगत थे। अशोक ने आरोप लगाया, असली कारण यह है कि सिद्दरामय्या जानते थे कि वित्तीय स्थिति चरमरा रही है। उन्होंने जानबूझकर अपने उत्तराधिकारी के लिए एक दिवालिया राज्य छोड़ दिया।

दिल्ली के मुकुंदपुर में एलपीजी विस्फोट में मकान ढहा, एक व्यक्ति की हालत गंभीर, बचाव कार्य जारी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। उत्तर दिल्ली के मुकुंदपुर इलाके में मंगलवार सुबह एलपीजी विस्फोट के कारण एक मंजिला मकान ढह गया। इस घटना में मलबे में दबे 11 लोगों को बाहर निकाला गया जिनमें से एक व्यक्ति की हालत गंभीर है। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि घटना श्मशान स्थल के निकट मुकुंदपुर-दो के इशू विहार की गली नंबर एक में हुई।

दिल्ली अग्निशमन सेवा (डीएफएस) के अनुसार, विस्फोट और मकान गिरने की सूचना सुबह नौ बजकर 37 मिनट पर मिली थी। सूचना देने वाले व्यक्ति ने फोन पर

अधिकारियों को बताया कि कई निवासियों के मलबे में फंसे होने की आशंका है। डीएफएस के अधिकारी ने कहा, ''हमें सूचना मिली कि विस्फोट हुआ है और इसके कारण एक इमारत ढह गई है, जिसके मलबे में कुछ लोग फंसे हुए हैं। बचाव दल को तुरंत मौके पर भेजा गया और राहत एवं बचाव अभियान शुरू कर दिया गया है।''

पुलिस उपायुक्त (बाहरी उत्तर) हरेश्वर स्वामी ने बताया कि पुलिस को सुबह करीब साढ़े नौ बजे विस्फोट और मकान ढहने की सूचना मिली जिसके बाद पास में गश्त कर रहे आपातकालीन प्रतिक्रिया वाहन (ईआरवी) और स्थानीय पुलिसकर्मी तुरंत मौके पर पहुंचे। स्वामी ने कहा, ''11 लोगों को बचा लिया गया है। एक महिला झुलस गई है और उसकी हालत गंभीर है। उसे सफदरजंग अस्पताल में भर्ती कराया गया है।''

अधिकारी ने बताया कि प्रारंभिक जांच से पता चलता है कि विस्फोट एक बड़े सिलेंडर से छोटे सिलेंडर में गैस भरते समय हुआ होगा। मौके पर कुछ सिलेंडर मिले हैं। स्वामी ने कहा, ''प्रारंभिक रूप से हमें पता चला है कि उस मकान में बर्तन रंगने का कारखाना संचालित हो रहा था। वहां कई गैस सिलेंडर मिले हैं। बड़े सिलेंडरों से छोटे सिलेंडरों में गैस को भरा जा रहा था और संभवत: यही विस्फोट का कारण प्रतीत होता है।''

त्विषा शर्मा मामला: पति समर्थ सिंह और सास को 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेजा गया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भोपाल/भाषा। भोपाल की एक अदालत ने पूर्व मॉडल त्विषा शर्मा के पति समर्थ सिंह और उसकी सास गिरिबाला सिंह को दहेज उत्पीड़न के आरोप में सीबीआई (केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो) की हिरासत की अवधि पूरी होने के बाद मंगलवार को 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया। त्विषा का शव 12 मई को भोपाल स्थित उसके ससुराल में फंदे से लटका मिला था।

त्विषा के परिवार के वकील अंकुर पांडे ने बताया कि सीबीआई ने रिमांड अवधि पूरी होने के बाद समर्थ सिंह और उसकी मां एवं सेवानिवृत्त जिला न्यायाधीश गिरिबाला को शोभना भलावे की अदालत में पेश किया जिसने दोनों को 16 जून तक न्यायिक हिरासत में भेज दिया। सोमवार को सीबीआई ने त्विषा शर्मा की मौत की जांच के सिलसिले में डमी का इस्तेमाल करके उनके ससुराल स्थित घर में अपराध के दृश्य का नाट्य रूपांतरण (रीक्रिएशन) किया एवं कथित आत्महत्या की परिस्थितियों का अवलोकन किया था। अधिकारियों ने कहा था कि फोरेंसिक और अपराध स्थल विशेषज्ञों के साथ सीबीआई समर्थ सिंह और गिरिबाला सिंह को घटनास्थल लेकर पहुंची और उनसे 12 मई की रात की घटना का विस्तृत ब्योरा देने को कहा।

चौहान ने मानसून प्रगति की समीक्षा, खरीफ फसलों की सुरक्षा पर दिया जोर

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने दक्षिण-पश्चिम मानसून की प्रगति की मंगलवार को समीक्षा की। उन्होंने साथ ही अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे समय पर कृषि परामर्श जारी करें तथा अल-नीनो के संभावित प्रभाव से खरीफ फसलों को बचाने के लिए राज्यों के साथ बेहतर समन्वय बनाए रखें। चौहान ने अधिकारियों से मानसून की स्थिति पर लगातार नजर रखने को कहा और बताया कि सरकार सतर्क है। उन्होंने अधिकारियों से कहा, '' राज्यों के साथ बेहतर समन्वय सुनिश्चित करें और त्वरित कार्रवाई करें।'' उन्होंने किसानों को समय पर सलाह और आवश्यक सहायता उपलब्ध कराने के भी निर्देश दिए। बयान में कहा गया कि किसानों के हितों की रक्षा एवं खरीफ फसलों पर प्रभाव को कम करने के उपायों पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में संबंधित सभी विभागों तथा एजेंसियों के अधिकारी उपस्थित थे। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने मंगलवार को कहा कि दक्षिण-पश्चिम मानसून के केरल में चार जून के आसपास पहुंचने की संभावना है।

नौकरशाही की नहीं, राजनीतिक नेतृत्व की जवाबदेही तय हो, प्रधान को बर्खास्त करें : कांग्रेस

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस ने केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) के चेयरमैन और सचिव के तबादले के बाद कहा कि ऑन स्क्रीन मार्किंग (ओएसएम) प्रणाली से संबंधित ''अनियमितता'' के मामले में नौकरशाही नहीं, बल्कि राजनीतिक नेतृत्व की जवाबदेही तय होनी चाहिए। पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने कहा कि न्याय का तकाजा है कि शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान को बर्खास्त किया जाए। केंद्र सरकार ने ओएसएम प्रणाली का ठेका देने के लिए सीबीएसई की ओर से अपनाई गई प्रक्रिया से संबंधित मुद्दों की जांच के लिए एक-सदस्यीय समिति का गठन किया है। समिति की अध्यक्षता क्षमता निर्माण आयोग की अध्यक्ष एस राधा चौहान करेंगी। सीबीएसई के चेयमैन राहुल सिंह और सचिव हिमांशु गुप्ता का बोर्ड से तबादला भी कर दिया गया। रमेश ने पोस्ट किया, ''सीबीएसई चेयरमैन और सचिव का तबादला कर दिया है। न्याय का तकाजा है मंत्री प्रधान को बर्खास्त किया जाए।''

पंजाब में अध्यक्ष नहीं बदला जाएगा, खरगे और राहुल के नेतृत्व में लड़ेंगे चुनाव : बघेल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस महासचिव और पंजाब मामलों के प्रभारी भूपेश बघेल ने प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष पद पर बदलाव की अटकलों को खारिज करते हुए मंगलवार को कहा कि प्रदेश में कोई नेतृत्व परिवर्तन नहीं होगा। बघेल ने यह भी कहा कि अगले साल की शुरुआत में संभावित विधानसभा चुनाव मल्लिकार्जुन खरगे और राहुल गांधी के नेतृत्व में लड़ा जाएगा तथा राज्य के सभी कांग्रेस नेता सामूहिक रूप से लड़ाई लड़ेंगे।

कांग्रेस अध्यक्ष खरगे के आवास '10 राजाजी मार्ग' पर पंजाब को लेकर हुई बैठक के बाद

बघेल ने यह भी कहा कि इस बैठक में पंजाब प्रदेश कांग्रेस कमेटी में नेतृत्व के परिवर्तन को लेकर कोई चर्चा नहीं हुई। बैठक में खरगे, कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी, संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल और बघेल शामिल थे। बैठक के बाद बघेल ने संवाददाताओं से कहा, '' पंजाब के चुनाव नजदीक हैं। इसलिए इसको लेकर गंभीर मंत्रणा हुई।''

प्रदेश कांग्रेस में नेतृत्व परिवर्तन से जुड़ी अटकलों के बारे में पूछे जाने पर कांग्रेस महासचिव ने कहा, ''वेणुगोपाल जी इस बारे में पहले बोल चुके हैं, इस पर कोई चर्चा नहीं हुई।'' उन्होंने आगे यह भी कहा, '' यह केवल मीडिया में है, इसके अलावा कुछ नहीं है। नेतृत्व परिवर्तन के बारे में कोई चर्चा नहीं हुई। कोई परिवर्तन नहीं हो रहा है।'' यह पूछे जाने पर कि वर्तमान अध्यक्ष अमरिंदर सिंह राजा वड़िंग को हटाया जा रहा है तो बघेल ने कहा, ''बिल्कुल नहीं।'' उन्होंने कहा कि प्रदेश के नेता मिलकर चुनाव लड़ेंगे और यह चुनाव खरगे और राहुल गांधी के नेतृत्व में लड़ा जाएगा।

बघेल ने पंजाब की आम आदमी पार्टी सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि राज्य में भ्रष्टाचार और कानून-व्यवस्था की स्थिति सबसे बड़ा मुद्दा है।

पंजाब के मुख्यमंत्री ने विभिन्न फसलों के लिए सहकारी ऋण की सीमा बढ़ाने की घोषणा की

चंडीगढ़/भाषा। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने मंगलवार को राज्य में किसान क्रेडिट कार्ड (केसीसी) रखने वालों के लिए अलग-अलग फसलों पर सहकारिता ऋण की सीमा बढ़ाने का ऐलान किया। यहां मीडिया से बात करते हुए मान ने कहा कि राज्य सरकार ने किसान क्रेडिट कार्ड (केसीसी) रखने वालों के लिए नीति में बदलाव करने का फैसला किया है, ताकि इसे किसानों के लिए और ज्यादा फायदेमंद बनाया जा सके। उन्होंने कहा कि गेहूं की फसल के लिए ऋण सीमा 24,300 रुपए प्रति एकड़ से बढ़ाकर 30,000 रुपए प्रति एकड़ कर दी गई है। उन्होंने कहा कि पहली बार फसल के बचे हुए हिस्से (पराली) के प्रबंधन के लिए ऋण के तौर पर 2,000 रुपए प्रति एकड़ की रकम दी जाएगी। मान ने कहा कि गन्ने की फसल के लिए ऋण की सीमा 44,000 रुपए प्रति एकड़ से बढ़ाकर एक लाख रुपए प्रति एकड़ कर दी गई है। उन्होंने आगे कहा कि केसीसी योजना के तहत नई फसलें भी जोड़ी गई हैं, जिनके लिए किसानों को ऋण दिया जाएगा।

अभिनेत्री रवीना टंडन के भाई के घर से 25 लाख रुपए की चोरी के आरोप में महिला गिरफ्तार

मुंबई/भाषा। बॉलीवुड अभिनेत्री रवीना टंडन के भाई के घर में देखभालकर्ता के रूप में परिवार का विश्वास जीतकर कथित तौर पर 25 लाख रुपए के सोने और हीरे के आभूषण चोरी करने के आरोप में 47 वर्षीय एक महिला को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने मंगलवार को यह जानकारी दी।

एक अधिकारी ने बताया कि जुहू पुलिस ने हाल ही में खार निवासी राशि छाबड़िया को गिरफ्तार किया है। राशि को अभिनेत्री की बुजुर्ग मां वीना टंडन की देखभाल के लिए रखा गया था। चोरी की यह घटना पिछले वर्ष अक्टूबर में सामने आई, जब परिवार ने पाया कि उनके सोने-हीरे के आभूषणों तथा दो लग्जरी घड़ियों समेत कई कीमती सामान आलमारी से गायब हैं। चोरी हुए सामान की कीमत 25 लाख रुपए है। मामले में दर्ज प्राथमिकी के अनुसार, राजीव टंडन द्वारा पूछताछ किए जाने पर राशि ने पहले तो अपनी संलिप्तता से इनकार किया, लेकिन बाद में उसने अपराध स्वीकार कर लिया।

पेट्रोल, डीजल की कीमतों में बढ़ोतरी से महंगाई बढ़ने की आशंका : रिपोर्ट

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। पेट्रोल एवं डीजल की कीमतों में वृद्धि से अर्थव्यवस्था पर मुद्रास्फीति-जनित दबाव बढ़ने की आशंका है, जिससे आने वाले महीनों में परिवहन एवं विनिर्माण लागत बढ़ सकती है और आम उपभोग की वस्तुएं महंगी हो सकती हैं। रेटिंग एजेंसी क्रिसिल ने मंगलवार को जारी रिपोर्ट में यह अनुमान जताया।

रिपोर्ट कहती है कि 15 मई के बाद से पेट्रोल एवं डीजल की कीमतों में करीब 7.5 रुपए प्रति लीटर की बढ़ोतरी हो चुकी है और अगर कच्चे तेल के दाम ऊंचे स्तर पर बने रहते हैं तो यह बढ़ोतरी निकट भविष्य में 10 रुपए प्रति लीटर तक पहुंच सकती है।

क्रिसिल ने कहा, इसका असर पूरी अर्थव्यवस्था में ढुलाई लागत में बढ़ोतरी के जरिये दिखेगा, जिससे खाने-पीने की चीजों और अन्य वस्तुओं की महंगाई दोनों बढ़ेंगी।

रिपोर्ट के मुताबिक, ईंधन कीमतों में वृद्धि का सीधा असर महंगाई पर पड़ेगा। ईंधन कीमतों में 7.5 रुपए प्रति लीटर की बढ़ोतरी से खुदरा मुद्रास्फीति करीब 0.36 प्रतिशत बढ़ सकती है। अगर ईंधन कीमतें 10 रुपए प्रति लीटर तक बढ़ जाती हैं तो खुदरा महंगाई में करीब 0.48 प्रतिशत की वृद्धि हो सकती है।

रिपोर्ट में कहा गया कि ईंधन के दाम बढ़ने का सर्वाधिक प्रभाव सड़क परिवहन पर पड़ेगा क्योंकि इसकी लागत का लगभग 42 प्रतिशत हिस्सा ईंधन पर निर्भर है। इससे माल ढुलाई महंगी हो जाएगी और इसका असर रोजमर्रा की वस्तुओं की कीमतों पर पड़ेगा। देश में करीब 71 प्रतिशत माल ढुलाई सड़क मार्ग के जरिये ही होती है।

विवाहित बेटी को 'परिवार' की परिभाषा से अलग रखना स्पष्ट रूप से मनमाना : न्यायालय

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। उच्चतम न्यायालय ने मंगलवार को व्यवस्था दी कि विवाहित बेटियों को अनुकंपा के आधार पर नियुक्ति से बाहर नहीं रखा जा सकता है और 'परिवार' की परिभाषा में उन्हें शामिल नहीं करना स्पष्ट रूप से मनमाना, अनुचित और संवैधानिक रूप से अस्वीकार्य है।

न्यायमूर्ति पी.एस. नरसिम्हा और न्यायमूर्ति आलोक आराधे की पीठ ने इलाहाबाद उच्च न्यायालय के उस आदेश को रद्द करते हुए यह टिप्पणी की, जिसमें कहा गया था कि अनुकंपा के आधार पर नियुक्ति के उद्देश्य से 'परिवार' की परिभाषा में विवाहित बेटी शामिल नहीं है।

उच्चतम न्यायालय ने यह व्यवस्था एक महिला द्वारा दायर अपील पर दी, जो एक मृत राशन डीलर की विवाहित बेटी है। उसने उच्च न्यायालय के उस आदेश को चुनौती दी थी, जिसमें अनुकंपा के आधार पर उचित मूल्य की दुकान पर डीलर के रूप में नियुक्ति के उसके दावे को खारिज कर दिया गया था। महिला ने 2019 के उस सरकारी आदेश को चुनौती दी, जिसमें विवाहित बेटियों को 'परिवार' की परिभाषा से बाहर रखा गया था। शीर्ष अदालत ने फैसला दिया कि विवाहित बेटी को परिभाषा से बाहर रखना उचित नहीं है, क्योंकि आश्रित कोटा के तहत डीलरशिप आवंटन का उद्देश्य वित्तीय कठिनाइयों का सामना कर रहे मृत व्यक्ति के परिवार को तत्काल सहायता प्रदान करना है।

पीठ ने कहा, ''प्रासंगिक विचारणीय बिंदु हैं निर्भरता, वित्तीय आवश्यकता, निवास और डीलरशिप से जुड़े दायित्वों को पूरा करने की आवेदक की क्षमता। वैवाहिक स्थिति का इनमें से किसी भी विचारणीय बिंदु से कोई तार्किक संबंध नहीं है।'' न्यायालय ने कहा कि विवादित प्रावधान इस धारणा पर आधारित है कि विवाह के बाद बेटी अपने माता-पिता के परिवार की सदस्य या आश्रित नहीं रह जाती है और ऐसी धारणा संवैधानिक रूप से अस्वीकार्य है। पीठ ने कहा, ''विवाह न तो बेटी और उसके माता-पिता के बीच के बंधन को समाप्त करता है और न ही आश्रित नहीं होने का कोई वैध आधार प्रदान करता है। समकालीन सामाजिक वास्तविकताएं दर्शाती हैं कि कई विवाहित बेटियां अपने माता-पिता के साथ रहती हैं, उनका भरण-पोषण करती हैं या उन पर आश्रित बनी रहती हैं। इसी प्रकार, ऐसे बेटे भी हो सकते हैं, जो परिभाषा में शामिल होने के बावजूद परिवार पर आश्रित नहीं हैं। निर्भरता एक तथ्यात्मक प्रश्न है और केवल वैवाहिक स्थिति के आधार पर इसका निर्णायक निर्धारण नहीं किया जा सकता है।'' न्यायालय ने फैसले में कहा कि इस योजना में विवाहित बेटे को शामिल होने से बाहर नहीं रखा गया है, क्योंकि वह अपनी वैवाहिक स्थिति के बावजूद परिवार के दायरे में बना रहता है, जबकि बेटी को केवल इसलिए बाहर कर दिया जाता है, क्योंकि वह विवाहित है। पीठ ने टिप्पणी की, ''यह भेद लिंग आधारित एक रूढ़िवादी सोच पर आधारित है कि शादी के बाद बेटी दूसरे परिवार की सदस्य बन जाती है और मायके से उसके सारे संबंध समाप्त हो जाते हैं।'' इसने कहा, ''इस तरह की धारणा समानता की संवैधानिक गारंटी के साथ असंगत है और लैंगिक असमानता की ऐतिहासिक धारणाओं को कायम रखती है, जिसे संविधान समाप्त करना चाहता है।''

न्यायालय ने राज्य की इस दलील को खारिज कर दिया कि विवाहित बेटी स्थानीय निवास की आवश्यकता को पूरा नहीं कर सकती है और इस तर्क को पूरी तरह से असमर्थनीय माना। शीर्ष अदालत ने कहा कि इस मामले में, रिकॉर्ड पर मौजूद तथ्यों से यह साबित होता है कि महिला अपनी शादी के बाद भी उसी गांव में रहती है और उचित मूल्य की दुकान के संचालन में अपनी मां की सक्रिय रूप से सहायता करती रही। पीठ ने कहा, '' अपनी मां के निधन के बाद, अपीलकर्ता ने अपनी बहनों के भरण-पोषण की जिम्मेदारी संभाली, जिसमें एक दृष्टिबाधित बहन भी शामिल है।''

आज मुख्यमंत्री पद की शपथ लेंगे डीके शिवकुमार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक की राजनीति में एक ऐतिहासिक और बड़े बदलाव का अध्याय शुरू होने जा रहा है। कांग्रेस के कद्दावर नेता और संकटमोचक कहे जाने वाले डीके शिवकुमार 3 जून को दोपहर ठीक 4:05 बजे कर्नाटक के नए मुख्यमंत्री के रूप में पद और गोपनीयता की शपथ लेंगे। यह भव्य और राजनीतिक रूप से बेहद महत्वपूर्ण समारोह बेंगलूरु स्थित लोकभवन परिसर में बने आकर्षक 'ग्लास हाउस' में आयोजित किया जाएगा। निवर्तमान मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या के इस्तीफे के बाद कांग्रेस विधायक दल (सीएलपी) की बैठक में सर्वसम्मति से नेता चुने जाने के बाद राज्यपाल थावरचंद गहलोत ने डीके शिवकुमार को सरकार बनाने का औपचारिक न्योता दिया है। इस राजनीतिक परिवर्तन को लेकर पूरे राज्य में जबरदस्त उत्साह है।

कांग्रेस के झंडों और बैनरों से पटा बेंगलूरु

शपथ ग्रहण समारोह को लेकर पूरी राजधानी बेंगलूरु को दुल्हन की तरह सजाया गया है। बेंगलूरु अंतर्राष्ट्रीय एयरपोर्ट से लेकर विधानसभा (विधान सौधा) और राजभवन तक का पूरा क्षेत्र कांग्रेस के झंडों, बैनरों और डीके शिवकुमार के बड़े-बड़े कटआउटस से पाट दिया गया है। राज्य के कोने-कोने से पार्टी कार्यकर्ताओं और समर्थकों का हुजूम बेंगलूरु पहुंचने लगा है। 'कनकपुरा के शेर' कहे जाने वाले शिवकुमार के समर्थक अपने नेता को राज्य की कमान संभालते देखने के लिए बेहद उत्साहित हैं। ढोल-नगाड़ों और पारंपरिक नृत्यों के साथ कार्यकर्ता सड़कों पर जश्न मना रहे हैं।

गवाह बनेगा लोकभवन का 'ग्लास हाउस'

राजनीतिक गलियारों में पहले यह चर्चा थी कि डीके शिवकुमार का शपथ ग्रहण समारोह हमेशा की तरह भव्य स्तर पर विधान सौधा (विधानसभा) की ऐतिहासिक सीढ़ियों पर आयोजित किया जाएगा। इसके लिए लगभग 15,000 बसों और हजारों गाड़ियों को राज्य के अलग-अलग जिलों से कार्यकर्ताओं को लाने के लिए बुक किया जा चुका था। परंतु, ऐन वक्त पर इस योजना में बड़ा बदलाव किया गया। पार्टी सूत्रों और खुद डीके शिवकुमार के अनुसार, इस समय राज्य में ईंधन की समस्या (ईंधन की बचत को प्राथमिकता) और बेंगलूरु शहर में भारी वाहनों की वजह से पैदा होने वाले भीषण ट्रैफिक जाम को देखते हुए भव्यता को कम करने का फैसला किया गया। डीके शिवकुमार ने खुद सादगी की मिसाल पेश करते हुए कहा कि 3 जून को वर्किंग डे (कार्यदिवस) है। इतने बड़े पैमाने पर गाड़ियों के आने से आम जनता को भारी असुविधा होगी और पूरा शहर ठहर जाएगा। हम आम लोगों को परेशान करके अपनी सरकार की शुरुआत नहीं करना चाहते। इसीलिए, ईंधन की बचत और आम जनता की सहूलियत को ध्यान में रखते हुए कार्यक्रम को बेहद सादगी के साथ लोकभवन के 'ग्लास हाउस' में स्थानांतरित कर दिया गया, जहां केवल आमंत्रित विधायक, वरिष्ठ नेता और वीआईपी ही मौजूद रहेंगे।

नए मंत्रिमंडल का होगा स्वरूप, 10 मंत्री और क्षेत्रीय संतुलन

इस शपथ ग्रहण समारोह में केवल डीके शिवकुमार ही शपथ नहीं लेंगे। उनके साथ नई कैबिनेट के लगभग 8 से 10 वरिष्ठ और नए चेहरे भी मंत्री पद की शपथ ले सकते हैं। इस बार कांग्रेस कर्नाटक में एक बड़ा 'राजनीतिक रीसेट' करने जा रही है, जिसमें पुराने और अनुभवी चेहरों को संगठन में भेजकर 50 प्रतिशत नए और युवा चेहरों को कैबिनेट में जगह दी जा सकती है।

शपथ ग्रहण समारोह के लिए किए गए व्यापक सुरक्षा, यातायात इंतजाम

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक के मुख्यमंत्री के रूप में कांग्रेस नेता डी.के. शिवकुमार के तीन जून को होने वाले शपथ ग्रहण समारोह के लिए यहां लोक भवन में व्यापक तैयारियां की गई हैं। विधान सौधा और लोक भवन क्षेत्र के आसपास कांग्रेस के झंडे तथा सोनिया गांधी, राहुल गांधी, शिवकुमार, एआईसीसी के कर्नाटक प्रभारी महासचिव रणदीप सुरजेवाला और निवर्तमान मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या समेत पार्टी के विभिन्न नेताओं के बड़े-बड़े बैनर लगाए गए हैं। कर्नाटक कांग्रेस अध्यक्ष शिवकुमार बुधवार को शाम 4:05 बजे लोक भवन परिसर में मंत्रिपरिषद के कुछ सदस्यों के साथ शपथ लेंगे। उन्हें 30 मई को आधिकारिक रूप से कर्नाटक कांग्रेस विधायक दल का नेता चुना गया था। विधान सौधा से लोक भवन तक के मार्ग को कांग्रेस के झंडों और बैनरों से सजाया गया है, जबकि समारोह के प्रसारण के लिए विभिन्न स्थानों पर एलईडी स्क्रीन लगाई गई हैं।

समर्थकों और पार्टी कार्यकर्ताओं की बड़ी संख्या में मौजूदगी की संभावना को देखते हुए समारोह स्थल के आसपास कड़े सुरक्षा प्रबंध किए गए हैं। लोक भवन की ओर जाने वाली सड़कों पर अवरोधक लगाए गए हैं।

बेंगलूरु के पुलिस आयुक्त सीमांत कुमार सिंह ने कहा कि अतिथि सूची, कार्यक्रम स्थल और समारोह के क्रम को लेकर वरिष्ठ अधिकारियों तथा प्रोटोकॉल अधिकारियों के साथ बैठकें की गई हैं। उन्होंने संवाददाताओं से कहा, इन जानकारियों के आधार पर व्यापक सुरक्षा व्यवस्था की गई है। चूंकि यह एक इनडोर कार्यक्रम है और बैठने की क्षमता सीमित है, इसलिए प्रवेश केवल आमंत्रित अतिथियों को ही दिया जाएगा। सिंह ने कहा कि केवल अधिकृत वाहन और आगंतुक पास ही मान्य होंगे तथा राज्य के बाहर से आने वाले वीआईपी और गणमान्य व्यक्तियों के लिए विशेष व्यवस्था की गई है। उन्होंने कहा, साथ ही हमें कार्यक्रम स्थल के बाहर भी भीड़ जुटने की उम्मीद है, जहां समारोह देखने के लिए एलईडी स्क्रीन लगाई गई हैं। पुलिस आयुक्त ने कहा कि यह सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक कदम उठाए गए हैं कि आम जनता को किसी प्रकार की असुविधा न हो। उन्होंने बताया कि यातायात प्रबंधन की योजना तैयार कर ली गई है और कार्यक्रम स्थल के आसपास वाहनों की आवाजाही को लेकर परामर्श जारी कर दिया गया है।

सिद्दरामय्या और शिवकुमार ने मंत्रिमंडल गठन को लेकर कांग्रेस नेतृत्व के साथ चर्चा की

नई दिल्ली/बेंगलूरु। कर्नाटक के भावी मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता सिद्दरामय्या ने राज्य के अगले मंत्रिमंडल को अंतिम रूप देने के लिए मंगलवार को पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे तथा पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी के साथ चर्चा की। शिवकुमार और पूर्व मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या सोमवार दोपहर दिल्ली पहुंचे थे। कांग्रेस की प्रदेश इकाई के अध्यक्ष शिवकुमार तीन जून को शाम चार बजकर पांच मिनट पर लोक भवन परिसर में मुख्यमंत्री पद की शपथ लेंगे। कांग्रेस नेतृत्व के कहने पर सिद्दरामय्या के इस्तीफा देने के बाद वह इस जिम्मेदारी को संभालने जा रहे हैं। शिवकुमार के साथ कुछ विधायक भी मंत्री पद की शपथ लेंगे। शिवकुमार को शनिवार को औपचारिक रूप से कांग्रेस विधायक दल का नेता चुना गया था। कर्नाटक में मुख्यमंत्री सहित मंत्रिपरिषद में अधिकतम 34 मंत्रियों को शामिल किए जाने का प्रावधान है।

पार्टी सूत्रों के अनुसार, मंत्री पद के दावेदारों की लंबी कतार और उपलब्ध पदों की सीमित संख्या के बीच शिवकुमार के सामने संतुलन साधने की बड़ी चुनौती है। उन्हें हर कदम बेहद सावधानी से उठाना होगा, क्योंकि मंत्रिमंडल में जगह नहीं पाने वाले नेताओं की नाराजगी बड़े स्तर पर असंतोष का रूप ले सकती है। सूत्रों के मुताबिक, नए मंत्रिमंडल में पुराने और नए चेहरों का मिश्रण देखने को मिल सकता है। जातीय समीकरण, क्षेत्रीय प्रतिनिधित्व और सिद्दरामय्या समर्थक नेताओं को ध्यान में रखते हुए संतुलन बनाने की कोशिश की जाएगी। यह भी चर्चा है कि कई उपमुख्यमंत्री बनाए जा सकते हैं और सिद्दरामय्या मंत्रिमंडल के कुछ सदस्यों को नए मंत्रिमंडल से बाहर किया जा सकता है।

रविवार को शिवकुमार से मुलाकात के बाद सिद्दरामय्या के पुत्र और कांग्रेस के विधान परिषद (एमएलसी) सदस्य यतींद्र सिद्दरामय्या ने कहा था कि उन्हें अगले मंत्रिमंडल में जगह मिलने की पूरी उम्मीद है। उन्होंने दावा किया था कि पार्टी नेतृत्व ने उन्हें मंत्री पद देने का आश्वासन भी दिया है। कांग्रेस की प्रदेश इकाई के नए अध्यक्ष को लेकर भी चर्चा जारी है। यह पद फिलहाल शिवकुमार के पास है। वरिष्ठ विधायक और पूर्व मंत्री सतीश जारकीहोली इस दौड़ में सबसे आगे बताए जा रहे हैं। वह प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष पद के साथ-साथ मंत्री पद भी चाहते हैं। सूत्रों का कहना है कि 18 जून को होने वाले राज्यसभा और विधान परिषद चुनावों के बारे में भी इन बैठकों में चर्चा हुई है। विधानसभा में मौजूदा संख्या बल के आधार पर कांग्रेस राज्यसभा की चार में से तीन और विधान परिषद की सात में से पांच सीट जीतने की स्थिति में है।

शिवकुमार ने अपने राजनीतिक सफर को दिशा देने का श्रेय गांधी परिवार को दिया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शपथ ग्रहण से एक दिन पहले, कर्नाटक के मुख्यमंत्री पद के लिए नामित डी.के. शिवकुमार ने मंगलवार को अपने राजनीतिक सफर में गांधी परिवार की भूमिका के लिए उनका आभार व्यक्त किया और जीवन के हर पड़ाव में उन पर भरोसा जताने के लिए उन्हें (गांधी परिवार) धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा कि गांधी परिवार के नेतृत्व तथा राज्य की जनता के आशीर्वाद से वह साझा मूल्यों पर आधारित प्रगतिशील, समावेशी और समृद्ध कर्नाटक के निर्माण के लिए पूरी ईमानदारी और प्रतिबद्धता के साथ काम करते रहेंगे। कर्नाटक प्रदेश कांग्रेस समिति के अध्यक्ष रहे शिवकुमार तीन जून को शाम करीब चार बजे लोक भवन परिसर में मुख्यमंत्री पद की शपथ लेने वाले हैं। उनके साथ मंत्रिपरिषद के कुछ सदस्य भी शपथ ग्रहण करेंगे। उन्हें 30 मई को आधिकारिक तौर पर कर्नाटक कांग्रेस विधायक दल का नेता चुना गया था।

शिवकुमार ने 'एक्स' पर लिखा, ''गांधी परिवार ने मेरे राजनीतिक सफर में निर्णायक भूमिका निभाई है। यह केवल उनके नेतृत्व की वजह से नहीं, बल्कि जीवन के अलग-अलग पड़ावों पर मुझ पर जताए गए उनके विश्वास के कारण भी संभव हुआ है।'' उन्होंने कहा कि वह अक्सर पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी को याद करते हैं, जिन्होंने एक युवा कार्यकर्ता में उस समय संभावनाएं देखी थीं जब वह स्वयं भी अपनी क्षमताओं को पूरी तरह नहीं पहचान पाए थे।

शिवकुमार ने कहा, ''उनके प्रोत्साहन ने मुझे बड़े सपने देखने और सार्वजनिक जीवन के प्रति खुद को समर्पित करने का आत्मविश्वास दिया। महान नेता वही होते हैं जो दूसरों में संभावनाएं पहचानते हैं और उन्हें अपनी अपेक्षाओं से आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करते हैं। राजीव गांधी ने मेरे लिए यही किया था।'' उन्होंने कहा कि कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी ने उन्हें नेतृत्व का एक और महत्वपूर्ण पाठ सिखाया।

शिवकुमार के अनुसार, ''सच्चे नेता केवल सफलता के क्षणों में आपके साथ नहीं खड़े होते, बल्कि कठिन समय में भी आपको ताकत, प्रोत्साहन और अटूट समर्थन देते हैं। मेरी राजनीतिक यात्रा के चुनौतीपूर्ण दौर में उन्होंने मुझ पर जो भरोसा जताया, उसे मैं हमेशा याद रखूंगा।'' उन्होंने कहा कि राहुल गांधी लगातार उनके लिए मार्गदर्शन और प्रेरणा का स्रोत रहे हैं।

लोकतांत्रिक मूल्यों में उनका विश्वास, लोगों की बात सुनने की उनकी तत्परता और अधिक समावेशी तथा संवेदनशील भारत का उनका दृष्टिकोण उन्हें निरंतर प्रेरित करता रहा है। शिवकुमार ने कहा, ''मेरे सार्वजनिक जीवन में उनका समर्थन हमेशा एक मजबूत स्तंभ की तरह रहा है।'' उन्होंने यह भी कहा कि प्रियंका गांधी वाद्रा हमेशा सहज, आत्मीय और प्रोत्साहित करने वाली रही हैं।

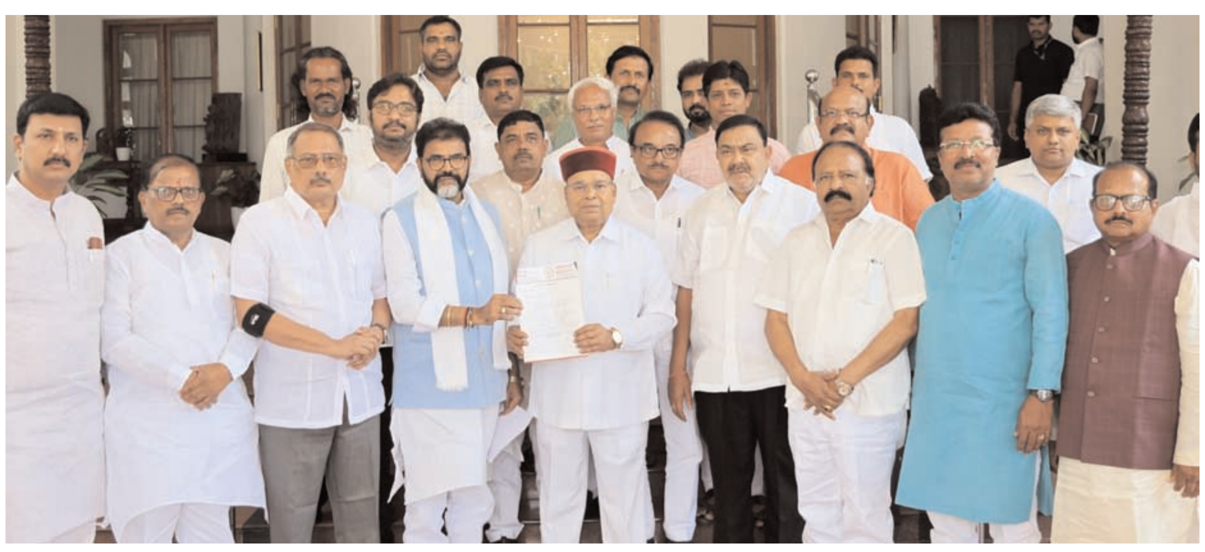

सरकार को अलंद हिंसा से जुड़े आपराधिक मामलों को फिर से शुरू करने के लिए कहें राज्यपाल : भाजपा

बेंगलूरु/दक्षिण भारत । कर्नाटक भाजपा ने मंगलवार को राज्यपाल थावरचंद गहलोत से कलबुर्गी जिले के अलंद में 2022 की सांप्रदायिक हिंसा से जुड़े सात आपराधिक मामलों को वापस लेने के राज्य सरकार के फैसले को पलटने के लिए कदम उठाने का आग्रह किया। विपक्षी दल ने आरोप लगाया कि आपराधिक मामलों को वापस लेने जैसा कदम कानून के शासन और आपराधिक न्याय प्रणाली में जनता के विश्वास को कमजोर करेगा। राज्यपाल को ज्ञापन सौंपने के बाद पत्रकारों से बात करते हुए विधान परिषद में विपक्ष के नेता चालवाड़ी नारायणस्वामी ने कहा कि लाडले मशक दरगाह के अंदर राघव चैतन्य शिवलिंग स्थित है। नारायणस्वामी ने कहा, यह झगड़ा नया नहीं है, बल्कि पिछले 600 वर्ष से चल रहा है। दंगे बार-बार होते रहते हैं और कई लोगों ने अपनी जान गंवाई है।

उन्होंने कहा कि शिवलिंग के अपमान का विरोध और उसका शुद्धिकरण करने वालों पर तलवारों, धारदार हथियारों और पत्थरों से लैस हजारों सशस्त्र लोगों ने हमला किया था। भाजपा नेता ने बताया कि भीड़ ने कलबुर्गी के उपायुक्त और पुलिस अधिकारियों को भी नहीं बख्शा था। नारायणस्वामी ने कहा, इस तरह की हिंसा करने वालों के खिलाफ मामले वापस लेना बेहद निंदनीय है। राज्यपाल को दिए अपने ज्ञापन में भाजपा ने एक मार्च, 2022 को राघव चैतन्य शिवलिंग पूजा घटना से जुड़ी हिंसा के परिणामस्वरूप सात आपराधिक मामलों को वापस लेने को मंजूरी देने वाले मंत्रिमंडल के फैसले को वापस लेने की मांग की।

कई विधायकों के समर्थकों ने अपने-अपने नेताओं को उपमुख्यमंत्री बनाने की मांग की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक के मुख्यमंत्री के तौर पर कांग्रेस नेता डी.के. शिवकुमार के शपथ ग्रहण समारोह से एक दिन पहले उपमुख्यमंत्री पद को लेकर पैरवी तेज हो गई है। कई विधायकों के समर्थक अपने नेताओं के पक्ष में माहौल बनाने के लिए सड़कों पर उतर आए हैं। हालांकि कई विधायक मंत्रिमंडल में जगह पाने के लिए जोरदार प्रयास कर रहे हैं, लेकिन समर्थक चाहते हैं कि उनके नेताओं को केवल मंत्री नहीं बल्कि मुख्यमंत्री भी बनाया जाए।

कांग्रेस नेताओं के. एच. मुनियप्पा, जी. परमेश्वर, शिवानंद पाटिल, प्रियंक खरगे, ईश्वर खांडरे, एच. सी. महादेवप्पा, सतीश जारकीहोली, एम. बी. पाटिल, यतींद्र सिद्दरामय्या को उपमुख्यमंत्री बनाए जाने की मांग उठी है। मंगलवार को मुनियप्पा के समर्थकों ने बेंगलूरु में शक्ति प्रदर्शन करते हुए अपने नेता को उपमुख्यमंत्री बनाने की मांग की। बेंगलूरु के 'पौरकर्मिक' के एक संगठन ने मुनियप्पा के बैनर, पोस्टर और तस्वीरें लेकर रैली निकाली। नारेबाजी करते हुए वे ग्रेटर बेंगलूरु प्राधिकरण मुख्यालय परिसर तक पहुंचे। समर्थकों का कहना था कि केंद्र और राज्य दोनों सरकारों में मंत्री रह चुके मुनियप्पा उपमुख्यमंत्री पद के योग्य हैं। यतीन्द्र के समर्थकों ने भी मैसूरु के रामास्वामी सर्किल में इसी तरह की रैली आयोजित की। बताया गया कि इस कार्यक्रम का नेतृत्व युवा कांग्रेस के पदाधिकारियों ने किया।इस बीच, महादेवप्पा के समर्थकों ने चामराजनगर जिले के गुंडलुपेट में अपने नेता को उपमुख्यमंत्री बनाए जाने की मांग को लेकर प्रदर्शन किया। इसी प्रकार, बसवना बागेवाड़ी में शिवानंद पाटिल के समर्थकों ने भी ऐसी ही मांग की।

प्रियंक खरगे, ईश्वर खांडरे और एम.बी. पाटिल के समर्थकों ने भी अपने-अपने नेताओं को उपमुख्यमंत्री बनाने की मांग करते हुए बयान जारी किए। बेलगावी में सतीश जारकीहोली के समर्थन में विशेष प्रार्थनाएं और प्रदर्शन आयोजित किए गए। समर्थकों ने उन्हें उपमुख्यमंत्री और कर्नाटक कांग्रेस अध्यक्ष दोनों पदों के लिए उपयुक्त बताया।

मुस्लिम समुदाय के लोगों ने बेलगावी किले में स्थित एक दरगाह में जारकीहोली के लिए विशेष दुआ की और मुराद अली शाह दरगाह पर फूलों की चादर चढ़ायी।

दक्षिण पश्चिम रेलवे

ई-निविदा सूचना सं: Y/E.29/2026-27/26
दिनांक: 27.05.2026

भारत के राष्ट्रपति की ओर से अधोहस्ताक्षरी निम्नलिखित कार्य के लिए ई-निविदाएं आमंत्रित करते हैं:

कार्य का नाम	अनुमानित लागत
चामराजनगर (सीएमजीआर) स्टेशन पर प्लॉटफार्म नं. 1 व 2 में कन्वेन्शनल कोच वॉटरिंग सुविधा का प्रावधान।	रु. 25,14,202.17

निविदाओं जमा करने की अंतिम तिथि: 17.06.2026, 11:00 बजे तक

विवरण के लिए लॉग ऑन करें www.ireps.gov.in में

वरिष्ठ विभागीय इलेक्ट्रिकल इंजीनियर/सामान्य/मैसूरु

PUB/174/AAMO/PRB/SWR/2026-27

आसान टिकट बुकिंग, PNR स्थिति और दूसरी रेलवे सेवाओं के लिए RailOne ऐप डाउनलोड करें।

South Western Railway - SWR | SWRRLY | SWRAILWAYHQ | sw_railways

दक्षिण पश्चिम रेलवे

निविदा सूचना सं: 18/2026, दिनांक: 29.05.2026

भारत के राष्ट्रपति की ओर से अधोहस्ताक्षरी निम्नलिखित कार्य के लिए केवल आईआरईपीएस माध्यम से ई-निविदाएं आमंत्रित करते है:

निविदा समापन होने का समय: 10:30 बजे

क्र.सं.	निविदा संख्या	संक्षिप्त विवरण	मात्रा	निविदा तारीख
01	30261492	बोगी बोल्स्टर सस्पेंशन के लिए हैंगर	8120 नं.	10.06.2026
02	29265015ए	आजीबीटी आधारित 3-फेज़ ड्राइव प्रोपल्शन उपकरण	2 नं.	18.06.2026
03	29261012ए	सेकेंडरी स्प्रिंग	77 नं.	19.06.2026
04	37261168	बफर प्लंजर के लिए फेज़ प्लेट	2536 नं.	22.06.2026
05	45251272ए	इंटर वेहिक्युलर कपलर के लिए उपयुक्त केबल के साथ जंपर प्लग असेंबली	234 नं.	01.07.2026
06	30261100	एक्सल बॉक्स हाउसिंग फिनिश्ड	1416 नं.	06.07.2026
07	45261289ए	कम रखरखाव वाली स्टार्टर लेड-एसिड बैटरी - क्षमता: 8 वी, 290 एएच की आपूर्ति	179 सेट	07.07.2026

सूचना सं. 15/2026 के निविदा सं. 33261018 के लिए, निविदा खोलने की अंतिम दिनांक 22.06.2026 से बदलकर 29.07.2026 कर दी गई है।

विवरण के लिए लॉग ऑन करें www.ireps.gov.in में

प्रधान मुख्य सामग्री प्रबंधक, हुबली

PUB/180/AAMO/PRB/SWR/2026-27

आसान टिकट बुकिंग, PNR स्थिति और दूसरी रेलवे सेवाओं के लिए RailOne ऐप डाउनलोड करें।

South Western Railway - SWR | SWRRLY | SWRAILWAYHQ | sw_railways

घड़ियाल संरक्षण के लिए 'रियरिंग सेंटर' में आधुनिक सुविधाएं विकसित, 80 घड़ियाल शावकों को किया शिफ्ट

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान में वन विभाग के संरक्षण प्रयास के तहत रणथम्भौर बाघ अभयारण्य की पालीघाट रेंज के 'रियरिंग सेंटर' में सोमवार को 80 घड़ियाल शावकों (हैचलिंग्स) को सफलतापूर्वक पहुंचाया गया। वन विभाग ने मंगलवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों के अनुसार, इससे पहले यहां 100 घड़ियाल शावक पहुंचाये गये थे।

रणथम्भौर बाघ अभयारण्य के उप वनसंरक्षक मानस सिंह ने बताया कि इन घड़ियाल शावकों के संरक्षण-संवर्धन और प्राकृतिक वातावरण के अनुरूप पालन-पोषण के वास्ते 'रियरिंग सेंटर' में विभिन्न आधुनिक सुविधाओं की व्यवस्था की गयी है। उन्होंने बताया कि 'रियरिंग सेंटर' में शावकों के लिए नए टैंकों की स्थापना की गई है, जिनमें 'थर्मल' और 'डे-लाइट' स्रोत, आधुनिक 'वेव मेकर' (लहरें पैदा करने वाली मशीन), नवीन कृत्रिम टैंक और सुरक्षा कैमरों की व्यवस्था की गई है।

उप वनसंरक्षक के अनुसार इन सुविधाओं का उद्देश्य घड़ियाल शावकों को उनके प्राकृतिक आवास के समान वातावरण उपलब्ध कराना है, जिससे उनके स्वस्थ विकास और व्यवहारिक अनुकूलन में भी सहायता मिल सके। उन्होंने बताया कि इसके अलावा, घड़ियाल शावकों को भोजन के रूप में जीवित मछलियां उपलब्ध कराई जाएंगी ताकि वे प्राकृतिक रूप से शिकार करने की प्रवृत्ति विकसित कर सकें और अपने स्वाभाविक व्यवहार को बनाए रख सकें।

राजस्व पटवारी रिश्वत लेते गिरफ्तार

जयपुर। राजस्थान के गंगानगर जिले में भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) की टीम ने मंगलवार को एक राजस्व पटवारी को कथित रूप से रिश्वत लेते हुए गिरफ्तार किया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों के अनुसार हल्का 68 एलएनपी (रिड़मलसर) के राजस्व पटवारी अकुंश कुमार को गिरफ्तार किया गया है। ब्यूरो के एक बयान के अनुसार एक व्यक्ति ने शिकायत की थी कि उसकी खेती जमीन का खाता विभाजन करने के एवज में पटवारी एक लाख रुपये रिश्वत मांग रहा है।

ब्यूरो के अनुसार उसकी टीम ने मंगलवार को पटवारी अंकुश कुमार को मौके पर रंगे हाथ पकड़कर उससे रिश्वत राशि 50,000 रुपये बरामद किए गए। इसके अनुसार आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया और मामले की जा रही है।

मुख्य सचिव ने स्वच्छ सर्वेक्षण एवं वेस्ट-टू-एनर्जी परियोजनाओं की नियमित समीक्षा के दिए निर्देश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के शहरों को स्वच्छ, आधुनिक एवं वैज्ञानिक अपशिष्ट प्रबंधन आधारित मॉडल के रूप में विकसित करने की दिशा में राज्य सरकार लगातार कार्य कर रही है। इसी क्रम में मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने मंगलवार को स्वच्छ भारत मिशन (शहरी) 2.0 की समीक्षा बैठक सचिवालय में ली और सम्बंधित अधिकारियों को स्वच्छता गतिविधियों में नागरिक सहभागिता को और मजबूत करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि मिशन सुव्यवस्थित तरीके से आगे बढ़ रहा है, इसकी पहुंच व्यापक है और अब इसे जनआंदोलन के रूप में और अधिक प्रभावी बनाने की आवश्यकता है।

मुख्य सचिव ने कहा कि मिशन के अंतर्गत राज्य में सतत स्वच्छता, ठोस अपशिष्ट प्रबंधन, उपयोग किए गए जल के प्रबंधन, जनजागरूकता गतिविधियों एवं क्षमता निर्माण जैसे विभिन्न घटकों पर कार्य किया जा रहा है। मिशन के तहत मेटेरियल रिकवरी फैसिलिटी (एमआरएफ), प्रोसेसिंग प्लांट, सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट, बायो-रिमेडिएशन, डोर-टू-डोर जागरूकता अभियान, नुक्कड़ नाटक, कार्यशालाओं एवं प्रशिक्षण कार्यक्रमों के माध्यम से शहरी स्वच्छता व्यवस्था को मजबूत किया जा रहा है। मुख्य सचिव ने स्वच्छ सर्वेक्षण की तैयारियों एवं जयपुर में संचालित 1000 टीपीडी क्षमता के वेस्ट-टू-एनर्जी प्लांट की नियमित समीक्षा करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि शहरों में आधुनिक एवं वैज्ञानिक अपशिष्ट प्रबंधन प्रणाली को प्रभावी रूप से लागू किया जाए तथा विभिन्न शहरी निकाय एक-दूसरे की श्रेष्ठ कार्यप्रणालियों एवं नवाचारों को साझा करें। उन्होंने ठोस अपशिष्ट प्रबंधन संयंत्रों में तकनीकी एकरूपता सुनिश्चित करने तथा नियमित कार्यशालाएं आयोजित करने पर भी जोर दिया।

मुख्य सचिव ने अमृत 2.0 परियोजनाओं में तेजी लाने के निर्देश देते हुए कहा कि शहरी क्षेत्रों में स्वच्छता एवं अपशिष्ट प्रबंधन से जुड़े कार्यों का प्रभाव सीधे आमजन के जीवन से जुड़ा हुआ है। उन्होंने कहा कि शहरी निकाय स्थानीय स्तर पर नवाचार आधारित मॉडल विकसित करें तथा नागरिकों को स्वच्छता गतिविधियों से सक्रिय रूप से जोड़ें। उन्होंने राज्य में संचालित ठोस अपशिष्ट प्रबंधन, लीगेसी वेस्ट रिमेडिएशन, वेस्ट-टू-एनर्जी परियोजनाओं, निर्माण एवं विध्वंस अपशिष्ट प्रबंधन तथा उपयोग किए गए जल के प्रबंधन कार्यों की प्रगति की समीक्षा की।

स्वायत्त शासन विभाग के शासन सचिव रवि जैन ने बताया कि राज्य में स्वच्छ भारत मिशन (शहरी) 2.0 के अंतर्गत 4804.94 करोड़ रुपए की परियोजनाएं स्वीकृत हैं। वर्तमान में 27 ठोस अपशिष्ट प्रबंधन संयंत्र संचालित हैं, अनेक परियोजनाएं निर्माणाधीन एवं निविदा प्रक्रिया में हैं। राज्य में अब तक 97.43 लाख घनमीटर लीगेसी वेस्ट का वैज्ञानिक निस्तारण किया जा चुका है तथा लगभग 729.79 एकड़ भूमि पुनः उपयोग योग्य बनाई गई है।

जयपुर में संचालित वेस्ट-टू-एनर्जी प्लांट के माध्यम से प्रतिदिन बड़ी मात्रा में कचरे का वैज्ञानिक निस्तारण किया जा रहा है। वहीं, जोधपुर में भी वेस्ट-टू-एनर्जी परियोजना पर कार्य प्रगतिरत है। बैठक में सिंगल यूज प्लास्टिक मुक्त राजस्थान अभियान, डोर-टू-डोर कचरा संग्रहण, सफाई सेवा मैराथन तथा जनभागीदारी आधारित विभिन्न स्वच्छता गतिविधियों की जानकारी भी प्रस्तुत की गई।

राजस्थान में सात करोड़ से अधिक 'आभा' आइडी बनीं, देश में दूसरे स्थान पर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन के तहत राजस्थान में सात करोड़ से अधिक 'आभा' आईडी (पहचान पत्र) बनी हैं और इस लिहाज से वह देश में दूसरे स्थान पर है। अधिकारियों ने मंगलवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों के अनुसार विशिष्ट 'आभा' (आयुष्मान भारत स्वास्थ्य खाता) बनाने में राजस्थान ने बड़ी उपलब्धि हासिल की है, उसने सात करोड़ 19 लाख से अधिक आभा आईडी बनाते हुए देश में दूसरा स्थान प्राप्त किया है। देशभर में 2026 में इन खातों की संख्या ने 90 करोड़ के ऐतिहासिक आंकड़े को पार कर लिया है।

आधिकारिक बयान के अनुसार प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन और मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राजस्थान में गांव-ढाणी से लेकर कस्बों तक गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं एवं सुविधाओं में निरंतर विस्तार हो रहा है। बयान के अनुसार इसी क्रम में आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन जैसे तकनीकी नवाचार का सफल क्रियान्वयन करते हुए मरीजों का डेटा 'यूनिक हेल्थ आभा आईडी' के माध्यम से संग्रहित किया जा रहा है।

फलस्वरूप उनके लिए अस्पतालों में स्वास्थ्य सेवाएं प्राप्त करना आसान हुआ है और लोगों को अपना हेल्थ रिकॉर्ड मोबाइल पर उपलब्ध भी हो रहा है।'आभा' एक विशिष्ट डिजिटल स्वास्थ्य पहचान है, जो नागरिकों को उनकी सहमति से उनके स्वास्थ्य रिकॉर्ड को सुरक्षित रूप से जोड़ने, देखने और साझा करने में सक्षम बनाती है।

आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन एक ऐसा मंच है, जहां मरीज, डॉक्टर और अस्पताल एक-दूसरे से डिजिटल रूप से जुड़े होते हैं। योजना के तहत पंजीकृत नागरिक की एक 14 अंकों की यूनिक आभा 'हेल्थ आईडी' बनती है जो रोगी की पहचान और मेडिकल रिकार्ड का आधार होती है।

राजस्थान पुलिस की 'मेगा नाकाबंदी', एक ही दिन में 15,000 से अधिक चालान काटे

जयपुर। राजस्थान पुलिस ने अपराध नियंत्रण, असामाजिक तत्वों पर शिकंजा कसने और यातायात नियमों की कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित करने के लिए सोमवार को 'मेगा नाकाबंदी' अभियान के तहत एक ही दिन में 15,000 से अधिक चालान काटे। पुलिस ने यह जानकारी दी। एक पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि इस दौरान 74 हजार से अधिक वाहनों की जांच की गई। अतिरिक्त महानिदेशक (कानून व्यवस्था) वीके सिंह ने मंगलवार को बताया कि पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) राजीव कुमार शर्मा के निर्देश पर राज्य में यह व्यापक नाकाबंदी अभियान चलाया गया जिस दौरान राज्य के सभी पुलिस रेंज और आयुक्तालय क्षेत्रों में कुल 1103 नाकाबंदी 'पॉइंट' स्थापित किए गए। उन्होंने बताया कि पुलिस टीमों ने इस दौरान कुल 39,984 दुपहिया और 34,888 चौपहिया वाहनों की जांच की तथा विभिन्न नियमों के उल्लंघन में 226 लोगों को गिरफ्तार किया। सिंह ने बताया कि अभियान के दौरान यातायात नियमों का उल्लंघन करने को लेकर कुल 15,083 चालान काटे गए जिनमें बिना हेलमेट वाहन चलाने को लेकर 3234, सीट बेल्ट नहीं लगाने को लेकर 1648, मोबाइल फोन पर बात करते हुए वाहन चलाने को लेकर 184 चालान थे। इस दौरान वाहनों की जांच के साथ साथ पुलिस ने संदिग्ध गतिविधियों पर भी कड़ी नजर रखी। उन्होंने कहा कि इस दौरान 11 वाहन जब्त किए गए तथा 73 प्रकरण दर्ज किए गए, जिनमें हथियार कानून के चार, आबकारी अधिनियम के 30, एनडीपीएस एक्ट के दो तथा अन्य विशेष एवं स्थानीय कानूनों के 37 मामले हैं। जयपुर पुलिस रेंज में पांच वाहन और 25.50 लाख रुपये की नकदी जब्त की गई।

राज्य में पेट्रोल, डीजल एवं एलपीजी की पर्याप्त उपलब्धता, किसी प्रकार की कमी नहीं : श्रीनिवास

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास की अध्यक्षता में सोमवार को प्रदेश के विभिन्न पेट्रोल पंप डीलर एसोसिएशन के प्रतिनिधियों के साथ समीक्षा बैठक हुई। बैठक का मुख्य उद्देश्य पेट्रोल पंप संचालकों से सीधे संवाद कर राज्य में पेट्रोल, डीजल एवं एलपीजी की उपलब्धता और वितरण व्यवस्था के संबंध में फीडबैक प्राप्त करना था। बैठक में खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग के सचिव अम्बरीष कुमार, राजस्थान के पुलिस महानिदेशक राजीव शर्मा, अतिरिक्त महानिदेशक (साइबर क्राइम एवं तकनीकी सेवाएं) विजय कुमार सिंह तथा अतिरिक्त खाद्य आयुक्त श्रीमती पूनम सागर भी उपस्थित रहे।

बैठक में राज्य के विभिन्न जिलों के पेट्रोल पंप डीलरों ने भाग लिया और अपने-अपने क्षेत्रों में ईंधन एवं एलपीजी की उपलब्धता के संबंध में जानकारी साझा की। अधिकांश डीलरों ने बताया कि राज्य में पेट्रोल, डीजल एवं एलपीजी की आपूर्ति सामान्य और सुचारु बनी हुई है तथा उपभोक्ताओं को किसी प्रकार की कठिनाई का सामना नहीं करना पड़ रहा है। मुख्य सचिव ने डीलरों से जमीनी स्तर की स्थिति की जानकारी प्राप्त करते हुए उपभोक्ताओं को निर्बाध सेवाएं उपलब्ध कराने पर बल दिया।

बैठक में सरकारी तेल विपणन कंपनियों एचपीसीएल, बीपीसीएल एवं आईओसीएल के कार्यकारी निदेशक तथा निजी तेल कंपनियों के प्रतिनिधि भी उपस्थित रहे। इस दौरान राज्य में पेट्रोल, डीजल एवं एलपीजी की आपूर्ति व्यवस्था तथा घरेलू उपभोक्ताओं के बीच पाइप्ड नेचुरल गैस (पीएनजी) कनेक्शनों के विस्तार की भी समीक्षा की गई। मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने राज्य में ईंधन एवं रसोई गैस की उपलबधता पर संतोष व्यक्त करते हुए कहा कि राजस्थान में पेट्रोल, डीजल और एलपीजी की कोई कमी नहीं है तथा आमजन को किसी प्रकार की चिंता करने की आवश्यकता नहीं है।

वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान के तहत जिलेभर में आयोजित हुए जागरूकता कार्यक्रम

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। 'वंदे गंगा' जल संरक्षण जन अभियान 2026 के अंतर्गत कृषि एवं उद्यानिकी विभाग द्वारा जयपुर जिले की विभिन्न ग्राम पंचायतों में सोमवार को जल संरक्षण, सूक्ष्म सिंचाई, प्राकृतिक खेती एवं पर्यावरण संरक्षण से संबंधित विविध जनजागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। कार्यक्रमों में किसानों, महिलाओं, जनप्रतिनिधियों, किसान समूहों एवं ग्रामीण नागरिकों ने उत्साहपूर्वक भागीदारी निभाई। जिला परिषद की मुख्य कार्यकारी अधिकारी प्रतिभा वर्मा ने बताया कि अभियान के दौरान स्प्रिंकलर, ड्रिप सिंचाई प्रणाली, पाइपलाइन एवं फार्म पॉण्ड योजनाओं की जानकारी किसानों को प्रदान की गई तथा विभिन्न योजनाओं के अंतर्गत स्वीकृतियां भी जारी की गईं। सूक्ष्म सिंचाई पद्धतियों को बढ़ावा देने के उद्देश्य से प्राकृतिक, जैविक एवं प्रिसिजन खेती विषयक कार्यशालाओं एवं प्रदर्शनों का आयोजन किया गया, जिनमें किसानों को जल की प्रत्येक बूंद के अधिकतम उपयोग एवं टिकाऊ कृषि पद्धतियों की जानकारी दी गई।

शाहपुरा क्षेत्र में आयोजित कार्यक्रमों में लगभग 1805 नागरिकों ने सहभागिता की। इस दौरान हरियालो राजस्थान अभियान के अंतर्गत पौधारोपण कार्यों की तैयारियां की गईं तथा विद्यालयों में स्वच्छता एवं पर्यावरण संरक्षण गतिविधियों के माध्यम से विद्यार्थियों एवं ग्रामीणों को जागरूक किया गया।

दूदू क्षेत्र में आयोजित कार्यक्रमों में लगभग 923 किसानों एवं ग्रामीणों ने भाग लिया। इस दौरान 25 किसानों को प्राकृतिक एवं जैविक खेती तथा सूक्ष्म सिंचाई पद्धतियों का प्रशिक्षण दिया गया। साथ ही 20 स्थानों पर हरियालो राजस्थान अभियान की तैयारियों की समीक्षा की गई तथा 17 किसानों को कम्पोस्टिंग तकनीकों की जानकारी दी गई। 15 किसानों को लघु सिंचाई यंत्रों का प्रदर्शन कर उनकी उपयोगिता से अवगत कराया गया।

बाड़मेर में धूलभरी आंधी, कच्चे मकान की दीवार गिरने से दो बच्चों की मौत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के बाड़मेर जिले में सोमवार देर रात आई तेज धूलभरी आंधी और बारिश ने भारी नुकसान पहुंचाया। इस दौरान दो बच्चों की मौत हो गई, जबकि कई अन्य लोग घायल हो गए। आंधी से घरों को नुकसान पहुंचा और बिजली आपूर्ति भी प्रभावित हुई। पुलिस के मुताबिक, बोला ग्राम पंचायत के साबरी नगर गांव में टिन शेड वाले एक कमरे की दीवार गिरने से आठ वर्षीय खगेन्द्र मलबे में दब गया। ग्रामीण उसे तत्काल जिला अस्पताल ले गए, जहां चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया।

उन्होंने बताया कि इसी गांव में आंधी के दौरान एक कच्चे मकान की दीवार ढहने से चार वर्षीय खुमनाराम की भी मौत हो गई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, आंधी का असर चौहटन, रामसर, गडरारोड और सीमावर्ती गांवों में भी देखने को मिला और कई पेड़ एवं बिजली के खंभे उखड़ गए, जिससे ग्रामीण क्षेत्रों में रातभर बिजली आपूर्ति बाधित रही। सड़कों पर पेड़ और खंभे गिरने से यातायात भी प्रभावित हुआ।

जल संसाधन विभाग द्वारा आयोजित कार्यक्रम में शामिल हुए राजस्व मंत्री हेमंत मीणा, किया श्रमदान व पौधारोपण

जयपुर। वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान के तहत प्रतापगढ जिले ड्ङकी ग्राम पंचायत बजरंगगढ़ में जल संसाधन विभाग द्वारा आयोजित कार्यक्रम में राजस्थान सरकार के राजस्व मंत्री हेमंत मीना ने भाग लिया। इस दौरान उन्होंने श्रमदान कर जल संरक्षण के प्रति जनभागीदारी का संदेश दिया तथा पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम में उपस्थित ग्रामजन एवं जनप्रतिनिधियों को उन्होंने जल संरक्षण की शपथ भी दिलाई।

राजस्व मंत्री हेमंत मीणा ने कहा कि जल ही जीवन का आधार है और इसके संरक्षण के बिना सतत विकास की कल्पना नहीं की जा सकती। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देशभर में जल संरक्षण, पर्यावरण संरक्षण और जनभागीदारी आधारित अभियानों को नई दिशा मिली है। वहीं मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राजस्थान सरकार जल संसाधनों के संरक्षण, जल संरचनाओं के पुनर्जीवन और वर्षा जल संचयन को बढ़ावा देने के लिए प्रभावी कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान केवल सरकारी कार्यक्रम नहीं बल्कि जन आंदोलन है, जिसमें प्रत्येक व्यक्ति की सहभागिता आवश्यक है। जल बचाने, जल स्रोतों की साफ-सफाई, पौधारोपण तथा वर्षा जल संचयन जैसे प्रयासों से ही आने वाली पीढ़ियों के लिए जल सुरक्षा सुनिश्चित की जा सकती है। राजस्व मंत्री ने कहा कि राज्य सरकार जल संरक्षण को जन-जन का अभियान बनाने के लिए प्रतिबद्ध है तथा प्रदेशभर में विभिन्न विभागों और स्थानीय लोगों की भागीदारी से व्यापक स्तर पर गतिविधियां आयोजित की जा रही हैं। उन्होंने सभी लोगों से जल की प्रत्येक बूंद का महत्व समझते हुए उसके संरक्षण का संकल्प लेने की अपील की। इस दौरान मंत्री मीणा ने जल पूजन भी किया। कार्यक्रम के दौरान जल संरक्षण से संबंधित गतिविधियों का आयोजन किया गया तथा अभियान के उद्देश्यों की जानकारी दी गई।

जैसलमेर में रिजॉर्ट की दीवार गिरने से युवा लोक कलाकार की मौत : पुलिस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जैसलमेर। राजस्थान के जैसलमेर जिले में सोमवार देर रात तेज अंधड़ के दौरान रिसॉर्ट की दीवार गिरने से एक युवा लोक कलाकार की मौत हो गई जबकि तीन अन्य घायल हो गए। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने मंगलवार को बताया कि जिला मुख्यालय से लगभग 45 किलोमीटर दूर सम पर्यटन क्षेत्र में तेज अंधड़ के कारण रिजॉर्ट की दीवार गिर गई और वहां मौजूद कई कलाकार उसके मलबे के नीचे दब गए।

पुलिस के अनुसार मृतक की पहचान बैरिसियाला गांव के लोक कलाकार स्वरूप खान (25) के रूप में हुई है जबकि तीन अन्य घायल कलाकारों में एक पुरुष और दो महिला नर्तक शामिल हैं। पुलिस का कहना है कि घायलों को शुरू में एक स्थानीय अस्पताल ले जाया गया और बाद में जैसलमेर रेफर कर दिया गया। पुलिस ने बताया कि इसके बाद उन्हें आगे के इलाज के लिए जोधपुर रेफर कर दिया गया। रिजॉर्ट मालिक बरोच खान ने बताया कि हादसे के समय लगभग 40 पर्यटक सांस्कृतिक कार्यक्रम देख रहे थे तथा कलाकार खुले मंच पर प्रस्तुति दे रहे थे, तभी पीछे की कंक्रीट की दीवार तेज हवाओं से गिर गई। थाना प्रभारी प्रह्लाद चंद ने बताया कि स्वरूप खान को सिर में गंभीर चोटें आईं और मौके पर ही उनकी मौत हो गई। जिला कलक्टर अनुपमा जोरवाल ने कहा कि आंधी से एक बिजली टावर गिरने से कई क्षेत्रों में विद्युत आपूर्ति ठप हो गई और मरम्मत कार्य जारी है तथा टावर को पुनर्निर्मित करने में लगभग चार दिन लगेंगे। उन्होंने बताया कि सम क्षेत्र में 177 रिजॉर्ट चल रहे हैं, जिनमें से कुछ अनियमित हैं। उपखंड अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं कि रिजॉर्ट्स सुरक्षा प्रोटोकॉल का पालन करें और पर्यटकों की सुरक्षा सुनिश्चित करें।

जिला कलक्टर ने कहा कि राजस्थान के थार मरुस्थल में सम राज्य के सबसे लोकप्रिय पर्यटन स्थलों में से एक है जहां पर्यटक ऊंट सफारी का आनंद लेते हैं। उन्होंने कहा कि शाम के समय आयोजित होने वाले सांस्कृतिक कार्यक्रम, जिनमें लोक संगीत और नृत्य शामिल होते हैं।

रूडसिको के कार्यकारी निदेशक ने संपर्क पोर्टल का किया निरीक्षण

जयपुर/दक्षिण भारत। राजस्थान शहरी पेयजल, सीवरेज एवं आधारभूत संरचना निगम लिमिटेड (रूडसिको) के कार्यकारी निदेशक, हरिमोहन मीणा ने मंगलवार को शासन सचिवालय स्थित राजस्थान संपर्क (181) हैल्पलाइन केंद्र का निरीक्षण किया। उन्होंने संपर्क पोर्टल की कार्यप्रणाली की सराहना करते हुए कहा कि यह पोर्टल आमजन और सरकार के बीच सेतु का काम कर रहा है। शिकायकों के त्वरित और गुणवत्तापूर्ण निस्तारण की इस पारदर्शी व्यवस्था से सरकार पर आमजन का विश्वास सुदृढ़ होता जा रहा है।

मीणा ने स्वयं हैल्पलाइन पर परिवादियों से संपर्क किया और उनकी समस्याओं को संवेदनशीलता से सुना। उन्होंने अधिकारियों को शिकायतों के त्वरित एवं गुणवत्तापूर्ण समाधान के निर्देश दिये। मीणा ने करौली के लोकेश बैरवा से बातचीत की। परिवादी ने बताया कि उन्हें प्रधानमंत्री आवास योजना में आवेदन करने के बाद भी योजना लाभ नहीं मिला है। मीणा ने उन्हें जानकारी दी कि केवाईसी नहीं होने के कारण उनका भुगतान लंबित था। उन्होंने परिवादी को आश्वस्त किया कि अब केवाईसी की प्रक्रिया पूर्ण होने पर आगे की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। शीघ्र ही उन्हें भुगतान कर दिया जाएगा। इसी प्रकार बालोतरा के रामकिशन ने बताया की सीवर लाइन डालने के लिए सड़क की खुदाई तीन महीने पहले की गयी थी, लेकिन आज तक सड़क बनाई नहीं गयी है। मीणा ने परिवादी की समस्या पर त्वरित संज्ञान लेते हुए सम्बंधित अधिकारियों को समस्या के शीघ्र समाधान के लिए निर्देशित किया।

हमने शोहदों को ठीक किया, जो बोली से नहीं माना वो गोली से जरूर मान गया : योगी आदित्यनाथ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कुशीनगर (उप्र)/भाषा। उत्तर प्रदेश मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को कहा कि उनकी सरकार ने शोहदों को ठीक किया है और जो बोली से नहीं माना वो गोली से जरूर मान गया।

अपराधियों और असामाजिक तत्वों का जिक्र करते हुए उन्होंने यहां कहा, ''हमने इन 'शोहदे' (उपद्रवियों) को ठीक कर दिया है। जो नहीं सुधरे, जिन्होंने बातों से नहीं सुनी, उन्होंने आखिरकार गोलियों की बात सुनी।''

मुख्यमंत्री ने कहा,''पहले की सरकारों ने उत्तर प्रदेश को 'कट्टा' (देशी पिस्तौल) और बमों के लिए जाना था। आज वही उत्तर प्रदेश देश की सुरक्षा के लिए ब्रह्मोस मिसाइलें बना रहा है।'' एक बयान के मुताबिक मंगलवार को यहां 424 करोड़ रुपए की 278 विकास परियोजनाओं के लोकार्पण एवं शिलान्यास के अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि कुशीनगर अब पिछड़ेपन की पहचान नहीं, बल्कि बुलेट स्पीड से आगे बढ़ते नए उत्तर प्रदेश का प्रतीक बन रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि भगवान राम के पुत्र कुश, भगवान बुद्ध और भगवान महावीर की तपोभूमि कुशीनगर आज विकास की नई ऊंचाइयों को छू रहा है। उन्होंने कहा कि 9-10 वर्ष पहले यह जनपद पहचान के संकट, इंसेफेलाइटिस, माफिया राज, भूख, बेरोजगारी और अव्यवस्था से जूझ रहा था, खनन माफिया का आतंक था, किसान शोषण का शिकार था, उपज का उचित मूल्य नहीं मिलता था, स्वास्थ्य और शिक्षा सुविधाएं बदहाल थीं तथा फाजिलनगर व कसया क्षेत्र में मुसहर समुदाय के लोगों की भूख से मौत की खबरें आती थीं। उन्होंने कहा कि लेकिन 2014 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश ने नया रास्ता चुना और 'डबल इंजन' सरकार के प्रयासों से कुशीनगर की तस्वीर बदल गई तथा आज जिले में लगभग 90 हजार गरीबों को आवास, 3.14 लाख से अधिक परिवारों को शौचालय, मुफ्त राशन, आयुष्मान भारत योजना के तहत स्वास्थ्य सुरक्षा सहित अनेक जनकल्याणकारी सुविधाएं मिल रही हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि जिस कुशीनगर में कभी मेडिकल कॉलेज, विश्वविद्यालय और हवाईअड्डे की कल्पना तक नहीं की जा सकती थी, आज वहां अपना मेडिकल कॉलेज, अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डा और कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय जैसी सुविधाएं साकार रूप ले चुकी हैं।

उन्होंने कहा कि इसी सत्र से कृषि विश्वविद्यालय का संचालन शुरू होगा और बच्चों का प्रवेश कराया जाएगा। उन्होंने कहा कि किसानों को गन्ने का मूल्य 315 रुपए से बढ़ाकर 400 रुपए प्रति क्विंटल दिया जा रहा है तथा भुगतान भी समय पर सुनिश्चित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि इंसेफेलाइटिस लगभग समाप्त हो चुकी है, ठीक वैसे ही जैसे उत्तर प्रदेश से माफिया राज समाप्त हुआ है।

नेपाल की राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी के प्रमुख ने भाजपा अध्यक्ष नितिन नवीन से मुलाकात की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। नेपाल की राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी (आरएसपी) के अध्यक्ष रवि लामिछाने ने मंगलवार को यहां भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन से मुलाकात की।

भाजपा मुख्यालय पहुंचने पर नेपाल के सत्तारूढ़ दल से जुड़े वरिष्ठ नेताओं के इस प्रतिनिधिमंडल का भव्य स्वागत किया गया। भाजपा के विदेश मामलों के विभाग के प्रभारी विजय चौथाईवाले ने एक बयान में कहा, प्रतिनिधिमंडल का स्वागत करते हुए, नवीन ने साझा सभ्यतागत विरासत, सांस्कृतिक संबंधों और मजबूत जन-केंद्रित संबंधों पर आधारित भारत और नेपाल के बीच घनिष्ठ और ऐतिहासिक संबंधों को रेखांकित किया। लामिछाने के नेतृत्व में आरएसपी का यह प्रतिनिधिमंडल भाजपा अध्यक्ष नवीन के निमंत्रण पर भारत के दौरे पर है। यह प्रतिनिधिमंडल सोमवार दोपहर को नई दिल्ली पहुंचा था।

चौथाईवाले ने कहा कि नवीन ने इस बात पर जोर दिया कि इस तरह की बातचीत से भाजपा और आरएसपी के बीच लोकतांत्रिक संवाद मजबूत होता है और दलों के बीच जुड़ाव गहरा होता है। उन्होंने कहा कि नवीन ने भाजपा की यात्रा, विचारधारा, संगठनात्मक ढांचे और राजनीतिक जुड़ाव के लिए उसके जन-केंद्रित दृष्टिकोण के बारे में जानकारी साझा की। चौथाईवाले ने बताया कि भाजपा अध्यक्ष ने राष्ट्रीय स्तर से लेकर बूथ स्तर तक पार्टी के संगठनात्मक मॉडल को समझाया और जमीनी स्तर पर लोगों के साथ सीधा और निरंतर संपर्क बनाए रखने में भाजपा कार्यकर्ताओं के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा, बातचीत के दौरान, आरएसपी प्रतिनिधिमंडल भाजपा की सदस्यता प्रक्रिया, उम्मीदवार चयन प्रणाली और जमीनी स्तर के कार्यकर्ताओं की पहचान करने तथा उनके साथ जुड़ने के पार्टी के तंत्र को जानने के लिए काफी उत्सुक था।

चौथाईवाले ने कहा, उनके सवालों का जवाब देते हुए, नवीन ने समझाया कि कैसे निरंतर जनसंपर्क, बूथ स्तर के जुड़ाव और लोकतांत्रिक प्रक्रिया में आम नागरिकों की भागीदारी के माध्यम से भाजपा की संगठनात्मक ताकत का निर्माण होता है।

ममता बनर्जी ने 'चुनाव के बाद हुई हिंसा' के विरोध में कोलकाता में धरना दिया

कोलकाता/भाषा। तृणमूल कांग्रेस प्रमुख ममता बनर्जी ने हालिया विधानसभा चुनावों में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की जीत के बाद पार्टी कार्यकर्ताओं और नेताओं पर कथित तौर पर हुए हमलों के विरोध में मंगलवार को मध्य कोलकाता में अपना एक दिवसीय धरना शुरू किया।

कोलकाता पुलिस द्वारा तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) को रानी रश्मोनी रोड पर धरना आयोजित करने की अनुमति देने से इनकार किए जाने के बाद ममता बनर्जी एस्प्लेनेड के वाई-चैनल स्थित धरना स्थल पर पहुंचीं। भीड़ को मेगाफोन के माध्यम से संबोधित करते हुए ममता बनर्जी ने आरोप लगाया, ''हमें मंच स्थापित करने और माइक्रोफोन के इस्तेमाल की अनुमति नहीं दी गई।'' धरना-प्रदर्शन के दौरान अफरा-तफरी का माहौल देखने को मिला और पूर्व मुख्यमंत्री के भाषण के बीच तृणमूल कार्यकर्ता नारेबाजी करते रहे। बनर्जी के साथ पार्टी के वरिष्ठ नेता फिरहाद हकीम, मदन मित्रा, डेरेक ओ'ब्रायन, कल्याण बनर्जी और डोला सेन नजर आए, जबकि टीएमसी के टिकट पर विधानसभा चुनाव जीतकर आए अधिकांश नए चेहरे कार्यक्रम से नदारद रहे।

मथुरा में अध्यात्म की आड़ में युवतियों का शोषण करने वाला साधु बना मैकेनिकल इंजीनियर गिरफ्तार

मथुरा (उप्र)/भाषा। उत्तर प्रदेश के मथुरा जनपद में पुलिस ने राधाकुण्ड में आश्रम बनाकर बेहतर नौकरी दिलाने एवं अध्यात्म का पाठ पढ़ाने का झांसा देकर उच्च शिक्षित युवतियों का शोषण करने के आरोप में एक ऐसे युवक को गिरफ्तार किया है जो अक्सर इंजीनियर युवतियों को ही अपना शिकार बनाता था। पुलिस ने आरोपी के पास से अलगअलग राज्यों की दो युवतियों एवं एक युवक को भी मुक्त कराया है। उन्होंने बताया कि युवक एवं युवतियों के परिजन उन्हें अपने साथ ले गए हैं । पुलिस के मुताबिक ताजा मामला तब प्रकाश में आया जब छत्तीसगढ़ की रहने वाली 22 वर्षीय बीएससी नर्सिंग की छात्रा ने 25 मई को गोवर्धन थाने में प्राथमिकी दर्ज करवायी।

युवती का आरोप है कि बाबा ने पहले तो भगवान का प्रसाद बताकर पीड़िता को नशीला पदार्थ मिला दूध पिलाया और बेहोश होने के बाद उसके साथ दुष्कर्म किया और अश्लील फोटोवीडियो बना लिए। पुलिस ने बताया कि इसके बाद वह युवती एक बार तो अपने घर वापस चली गई, परंतु जब आरोपी ने उसे फोन कर धमकी दी कि वह उसे पांच लाख रुपए दे, अन्यथा उसके वीडियो सोशल मीडिया पर जारी कर देगा।

'वंदे मातरम् को लेकर कांग्रेस फिर मुस्लिम लीग के आगे झुक गई'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने राष्ट्रगीत वंदे मातरम् पर कांग्रेस नेता शशि थरूर की टिप्पणी को लेकर उन पर निशाना साधते हुए मंगलवार को आरोप लगाया कि कांग्रेस केरल में उस मुस्लिम लीग के आगे एक बार फिर ''झुक'' गई है जो सत्तारूढ़ गठबंधन में उसकी सहयोगी है। थरूर ने आधिकारिक कार्यक्रमों की शुरुआत और अंत में वंदे मातरम् के सभी पांच अंतरे गाए जाने की जरूरत पर सवाल उठाया था। उन्होंने इस चलन को ''अनावश्यक रूप से थोपा गया'' बताया था।

भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने थरूर की टिप्पणी पर प्रतिक्रिया देते हुए आरोप लगाया कि कांग्रेस ने पूरे वंदे मातरम् के गायन का विरोध कर राष्ट्रीय सम्मान के प्रति अनादर दिखाया है। पूनावाला ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक वीडियो साझा करते हुए कहा, ''कांग्रेस पार्टी ने एक बार फिर दिखा दिया है कि वह राष्ट्रीय सम्मान के खिलाफ है। उसने पूर्ण वंदे मातरम् के गायन का विरोध किया है। शशि थरूर कहते हैं कि सभी अंतरों को गाना अनावश्यक रूप से थोपा जाना है। वंदे मातरम् के पूर्ण संस्करण में छह अंतरे हैं और फिर भी आप इसे अनावश्यक थोपना बता रहे हैं।'' उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस ने वही मानसिकता दिखाई है, जिसके कारण अतीत में राष्ट्रगीत को दो अंतरों तक सीमित कर दिया गया था। पूनावाला ने कहा, ''यह वही मानसिकता दर्शाता है जिसके तहत (देश के पहले प्रधानमंत्री जवाहरलाल) नेहरू ने वंदे मातरम् को दो अंतरों तक सीमित कर दिया था। जब इसे दो अंतरों तक सीमित किया गया था, तब भी कांग्रेस नेताओं को विरोध का सामना करना पड़ा था। आरिफ मसूद, समाजवादी पार्टी के अबू आजमी और अन्य नेताओं ने कहा था कि वे दो अंतरे भी स्वीकार्य नहीं हैं।'' पूनावाला ने आरोप लगाया कि कांग्रेस इस गीत का विरोध करने वाले वर्गों के दबाव के आगे अतीत में भी झुक गई थी और केरल में मुस्लिम लीग से अपने संबंधों के कारण वह अब भी ऐसा कर रही है।

पश्चिम बंगाल के माथाभंगा में ग्रामीणों को लौटाई जा रही 'कट मनी'

माथाभंगा (पश्चिम बंगाल)/भाषा। कूच बिहार जिले के माथाभंगा में कई लोगों को वह ''कट मनी'' वापस मिल गई है जो उन्होंने पिछली टीएमसी सरकार के दौरान सरकारी योजनाओं का लाभ उठाने के लिए स्थानीय गुंडों को दी थी। जिले के तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) नेतृत्व ने कहा कि पार्टी का ग्रामीणों या व्यापारियों से इस तरह की अवैध रूप से धन वसूली से कोई लेना-देना नहीं है। राज्य में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सत्ता में आने के बाद माथाभंगा के विभिन्न इलाकों में टीएमसी समर्थित स्थानीय दबंगों द्वारा कथित तौर पर ली गई ''कट मनी'' को वापस करने की मांग तेज हो गई। बताया जाता है कि दबाव बढ़ने पर संबंधित लोगों ने कुछ राशि लौटाई भी।

स्थानीय लोगों के मुताबिक, माथाभंगा के सुभाषपल्ली इलाके में आवास योजना के लाभार्थियों को उनसे लिया गया कमीशन वापस कर दिया गया है। भाजपा के एक स्थानीय नेता ने बताया, ''सोमवार को पैसे वापस मिलने के बाद उनमें से कुछ ने स्थानीय मंदिर में पूजा-अर्चना की।''

राबड़ी देवी बंगला मामले पर सम्राट चौधरी

राजशाही नहीं है, मां को एक और बेटे को दूसरा घर चाहिए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

शेखपुरा/भाषा। बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने मंगलवार को राज्य की मुख्य विपक्षी पार्टी राष्ट्रीय जनता दल (राजद) पर परोक्ष रूप से निशाना साधा जो उस सरकारी बंगले को एक मंत्री को आवंटित किए जाने को लेकर नाराजगी जता रही है जिसमें पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी रह रही थीं।

चौधरी ने विपक्षी दल या उसके नेताओं का नाम लिए बिना इस विवाद का उल्लेख करते हुए कहा, ''यह राजशाही नहीं है... मां को एक घर चाहिए और बेटे को दूसरा घर चाहिए।'' मुख्यमंत्री शेखपुरा में आयोजित 'सहयोग शिविर' को संबोधित कर रहे थे। राज्य सरकार ने विभिन्न विभागों से संबंधित लोगों की शिकायतों के त्वरित निस्तारण के लिए हाल ही में इस पहल की शुरुआत की है।

राबड़ी देवी 10, सर्कुलर रोड स्थित सरकारी आवास में रह रही हैं और उन्होंने विधान परिषद में नेता प्रतिपक्ष के रूप में आवंटित 39, हार्डिंग रोड स्थित आवास में अब तक स्थानांतरण नहीं किया है। वहीं, उनके पुत्र एवं विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव एक, पोलो रोड स्थित आवास में रह रहे हैं।

चौधरी ने कहा, ''मैं पिछले कई वर्षों से किसी सरकारी बंगले में नहीं रहा हूं। मैं अपने निजी घर में रहता हूं।'' उन्होंने दावा किया कि मुख्यमंत्री पद संभालने के बाद वह एक, अणे मार्ग स्थित मुख्यमंत्री के आधिकारिक आवास में केवल पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के आग्रह पर काम करने के लिए गए। इसे उनकी सरकार ने 'लोक सेवक भवन' नाम दिया है।

अतीका की करियर की सबसे प्रभावशाली जीत से यूनान में गूंजा भारतीय राष्ट्र गान

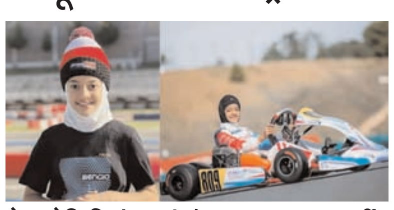

थेसालोनिकी (यूनान)/भाषा। महज 11 वर्षीय भारतीय रेसर (कार्ट रेसिंग ड्राइवर) अतीका मीर ने विश्व मोटरस्पोर्ट मंच पर अपनी प्रतिभा का एक और शानदार प्रदर्शन करते हुए 'चैंपियंस ऑफ द फ्यूचर' अकादमी प्रोग्राम के दूसरे दौर में क्वालिफाइंग, हीट रेस और फाइनल्स में जीत दर्ज कर करियर की सबसे प्रभावशाली सफलता हासिल की। फार्मूला वन अकादमी का समर्थन पाने वाली अतीका ने ओके-एनजे (12-14 वर्ष आयु वर्ग) श्रेणी में बेहद प्रतिस्पर्धी क्षेत्र में दबदबा कायम किया। उन्होंने इस वर्ग में अपने पहले ही सत्र में कई अनुभवी पुरुष ड्राइवरों को कड़ी चुनौती देते हुए असाधारण प्रदर्शन किया। पूरे सप्ताहांत अतीका का प्रदर्शन अन्य प्रतिभागियों से कहीं बेहतर रहा। क्वालिफाइंग से लेकर हीट रेस और दोनों फाइनल्स तक उन्होंने अपना दबदबा बनाए रखा। इस शानदार उपलब्धि के साथ वह श्रृंखला के इतिहास में क्वालिफाइंग, हीट्स और फाइनल्स में सूपड़ा साफ करने वाली केवल तीसरी ड्राइवर बन गईं। ट्रैक पर संयम व आत्मविश्वास के साथ कमाल का प्रदर्शन करने वाली अतीका पोडियम के शीर्ष स्थान पर खड़ी होकर भारतीय राष्ट्रगान बजने के दौरान भावुक हो गईं। उनका लक्ष्य 1990 के दशक की शुरुआत के बाद फार्मूला वन में पहुंचने वाली पहली महिला ड्राइवर बनना है।

आईपीएल ट्रॉफी जीतने के बाद पत्नी संग प्रेमानन्द महाराज के आश्रम पहुंचे क्रिकेटर विराट कोहली

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मथुरा (उप्र)/भाषा। लगातार दूसरे वर्ष रॉयल चैलेंजर्स बंगलुरु (आरसीबी) को इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) ट्रॉफी में जीत दिलाने वाले क्रिकेटर विराट कोहली अभिनेत्री पत्नी अनुष्का शर्मा संग मंगलवार को संत प्रेमानन्द महाराज के वृन्दावन स्थित आश्रम पहुंचे और गुरु का आशीर्वाद पाकर आभार जताया।

आश्रम सूत्रों के अनुसार वे दोनों मुंह पर मास्क लगाए सुबहसुबह करीब सात बजे कार से वृन्दावन परिक्रमा मार्ग स्थित श्रीहित राधा केलि कुंज आश्रम पहुंचे और संत के दर्शन कर आशीर्वाद लिया। वे यहां करीब दो घण्टे तक रहे। दोनों जब आश्रम के एकांतिक वार्ता कक्ष से बाहर निकले तो उनके माथे पर संत के समान ही चंदन और त्रिपुण्ड नजर आ रहा था। उन्हें आश्रम से एक पुस्तक भी उपहार स्वरूप मिली जो वे बगल में दबाए चले आ रहे थे। उन्होंने स्वामी हित गोविंद शरण के आश्रम पहुंचकर उनके भी दर्शन किए। वे इससे पूर्व अप्रैल माह में अक्षय तृतीया के अवसर पर भी वृन्दावन पहुंचे थे और प्रेमानन्द के दर्शन कर बड़े ही प्रफुल्लित नजर आए थे।

कोहली की टीम ने 31 मई को खेले गए आईपीएल के फाइनल मैच में गुजरात टाइटन्स को पांच विकेट से हराकर लगातार दूसरा आईपीएल खिताब जीता था।

असम के काजीरंगा में 'येलो थ्रोटेड-मार्टेन' की नई प्रजाति पाई गई

गुवाहाटी/भाषा। असम के काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान में मार्टेन की एक नई प्रजाति पाई गई है। राज्य सरकार ने मंगलवार को यह जानकारी दी। मुख्यमंत्री कार्यालय ने सोशल मीडिया पर जारी एक पोस्ट में कहा कि काजीरंगा में 'पीले गले वाला मार्टेन' (येलो-थ्रोटेड मार्टन) दिखाई देना असम के संरक्षण मॉडल की मजबूती को रेखांकित करता है। यहां के संरक्षित आवास अपनी समृद्ध जैव विविधता और वन्यजीवों के संरक्षण में निरंतर मदद करते हैं। येलो-थ्रोटेड मार्टन नेवला प्रजाति का एक जीव है।

बयान में कहा गया है, मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा के नेतृत्व में असम संरक्षण की ऐसी सफलता की कहानियां लिख रहा है, जो न केवल प्राकृतिक दृश्यों की रक्षा करती हैं बल्कि फूलते-फलते पारिस्थितिकी तंत्र के पोषण तक विस्तृत हैं। काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान एवं बाघ अभयारण्य पूर्वोत्तर का सबसे बड़ा राष्ट्रीय उद्यान है, जहां प्रसिद्ध एक सींग वाले गैंडे को देखने के लिए बड़ी संख्या में घरेलू और अंतरराष्ट्रीय पर्यटक आते हैं। यूनेस्को के विश्व धरोहर स्थल काजीरंगा पार्क को 1974 में राष्ट्रीय उद्यान घोषित किया गया था। इस उद्यान में दुनिया के एक सींग वाले गैंडों की सबसे बड़ी आबादी निवास करती है। यह बाघ, हाथी, तेंदुए और भालू सहित कई स्तनधारियों तथा हजारों पक्षियों का बसेरा भी है।

नदिया में 'लक्ष्मी भंडार' सूची में मिले 173 पुरुषों के नाम, जांच के आदेश दिए गए : जिलाधिकारी

कृष्णनगर/भाषा। पश्चिम बंगाल के नदिया जिला प्रशासन ने धुबुलिया इलाके में महिलाओं के लिए चलाई जा रही 'लक्ष्मी भंडार' योजना की लाभार्थी सूची में 173 पुरुषों के नाम पाए जाने के बाद जांच शुरू की है। एक अधिकारी ने मंगलवार को यह जानकारी दी।

जिलाधिकारी श्रीकांत पल्ली ने बताया कि इन नामों को सूची से हटा दिया गया है। पल्ली ने संवाददाताओं से कहा, नदिया जिले के धुबुलिया इलाके में लक्ष्मी भंडार सूची में कम से कम 173 पुरुषों के नाम पाए गए थे। इन नामों को हटा दिया गया है और जांच शुरू कर दी गई है। एक अधिकारी ने बताया कि प्रारंभिक जांच से पता चला कि कथित तौर पर 173 लक्ष्मी भंडार खाते बनाए गए और इस साल फरवरी से उनसे पैसे निकाले गए। उन्होंने कहा कि इस धोखाधड़ी के तौर-तरीकों और इसमें शामिल कुल राशि की जांच की जा रही है। सूत्रों ने बताया कि राज्य सरकार ने नदिया जिला प्रशासन को इस मामले की जांच करने का आदेश दिया है। मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने सोमवार को कहा कि उन्होंने पूर्ववर्ती तृणमूल कांग्रेस सरकार की महिलाओं को नकद राशि देने वाली योजना 'लक्ष्मी भंडार' के फर्जी लाभार्थियों की जांच के लिए राज्य के पुलिस प्रमुख से विशेष जांच दल (एसआईटी) गठित करने को कहा है। उन्होंने कहा कि लक्ष्मी भंडार के 2.2 करोड़ लाभार्थियों में से करीब 30 लाख लाभार्थी फर्जी हैं।

आईसीसी का निलंबन अप्रत्याशित, लेकिन सुधारात्मक कदम जारी: क्रिकेट कनाडा

टोरंटो/भाषा। क्रिकेट कनाडा ने कहा है कि उसकी सदस्यता निलंबित करने का अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) का फैसला अप्रत्याशित था लेकिन संस्था ने वैश्विक क्रिकेट संस्था द्वारा बताई गए संचालन और वित्तीय कमियों को दूर करने के लिए व्यापक सुधारात्मक कदम शुरू कर दिए हैं। आईसीसी ने रविवार को अहमदाबाद में हुई अपनी बोर्ड बैठक में क्रिकेट कनाडा की सदस्यता तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दी।

आईसीसी के अनुसार यह कार्रवाई सदस्यता संबंधी दायित्वों के 'गंभीर उल्लंघनों' के कारण की गई। हालांकि

विश्व क्रिकेट संस्था ने स्पष्ट किया कि खिलाड़ियों के हितों की रक्षा के लिए कनाडा की राष्ट्रीय टीमें आईसीसी प्रतियोगिताओं में भाग लेने के लिए पात्र बनी रहेंगी। इस निर्णय पर प्रतिक्रिया देते हुए क्रिकेट कनाडा ने कहा कि वह आईसीसी के फैसले का सम्मान करता है और सभी अनुपालन आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए प्रतिबद्ध है। क्रिकेट कनाडा ने 'स्पोर्ट्सनेट' को दिए बयान में कहा, ''यह निलंबन अप्रत्याशित था। फिर भी, क्रिकेट कनाडा आईसीसी के फैसले का सम्मान करता है और सभी अनुपालन आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है।

भारत महिला टी20 विश्व कप में प्रबल दावेदार : अंजुम

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अहमदाबाद/भाषा। पूर्व कप्तान अंजुम चोपड़ा का मानना है कि अब इंग्लैंड की परिस्थितियां किसी तरह से अपरिचित नहीं हैं और भारतीय महिला टीम टी20 विश्व कप में खिताब के प्रबल दावेदार के रूप में शुरुआत करेगी। भारतीय टीम 14 जून को बर्मिंघम में अपने चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान के खिलाफ अपने अभियान की शुरुआत करेगी।

चोपड़ा ने पीटीआई से कहा, ''इंग्लैंड की परिस्थितियां अपरिचित नहीं हैं। भारतीय टीम में से कुछ या अधिकतर खिलाड़ी पहले भी वहां खेल चुके हैं। कम से कम वर्तमान टीम के प्रमुख खिलाड़ियों को वहां खेलने का अच्छा अनुभव है।'' उन्होंने कहा, '''नंदिनी (शर्मा) की बात करें तो वह वहां अच्छा प्रदर्शन कर रही है। श्री चरणी का अपने संक्षिप्त करियर में पिछले 12 महीने में यह इंग्लैंड का दूसरा दौरा है।'' चोपड़ा ने कहा, ''मेरे लिए भारत प्रबल दावेदार है।

निश्चित तौर पर मैं भारतीय टीम को शीर्ष चार में ही नहीं बल्कि शीर्ष दो और फिर शीर्ष पर देखना चाहती हूं।'' भारत के लिए टूर्नामेंट से पहले कुछ सकारात्मक पहलू रहे हैं। इनमें विकेटकीपर-बल्लेबाज यस्तिका भाटिया का चोट से उबरने के बाद वापसी करना भी शामिल है। बाएं हाथ की इस बल्लेबाज ने वापसी करते ही तुरंत प्रभाव छोड़ा और इंग्लैंड के खिलाफ पहले टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में 40 गेंद में 54 रन की शानदार पारी खेली। इस मैच में कप्तान हरमनप्रीत कौर को आराम दिया गया था।

यास्तिका ने इस तरह से तीसरे नंबर पर अपना मजबूत दावा पेश कर दिया है। जेमिमा रोड्रिग्स को बल्लेबाजी क्रम में नीचे भेजा गया है। ऐसे में चोपड़ा का मानना है कि भारतीय टीम प्रबंधन को अपनी बल्लेबाजी लाइन-अप में अधिक लचीलापन अपनाने की जरूरत हो सकती है। उन्होंने कहा, ''यह बहुत अच्छा है कि वह (यास्तिका) रन बना रही है और उसने पहले टी20 में रन बनाए। हालांकि दूसरे मैच में वह लंबी पारी खेलने से चूक गई। लेकिन इससे यह भी पता चलता है कि यह केवल जेमी, हरमन और यास्तिका के बीच संतुलन बनाने की बात नहीं है।'' चोपड़ा ने कहा, ''मुझे लगता है कि भारतीय टीम को बल्लेबाजी क्रम में लचीलापन लाने के लिए थोड़ा और खुला दृष्टिकोण अपनाना होगा। '' भारत को विश्व कप में ऑस्ट्रेलिया, दक्षिण अफ्रीका, पाक, बांग्लादेश और नीदरलैंड के साथ एक ग्रुप में रखा गया है, जिसमें से शीर्ष पर रहने वाली दो टीम ही सेमीफाइनल में पहुंचेंगी। चोपड़ा ने कहा, ''पाकिस्तान अभी अच्छी क्रिकेट खेल रहा है और भारत को यह पता नहीं है कि नीदरलैंड की टीम कैसा प्रदर्शन करेगी।''

सुविचार

परिस्थितियां जितनी ज्यादा आपको तोड़ती हैं, असल में वो आपको उससे कहीं ज्यादा मजबूत बना देती हैं।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

घुसपैठ और भ्रम का जाल

पश्चिम बंगाल में भाजपा सरकार द्वारा बांग्लादेशी घुसपैठियों को निकाल भगाने की कार्रवाई शुरू किए जाने के बाद अंतरराष्ट्रीय मीडिया का एक वर्ग उनके पक्ष में माहौल बनाने में जुट गया है। उससे प्रभावित होकर भारत में भी कुछ लोग सोशल मीडिया पर घुसपैठ के मुद्दे पर नरम रुख अपना रहे हैं। यह भ्रम का जाल है। हमें इससे दूर रहना चाहिए। मीडिया का उक्त वर्ग ऐसी कहानियां दिखा रहा है, जो घुसपैठियों के साथ ज्यादा से ज्यादा उदारता बरतने की अपील करती हैं। एक घुसपैठिया कहता है कि वह बचपन में भारत आ गया था, क्योंकि मां-बाप उसे यहां ले आए थे। आज वह 38 साल का है। उसने यहीं शादी की थी। यहीं उसके बच्चे हुए। बच्चों की भी शादियां कर दीं। अब उसे बांग्लादेश जाने के लिए 'मजबूर' किया जा रहा है! क्या इन घुसपैठियों ने भारत आकर हम पर कोई उपकार किया है कि इन्हें आगे भी बर्दाश्त करें? अगर मां-बाप का हाथ पकड़कर भारत आए थे तो अब उन्हीं से सवाल पूछें- मुझे यहां क्यों लाए थे? क्या भारत सरकार ने यहां आकर शादी करने का न्योता भेजा था? यह कोई करुण कथा नहीं, बल्कि पिछली सरकारों के ढीले रवैए का एक उदाहरण है। ये लोग बांग्लादेश से उठकर यहां आ जाते हैं। उसके बाद शादियां करते हैं। बच्चों को जन्म देते हैं। यहां के संसाधनों पर मौज करते हैं। जब सरकार इन्हें निकालती है तो अपनी समस्याएं गिनाने लगते हैं। क्या आपकी समस्याओं के लिए भारत सरकार या पश्चिम बंगाल सरकार जिम्मेदार है? जब बांग्लादेश बने लगभग साढ़े पांच दशक हो गए, वहां एक सरकार है, जनप्रतिनिधि हैं, अदालतें हैं, तो बांग्लादेशी नागरिक अपने अधिकार उनसे मांगें। अब वही पुरानी कैसेट न चलाएं कि बांग्लादेश जाकर क्या करेंगे, कहां रहेंगे? इन सवालों के जवाब बांग्लादेशी सरकार से लें, उसके प्रधानमंत्री से लें।

हाकिमपुर सीमा चौकी पर कई बांग्लादेशी महिला-पुरुष अपने बच्चों को लेकर जा रहे हैं। उन्होंने बच्चों को गोद और कंधों पर बैठा रखा है। उनकी तस्वीरें सोशल मीडिया पर डालकर कुछ लोगों को केंद्र सरकार और प. बंगाल सरकार को कोसने का सुनहरा मौका मिल गया है। वे इसे बच्चों के साथ अन्याय बता रहे हैं। वे सरकार पर निशाना साधने के बजाय इन घुसपैठियों से सवाल क्यों नहीं करते? क्या इन्होंने हमारे देश में अवैध ढंग से प्रवेश कर अपने ही बच्चों का भविष्य दांव पर नहीं लगाया था? क्या इन्होंने उनके साथ अन्याय नहीं किया? शुक्र मनाएं कि भारत सरकार ने बहुत मानवता दिखाई है। अगर चीन, सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात जैसे देशों में पकड़े जाते तो लेने के देने पड़ जाते। कोई बांग्लादेशी नागरिक भारत में घुसपैठ करता है तो उसके साथ भविष्य में जो कानूनी कार्रवाई होगी, उसके लिए वह खुद जिम्मेदार होगा। भारत सरकार और प. बंगाल सरकार को पूरा हक है कि वे घुसपैठियों की पहचान करें, उन्हें चेतावनी दें, जेल में डालें और देश से बाहर निकालें। उन्हें आज स्वदेश जाने का मौका दिया जा रहा है। इसका उन्हें आगे बढ़कर फायदा उठाना चाहिए। यह समझें कि अभी मुफ्त में छूट रहे हैं। अगर भविष्य में सख्ती हुई तो यह मौका हाथ से निकल जाएगा। उस सूरत में जेल जाने, सजा पाने की नौबत आ सकती है। बांग्लादेशी घुसपैठिए कोई मेहमान नहीं हैं कि इनके स्वागत-सत्कार के लिए हम पलक-पांवड़े बिछाएं। कुछ कथित बुद्धिजीवी इन घुसपैठियों को राशन, मकान, रोजगार जैसी सुविधाएं दिलाने के लिए अदालतों में चले जाते हैं। वे इतनी चिंता भारतीय नागरिकों की नहीं करते, जितनी घुसपैठियों की करते हैं। इनकी दलीलें बहुत चल गईं। अब सरकार को सख्ती बढ़ानी चाहिए।

ट्वीटर टॉक

गांधी परिवार ने मेरे पॉलिटिकल सफ़र में एक अहम रोल निभाया है, सिर्फ़ लीडरशिप से ही नहीं, बल्कि ज़िंदगी के अलग-अलग पड़ावों पर मुझ पर जो भरोसा दिखाया, उससे भी। मैं अक्सर राजीव गांधी के बारे में सोचता हूँ, जिन्होंने एक युवा वर्कर में मुझसे पहले ही काबिलियत देख ली थी।

-डीके शिवकुमार

साल 2026-27 के बजट ऐलान को लागू करते हुए, पब्लिक वर्क्स डिपार्टमेंट ने 68.30 करोड़ की लागत से 151.75 किलोमीटर लंबी 79 ग्रामीण सड़कों के कंस्ट्रक्शन के काम को मंज़ूरी दी है। जिससे गांवों और मेन हाईवे के बीच कनेक्टिविटी और मज़बूत होगी।

-दिया कुमारी

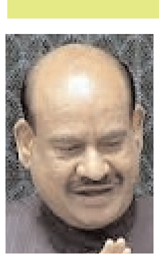

तेलंगाना राज्य स्थापना दिवस के अवसर पर प्रदेश के समस्त नागरिकों को हार्दिक शुभकामनाएँ। यह राज्य अपनी विशिष्ट सांस्कृतिक पहचान, जीवंत परंपराओं तथा प्राकृतिक सौंदर्य के लिए जाना जाता है। यह दिन राज्य के विकास यात्रा और उपलब्धियों का प्रतीक है।

-ओम बिरला

प्रेरक प्रसंग

ज्ञान का सदुपयोग

एक बार अमेरिका की एक औद्योगिक कंपनी ने वैज्ञानिक जॉर्ज वाशिंगटन कार्वर को आकर्षक वेतन पर नौकरी का प्रस्ताव दिया। कंपनी के प्रतिनिधि उनसे मिलने आए। उन्होंने बताया कि यदि कार्वर उनके साथ जुड़ जाएं, तो उन्हें धन, प्रतिष्ठा और अत्याधुनिक सुविधाएं मिलेंगी। कार्वर ने ध्यान से पूरी बात सुनी। फिर उन्होंने विनम्रता से पूछा, 'यदि मैं यह प्रस्ताव स्वीकार कर लूं, तो क्या मैं उन गरीब किसानों के साथ काम कर पाऊंगा जिनके लिए मैं अभी काम करता हूं?' प्रतिनिधि ने कहा, 'आपका अधिकांश समय कंपनी के अनुसंधान कार्य में लगेगा।' कुछ देर कमरे में मौन छाया रहा। फिर कार्वर उठे, खिड़की के पास गए और बाहर खेतों की ओर देखने लगे। वे उन किसानों को अच्छी तरह जानते थे जो बंजर होती जमीन, कम उत्पादन और गरीबी से जूझ रहे थे। वर्षों से वे उनके लिए खेती के नए तरीके और उपयोगी फसलें विकसित कर रहे थे। उन्होंने वापस मुड़कर कहा, 'आपका प्रस्ताव उदार है, लेकिन मेरा काम अभी यहां पूरा नहीं हुआ है।' प्रतिनिधि आश्चर्यचकित रह गए। इतनी बड़ी धनराशि को अस्वीकार करना उनके लिए समझना कठिन था।

सामयिक

वर्तमान समय में तमिलनाडु की राजनीति एक बड़े संक्रमण काल से गुजर रही है जहाँ द्रमुक सत्तासीन है, परंतु विपक्ष बिखराव की स्थिति में है। अन्नाद्रमुक अपने पुराने वैभव और संगठनात्मक शक्ति को खोती हुई दिखाई दे रही है, जबकि दूसरी ओर प्रसिद्ध अभिनेता विजय का नया दल अपने शानदार चुनावी प्रदर्शन के कारण युवाओं के बीच तेजी से मुख्य विकल्प के रूप में उभर रहा है।

क्या नए राजनीतिक युग की शुरुआत करेंगे अन्नामलाई?

महेन्द्र तिवारी
मोबाइल : 9989703240

तमिलनाडु की राजनीतिक भूमि हमेशा से भारतीय राजनीति के मानचित्र पर अपनी एक विशिष्ट और पृथक पहचान बनाए हुए है। देश के अन्य राज्यों के विपरीत यहाँ राष्ट्रीय विचारधारा वाले दलों की तुलना में क्षेत्रीय अस्मिता और क्षेत्रीय संगठनों का प्रभाव कहीं अधिक गहरा रहा है। बीते अनेक दशकों से द्रविड़ आंदोलन की कोख से निकली राजनीति ने ही इस राज्य की सत्ता की दिशा और दशा को पूरी तरह नियंत्रित और संचालित किया है। ऐसे सुदृढ़ और पारंपरिक राजनीतिक परिवेश में जब कोई नया चेहरा अत्यंत तीव्रता के साथ उभरता है, तो उसकी छोटी से छोटी गतिविधि भी राजनीतिक गलियारों में गहरी हलचल और विमर्श का कारण बन जाती है। इस समय तमिलनाडु के राजनीतिक आकाश में जिस एक नाम को लेकर सबसे अधिक चर्चाएं और कयास लगाए जा रहे हैं, वे हैं भारतीय जनता पार्टी के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष के. अन्नामलाई। पिछले कुछ समय से राज्य के समाचारों और राजनीतिक चर्चाओं में इस बात ने अत्यधिक जोर पकड़ लिया है कि वे अपने वर्तमान दल से नाता तोड़कर एक नए क्षेत्रीय राजनीतिक दल का गठन कर सकते हैं। यद्यपि उन्होंने अभी तक इस विषय में कोई आधिकारिक या स्पष्ट घोषणा नहीं की है, परंतु उनके हालिया वक्तव्य, उनके समर्थकों द्वारा लगाए गए विज्ञापन पत्र, महत्वपूर्ण बैठकों से उनकी दूरी और जमीनी स्तर पर चल रही संगठनात्मक गतिविधियों ने राज्य की राजनीति को एक नए विमर्श की ओर मोड़ दिया है।

इस नए राजनीतिक घटनाक्रम की सुगबुगाहट तब और अधिक स्पष्ट रूप से दिखाई देने लगी जब कोयंबटूर शहर में अचानक कई प्रमुख स्थानों पर उनके समर्थकों द्वारा बड़े-बड़े विज्ञापन पत्र लगाए गए। सामान्य राजनीतिक विज्ञापनों से सर्वथा भिन्न इन पत्रों पर अंकित संदेश ने सभी का ध्यान आकर्षित किया, जिसमें लिखा था कि निडर सोच की कोई सीमा नहीं होती। इस वाक्य को राजनीतिक विश्लेषकों और जनता द्वारा एक बड़े बदलाव के संकेत के रूप में देखा गया। इसके तुरंत बाद जनसंचार के आधुनिक माध्यमों और मुख्यधारा की राजनीति में यह बात तेजी से फैल गई कि वे किसी नए और स्वतंत्र राजनीतिक मंच की आधारशिला रखने की तैयारी कर रहे हैं। उनके इस संभावित कदम को तब और बल मिला जब उनके प्रशंसकों और समर्थकों के संगठन, जिसका नाम अन्नामलाई अन्बू कूट्टम है, उसने अचानक अपनी गतिविधियों को तेज करते हुए नए सदस्यों और पदाधिकारियों को जोड़ना आरंभ कर दिया। इसके साथ ही भीतरखाने से यह समाचार भी आ रहे हैं कि मक्कल शक्ति इयक्कम नाम से एक विशाल जनआंदोलन या सामाजिक संगठन की रूपरेखा तैयार की जा रही है, जो आने वाले समय में एक पूर्ण राजनीतिक दल का रूप धारण कर सकता है। के. अन्नामलाई की पूर्व पृष्ठभूमि और उनकी अब तक की राजनीतिक यात्रा भी अत्यंत रोचक और असाधारण रही है। वे भारतीय पुलिस सेवा के एक प्रतिष्ठित अधिकारी रहे हैं और प्रशासनिक सेवा में रहते हुए अपनी कर्तव्यनिष्ठ तथा सख्त छवि के कारण वे आम जनता के बीच अत्यंत लोकप्रिय हुए थे। अपनी सेवा से त्यागपत्र देकर राजनीति के मैदान में उतरने के बाद उन्होंने अपने दल को तमिलनाडु में एक नई ऊर्जा और आक्रामकता प्रदान करने का अथक प्रयास किया। उनकी इसी कार्यशैली को देखते हुए वर्ष 2021 में उन्हें तमिलनाडु में दल का अध्यक्ष नियुक्त किया गया था। बहुत ही अल्प समय में वे राज्य की राजनीति का एक अपरिहार्य और चर्चित चेहरा बनकर उभरे। उनकी संवाद शैली अत्यंत सीधी और सीधे प्रहार करने वाली रही है, जिसके कारण उन्होंने वर्तमान द्रमुक सरकार की नीतियों पर लगातार तीखे हमले किए और अपने दल को राज्य में एक स्वतंत्र राजनीतिक शक्ति के रूप में स्थापित करने की पुरजोर कोशिश की। वर्ष 2024 के लोकसभा चुनावों में यद्यपि उनका दल राज्य में कोई भी निर्वाचन क्षेत्र जीतने में सफल नहीं हो सका, परंतु उनके नेतृत्व में दल का मत प्रतिशत पहली बार दो अंकों तक पहुंचने में कामयाब रहा, जिसे राज्य की राजनीति में एक बड़ी घटना माना गया। इस सफलता का श्रेय मुख्य रूप से उनकी जनसभाओं और उनके द्वारा आयोजित की गई एन मन्न, एन मक्कल नामक व्यापक यात्रा को दिया गया, जिसने उन्हें युवाओं और शहरी मतदाताओं के बीच बेहद लोकप्रिय बना दिया।

परंतु इस तीव्र गति से मिलती सफलता के साथ ही उनके राजनीतिक जीवन में विवाद भी गहरे होते चले गए। उनकी कई आक्रामक टिप्पणियों के कारण उनके दल और उसकी पुरानी सहयोगी संगठन अन्नाद्रमुक के बीच के पारंपरिक संबंध पूरी तरह बिखर गए। उन्होंने द्रविड़ राजनीति के स्तंभ माने जाने वाले पूर्व नेताओं जैसे अन्नादुरई और जयललिता पर कुछ ऐसी टिप्पणियां कीं, जिन्हें अन्नाद्रमुक के कार्यकर्ताओं और समर्थकों ने अपने नेताओं का घोर अपमान माना। इसके परिणामस्वरूप दोनों दलों के बीच कटुता इस सीमा तक बढ़ गई कि उनका गठबंधन टूट गया। राजनीतिक क्षेत्र के जानकारों का मानना है कि केंद्रीय नेतृत्व ने भविष्य के गठबंधनों को बचाने और राजनीतिक संतुलन बहाल करने के लिए उन्हें प्रदेश अध्यक्ष के पद से मुक्त करने का निर्णय लिया। इसी क्रम में वर्ष 2025 में उनके स्थान पर नैनार नागेंद्रन को तमिलनाडु में दल की कमान सौंपी गई। पद से हटाए जाने के बाद भी उनके प्रति निष्ठा रखने वाले समर्थकों और युवाओं की संख्या में कोई कमी नहीं आई, बल्कि उनके समर्थकों ने इसे उनकी राजनीतिक स्वतंत्रता के एक नए अध्याय के रूप में देखा। यही कारण है कि जब हाल के दिनों में उन्होंने दल की दो अत्यंत महत्वपूर्ण राज्य केंद्रीय समिति की बैठकों से पूरी तरह दूरी बना ली, तो उनके अलग रास्ते पर जाने की अटकलों को अत्यधिक हवा मिली।

हाल ही में जब वे चेन्नई हवाई अड्डे से देश की राजधानी दिल्ली के लिए प्रस्थान कर रहे थे, तब उपस्थित संवाददाताओं ने उनसे एक नए दल के गठन की संभावनाओं पर सीधा प्रश्न पूछा। इस पर उन्होंने इस संभावना को सिरे से खारिज नहीं किया, बल्कि रहस्यमयी ढंग से यह कहा कि वे आगामी 2 दिनों में इस विषय पर बैठकर विस्तार से बात करेंगे। राजनीति की भाषा में किसी भी संभावना से पूरी तरह इनकार न करना इस बात का प्रमाण माना जाता है कि पृष्ठभूमि में कोई बड़ा वैचारिक मंथन चल रहा है। इस वक्तव्य के अतिरिक्त उनके इस नए रास्ते के चयन के पीछे केंद्र सरकार की नई भाषा नीति का विवाद भी एक बहुत बड़ा और तात्कालिक कारण बनकर उभरा है। पिछले ही सप्ताह उन्होंने केंद्र सरकार की उस अधिसूचना का प्रखर विरोध किया जिसमें कक्षा 9 से तीन भाषाओं के अध्ययन को अनिवार्य बनाने का प्रावधान किया गया था। उन्होंने तर्क दिया कि इतनी अल्प अवधि में विद्यार्थियों पर नई भाषा का बोझ डालना उनके मानसिक स्वास्थ्य के लिए उचित नहीं है। तमिलनाडु की धरती पर भाषा का प्रश्न हमेशा से ही अत्यंत संवेदनशील और भावनात्मक मुद्दा रहा है, जहाँ वर्ष 1960 के दशक में हुए विशाल हिंदी विरोधी आंदोलनों ने राज्य की पूरी राजनीतिक सत्ता को पलट कर रख दिया था। ऐसे संवेदनशील माहौल में अपने ही दल की केंद्र सरकार के निर्णय के विरुद्ध खड़े होना यह साफ दर्शाता है कि वे अब तमिल पहचान और क्षेत्रीय अस्मिता की राजनीति को प्राथमिकता दे रहे हैं।

वर्तमान समय में तमिलनाडु की राजनीति एक बड़े संक्रमण काल से गुजर रही है जहाँ द्रमुक सत्तासीन है, परंतु विपक्ष बिखराव की स्थिति में है। अन्नाद्रमुक अपने पुराने वैभव और संगठनात्मक शक्ति को खोती हुई दिखाई दे रही है, जबकि दूसरी ओर प्रसिद्ध अभिनेता विजय का नया दल अपने शानदार चुनावी प्रदर्शन के कारण युवाओं के बीच तेजी से मुख्य विकल्प के रूप में उभर रहा है। ऐसे बहुकोणीय और अस्थिर माहौल में यदि के. अन्नामलाई एक नए राजनीतिक दल के रूप में कदम रखते हैं, तो राज्य के सभी चुनावी समीकरण पूरी तरह बदल जाएंगे। उनके पास आधुनिक सूचना तंत्रों और धरातल पर शिक्षित मध्यमवर्ग तथा युवाओं का एक बहुत बड़ा और निष्ठावान आधार है, जो पारंपरिक द्रविड़ राजनीति से इतर एक साफ-सुथरी, प्रशासनिक और भ्रष्टाचार मुक्त राजनीति का विकल्प चाहते हैं। यद्यपि तमिलनाडु जैसे सुदृढ़ संगठनात्मक ढांचे वाले राज्य में बिना किसी मजबूत ऐतिहासिक पृष्ठभूमि के नया दल बनाना और उसे स्थापित करना कोई सुगम कार्य नहीं होगा क्योंकि यहाँ पहले से ही अनेक छोटे-बड़े क्षेत्रीय दल अपनी जमीन तलाश रहे हैं। ऐसी स्थिति में विश्लेषकों का अनुमान है कि वे सीधे दल बनाने के बजाय पहले एक व्यापक जनआंदोलन की शुरुआत कर सकते हैं जो अंततः एक सच्चे धर्मनिरपेक्ष क्षेत्रीय दल का स्वरूप ले सके। उनके इस कदम का सबसे बड़ा आघात उनके पुराने दल पर लगेगा जिसने उनके चेहरे के बल पर राज्य में अपना विस्तार किया था। आने वाले कुछ दिन निश्चित रूप से इस बात का निर्धारण करेंगे कि तमिलनाडु का राजनीतिक भविष्य किस करवट बैठने वाला है।

नजरिया

ये कहां आ गए हम!

मनीष कुमार चौधरी
मोबाइल : 9829453147

एक समय था जब सारा इतिहास पर्यावरण का इतिहास था। जीवन ऋतुओं द्वारा संचालित होता था। मानव समाजों ने अपनी चतुराई का उपयोग आग जलाने, नदियों पर बांध बनाने, जंगलों को काटने के लिए किया। ये सब जीवन के जोखिमों को कम करने के लिए किया। पृथ्वी पर मानव प्रभाव का पैमाना मानव संख्या में वृद्धि के साथ विस्तारित हुआ। संभावित भविष्य की सीमा थोड़ी और व्यापक होती गई। लेकिन अकाल और महामारी के जुड़वां दुश्मन लंबे समय तक पीछे नहीं हटे। और फिर चीजें बदल गईं। दुनिया के सबसे विशेषाधिकार प्राप्त लोगों ने सोचना शुरू कर दिया कि प्रकृति के खिलाफ मानव युद्ध जीता जा सकता है। उनका मानना था कि प्राकृतिक सीमाएं अब धन और शक्ति की उनकी खोज में बाधा नहीं बनतीं। जीवाश्म ईंधन में निहित प्रागैतिहासिक सौर ऊर्जा तक तत्काल पहुंच उन्हें अजेय बनाती है। उनके भाप इंजन और घातक हथियारों ने दुनिया को जीत लिया। आजादी की तलाश में, उन्होंने नदियों को जहरीला कर दिया, पहाड़ियों को नष्ट कर दिया, जंगलों को गायब कर दिया, जीवित जानवरों को आतंकित किया और उन्हें विलुप्त होने के कगार पर पहुंचा दिया। आजादी की तलाश में उन्होंने दूसरों की आजादी छीन ली। इन लोगों का मानना था और कुछ अभी भी मानते हैं कि मनुष्य और पृथ्वी पर जीवन के अन्य रूप केवल संसाधन हैं जिनका शोषण किया जाना चाहिए, जिन्हें इच्छानुसार इधर-उधर ले जाया जा सकता है। औपनिवेशिक काल के बाद की सरकारें और उनके वैज्ञानिक अपने औपनिवेशिक पूर्वजों के मुकाबले कहीं ज्यादा महत्वाकांक्षी थे। वे नैतिक रूप से भी ज्यादा महत्वाकांक्षी थे और तकनीकी रूप से भी। उनमें से कई लोग इस सच्ची भावना से प्रेरित थे कि तकनीक सामाजिक आजादी लाएगी। इंजीनियरिंग इन्फ्रास्ट्रक्चर और समाज को इंजीनियरिंग के जरिए गढ़ना, इन दोनों को एक ही प्रक्रिया के दो पहलू के तौर पर देखा जाता था। रवींद्रनाथ टैगोर ने बहुत पहले 1922 में एक दूरदर्शी भाषण दिया था, जिसमें उन्होंने एक भविष्य की प्रजाति की कहानी का इस्तेमाल किया था, जो किसी दूर के ग्रह को तबाह कर देती है। इस कहानी के जरिए उन्होंने यह बताया था कि इंसान पृथ्वी को कितना अपूरणीय नुकसान पहुंचा रहे हैं।

वन चार्टर सामाजिक संघर्षों से उत्पन्न हुआ, जिससे मानव समाज के रहने के तरीके में तेजी से बदलाव आए। वन चार्टर ने स्वीकार किया कि मानव स्वतंत्रता और समृद्धि मिट्टी, जंगल और जल द्वारा बनाए गए मानव और उससे भी अधिक मानव जीवन की समृद्धि में निहित है। सत्ताधारी लोगों द्वारा उन संसाधनों पर कब्जा करने से दूसरों के जीने के तरीके सीमित और कमजोर हो गए, जिससे पुरातत्वविद और मानवविज्ञानी ने मिलकर सामाजिक स्वतंत्रता के बुनियादी रूपों को नष्ट कर दिया। वर्ष 1940 के दशक में भारत में जन्म लेने वाला बच्चा औसतन पैंतीस साल जीने की उम्मीद कर सकता था; अगर वे इंडोनेशिया या नाइजीरिया में पैदा हुए होते, तो संभावनाएं उतनी ही धूमिल होतीं, और अगर ब्राजील में होते तो भी थोड़ी ही बेहतर होतीं। इनमें से प्रत्येक देश में और वैश्विक दक्षिण के अधिकांश देशों में जन्म के समय जीवन प्रत्याशा एक सदी से भी कम समय में दोगुनी हो गई है। सबसे धनी देशों और बाकी दुनिया के बीच उत्तरजीविता का अंतर कम हो गया है। शिशु मृत्यु दर में तेजी से गिरावट आई है, हालांकि धन और सामाजिक स्थिति के ढाल के साथ असमान रूप से..। आज दुनिया में कहीं भी शिशु मृत्यु दर उतनी अधिक नहीं है जितनी 1900 में ब्रिटेन में थी। उस समय यह दुनिया का सबसे धनी और सबसे शक्तिशाली देश था। मानव संभावनाओं में इस विशाल विस्तार का श्रेय पर्यावरण नियंत्रण में वृद्धि को दिया जा सकता है।

सैनिटरी इंजीनियरों ने उन परिस्थितियों को बाधित किया जिसमें जल-जनित और वेक्टर-जनित बीमारियां पनपती थीं। तेल रिफाइनरियों ने अंशांकित पेट्रोलियम उत्पादों का उत्पादन किया, जिनसे फसल की पैदावार बढ़ाने के लिए उर्वरक और जीवाणु संक्रमण से लड़ने के लिए एंटीबायोटिक्स बनाए गए। कोयला आधारित बिजली संयंत्र या डीजल से चलने वाले जनरेटर ग्रामीण प्रसूति वार्डों में रोशनी बनाए रखते थे, जिससे प्रसव कम से कम कुछ समय के लिए सुरक्षित रहता था। और फिर वर्ष 2001 में, पृथ्वी पर जीवन के हर रूप को समझने और संभावित रूप से हेरफेर करने की मानवीय क्षमता में एक और सीमा पार हो गई। यह वह वर्ष था जब वैज्ञानिकों की एक अंतरराष्ट्रीय टीम ने घोषणा की कि उन्होंने मानव जीनोम की प्रारंभिक अनुक्रमण प्रक्रिया पूरी कर ली है। वैज्ञानिकों ने आखिरकार जीवन के लंबे समय से खोजे जा रहे रहस्यों की कुंजी पा ली थी, जिसमें चिकित्सा के लिए दीर्घकालिक परिणाम थे।

कुछ लोगों का कहना है कि हमने प्रकृति से बाहर एक अस्तित्व प्राप्त कर लिया है.. और अपने भाग्य को नियंत्रित कर लिया है। लेकिन यह निश्चित रूप से एक भ्रम है, और यह केवल कुछ भाग्यशाली देशों में रहने वालों तक ही सीमित है। महासागरों का लगातार अम्लीकरण होता चला जा रहा है। कार्बन डाइऑक्साइड के उत्सर्जन का एक चौथाई हिस्सा समुद्री जल द्वारा अवशोषित कर लिया गया है, जिससे कार्बोनिक एसिड बनता है। यह अम्लीकरण कई जीवों, जैसे मूंगा, मोलस्क और क्रस्टेशियन के अपने खोल बनाने की क्षमता में बाधा डाल रहा है। रीफ पारिस्थितिकी तंत्र में भारी गिरावट ने पृथ्वी को अपने पहले बड़े टिपिंग पॉइंट पर धकेल दिया है। पिछले 50 वर्षों में दुनिया के आधे जीवित मूंगा आवरण गायब हो गए हैं, क्योंकि अम्लीकरण बढ़ते समुद्री तापमान के साथ मिल गया है। असली सवाल यह है कि हम ग्रहीय संकट के इस बिंदु पर कैसे पहुंचे हैं? यह हमारे जीवित रहने की खोज का परिणाम है- भोजन और आश्रय के लिए लंबा और निरंतर संघर्ष, जो अभी भी प्रकृति के बाकी हिस्सों पर मानव प्रभाव का एक बड़ा हिस्सा चलाता है। इसके विपरीत, यह विलासिता की वस्तुओं- पशु, वनस्पति और खनिज की अभिजात वर्ग की खोज का परिणाम है, जो पिछले पांच सौ वर्षों में दुनिया के हर हिस्से में और भी अधिक निरंतर रूप से फैल गई है। यह ऊर्जा की भूखी आर्थिक प्रणालियों का परिणाम है। यह सैन्यवाद के उत्परिवर्तित हाइड्रा का परिणाम है, जो पृथ्वी पर जीवन के हर रूप को नष्ट करने की शक्ति से लैस है। समय के साथ बर्बादी की ये सड़कें और पगडंडियां आपस में उलझ गई हैं। पृथ्वी को मानव इच्छा की विशुद्ध अद्भुत शक्ति द्वारा आकार दिया गया है, जिसने सब कुछ बदल दिया है। असमानता, हिंसा और पर्यावरणीय क्षति के बीच घनी बुनी हुई लट को खोलने की कोई उम्मीद रखने के लिए हमें इसकी उत्पत्ति को समझने की आवश्यकता है।

कुछ लोगों का कहना है कि हमने प्रकृति से बाहर एक अस्तित्व प्राप्त कर लिया है.. और अपने भाग्य को नियंत्रित कर लिया है। लेकिन यह निश्चित रूप से एक भ्रम है, और यह केवल कुछ भाग्यशाली देशों में रहने वालों तक ही सीमित है। महासागरों का लगातार अम्लीकरण होता चला जा रहा है। कार्बन डाइऑक्साइड के उत्सर्जन का एक चौथाई हिस्सा समुद्री जल द्वारा अवशोषित कर लिया गया है, जिससे कार्बोनिक एसिड बनता है।

महत्वपूर्ण
Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company,6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**, (*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2015-2017 posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।– दक्षिण भारत राष्ट्रमत

उत्तर प्रदेश के मथुरा जिले के वृंदावन में मंगलवार को आध्यात्मिक गुरु प्रेमानंद महाराज के आश्रम में दर्शन के लिए पहुंचे क्रिकेटर विराट कोहली और उनकी पत्नी व अभिनेत्री अनुष्का शर्मा।

अब एआई से सीखिए योग, 2.80 लाख तस्वीरों के बूते उन्नत मॉडल तैयार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

इंदौर। कृत्रिम मेधा (एआई) अब किसी प्रशिक्षक की तरह योग की सही और गलत मुद्राओं के बीच का फर्क पहचान सकती है। अनुसंधानकर्ताओं ने 'योग एआई कोच' नाम का एआई मॉडल विकसित किया है। करीब 2.80 लाख तस्वीरों के आधार पर तैयार मॉडल सूर्य नमस्कार समेत योग की 104 प्रकार की मुद्राओं का वास्तविक समय में विश्लेषण कर सकता है। अधिकारियों ने बताया कि यह मॉडल इंदौर के 'श्री जीएस इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी एंड साइंस' (एसजीएसआईटीएस) की अनुसंधान परियोजना के तहत विकसित किया गया है। उन्होंने बताया कि सरकारी क्षेत्र के इस संस्थान की नवाचारी परियोजना को मध्यप्रदेश विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद (एमपीसीएसटी) की ओर से 7.10 लाख रुपये के अनुदान की मंजूरी भी मिली है। परियोजना के प्रधान अन्वेषक ललित पुरोहित ने मंगलवार को 'पीटीआई-भाषा' को बताया, दुनिया भर में बहुत से लोग योग करना चाहते हैं, लेकिन उन्हें इसकी सही मुद्राओं की जानकारी नहीं होती। हमारा विकसित एआई मॉडल लोगों की योग मुद्राओं की गलती वास्तविक समय में पकड़ता है और इनमें सुधार के सुझाव भी देता है।

उन्होंने बताया कि एआई मॉडल को करीब 2.80 लाख तस्वीरों के आधार पर प्रशिक्षित किया गया है और फिलहाल यह 104 तरह की योग मुद्राओं की पहचान कर सकता है जिनमें सूर्य नमस्कार शामिल है। परियोजना के सह-प्रधान अन्वेषक उपेंद्र सिंह ने बताया कि 'योग एआई कोच' को तैयार करने में एजेंटिक एआई, डीप लर्निंग, मशीन लर्निंग, कंप्यूटर विजन तकनीकों का इस्तेमाल किया गया है। उन्होंने कहा कि एआई मॉडल को तैयार करते वक्त योगाभ्यास के दौरान शरीर के कोणों की सटीकता पर विशेष ध्यान दिया गया है। मसलन योग की किसी मुद्रा में साधक के दोनों हाथ एक तय कोण पर होने चाहिए, तो यह मॉडल योगाभ्यास के दौरान इस कोण की मामूली गड़बड़ी भी पकड़ सकता है।सिंह ने बताया कि यह प्रणाली भीड़ की संख्या, पुरुष और महिला प्रतिभागियों की गणना, प्रतिभागियों के चेहरे के भावों का वास्तविक समय में विश्लेषण और योगाभ्यास के दौरान साधकों के प्रदर्शन के अंक भी तय कर सकती है। भविष्य में हार्डवेयर और रख-रखाव के लिए आवश्यक वित्तीय सहायता उपलब्ध होने पर इस एआई मॉडल को लोगों के लिए निःशुल्क उपलब्ध कराने का प्रयास किया जाएगा।

ऊंची कमाई की वजह से लीची की खेती की ओर आकर्षित हो रहा है जम्मू का किसान

जम्मू।जम्मू क्षेत्र के किसान अधिक गहन पौधरोपण (एचडीपी) कार्यक्रम के तहत लीची की खेती की ओर तेजी से बढ़ रहे हैं। वे बेहतर पैदावार और जमीन के एक कनाल (लगभग 0.125 एकड़) से सालाना लगभग 24,000 से 30,000 रुपये की कमाई को लेकर आकर्षित हो रहे हैं। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि जम्मू-कश्मीर प्रशासन ने अगले कुछ साल में उत्पादकता और किसानों की आय बढ़ाने के लिए 3,200 कनाल से ज्यादा पारंपरिक लीची के बागों को अधिक-घनत्व वाले बागान में बदलने का लक्ष्य रखा है। जम्मू के बागवानी निदेशक गुल सैयद ने पीटीआई-भाषा को बताया, इस क्षेत्र के किसान एचडीपी कार्यक्रम के तहत लीची की खेती की ओर तेजी से अग्रसर हो रहे हैं। किसान जमीन के एक कनाल से सालाना लगभग 24,000 से 30,000 रुपये की आय कमा सकते हैं। मुनाफे के अलावा, लीची का पोषण मूल्य भी काफी ज्यादा है।

अधिकारियों ने बताया कि जम्मू शहर के बाहरी इलाकों में बड़े-बड़े खेतों में कई किसानों ने लीची की खेती शुरू कर दी है। सैयद ने कहा कि प्रशासन किसानों को हर जरूरी मदद देगा, जिसमें लीची और दूसरे फलों के विपणन में मदद भी शामिल है। उन्होंने कहा कि उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने उन प्रगतिशील किसानों की भूमिका की तारीफ की है।

प्रियंका मोहन कोरिया पर्यटन की मानद राजदूत नियुक्त

मुंबई/एजेन्सी

कोरियाई सरकार और कोरिया पर्यटन संगठन ने लोकप्रिय अभिनेत्री प्रियंका अरुल मोहन को कोरिया पर्यटन के लिए मानद राजदूत नियुक्त किया है। प्रियंका ने निर्देशक रा कार्तिक की हाल ही में रिलीज हुई तमिल फिल्म 'मेड इन कोरिया' में मुख्य भूमिका निभाई थी। इस सम्मान के लिए आभार व्यक्त करने के लिए अपने इंस्टाग्राम पेज पर प्रियंका ने लिखा, इस शानदार सम्मान के लिए मैं बेहद आभारी हूं। कोरिया टूरिज्म के लिए 'मानद राजदूत' नियुक्त होना मेरे लिए सचमुच बहुत खास है। मैं कोरियाई सरकार और कोरिया टूरिज्म ऑर्गनाइजेशन की तहे दिल से शुक्रगुजार हूं कि उन्होंने मुझे ऐसे व्यक्ति के तौर पर पहचाना जो कोरियाई संस्कृति को भारतीय दर्शकों के और करीब लाने में मदद कर सकता है। उन्होंने आगे कहा, कोरिया की संस्कृति, परंपराओं और वहां के लोगों के प्यार ने मुझे हमेशा प्रेरित किया है। मैं इस खूबसूरत सफर का हिस्सा बनकर बहुत खुश हूं। कोरिया टूरिज्म ऑर्गनाइजेशन के प्रेसिडेंट को उनके भरोसे, दयालुता और गर्मजोशी भरे स्वागत के लिए दिल से धन्यवाद। आगे आने वाली हर चीज का मुझे बेसब्री से इंतजार है।

इस साल अप्रैल में अभिनेत्री ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु द्वारा आयोजित एक डिनर में शिरकत की थी। उस समय भी अभिनेत्री ने कहा था कि उन्हें द्रौपदी मुर्मु, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति ली जे-म्युंग जैसे सम्मानित नेताओं के साथ बैठकर भोजन करने का अवसर मिलने पर गहरा गर्व महसूस हुआ।राष्ट्रपति भवन में हुए डिनर की अपनी तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट करते हुए उन्होंने लिखा था, राष्ट्रपति भवन में एक बेहद शानदार शाम। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु द्वारा आयोजित डिनर में शामिल होकर मैं सम्मानित महसूस कर रही हूं, जहां प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति ली जे-म्युंग भी उपस्थित थे।

उन्होंने आगे कहा, इतनी जानी-मानी हस्तियों के बीच होने और उनसे बातचीत करने का मौका मिलने के लिए मैं सचमुच आभारी हूं। इतने सम्मानित नेताओं के साथ बैठकर भोजन करने का अवसर मिलना मेरे लिए बहुत बड़े सम्मान की बात है। हमारी फिल्म 'मेड इन कोरिया' की उनकी तारीफ से मैं अभिभूत हूं। शशि थरूर से मिलना और उनके साथ एक सार्थक बातचीत करना बहुत ही शानदार अनुभव रहा। नेताओं से मिलने और उनके साथ समय बिताने के अपने अनुभव का जिक्र करते हुए उन्होंने लिखा, मेरे अंदर की छोटी बच्ची को आज उपलब्धि का गहरा एहसास हो रहा है। यह एक ऐसा पल है जो बरसों के सपनों, कड़ी मेहनत और विश्वास को खामोशी से बयां करता है। ऐसे पल मुझे याद दिलाते हैं कि हम जो करते हैं, वह क्यों करते हैं, कहानी सुनाना, जो अलग-अलग संस्कृतियों को आपस में जोड़ता है। यह एक ऐसी याद है जिसे मैं हमेशा सहेजकर रखूंगी। उन्होंने 'मेड इन कोरिया' की टीम को धन्यवाद देते हुए अपनी पोस्ट खत्म की और कहा, इस सफर को इतना खास बनाने के लिए 'मेड इन कोरिया' की पूरी टीम का दिल से शुक्रिया। बता दें कि 'मेड इन कोरिया', जिसमें प्रियंका अरुल मोहन मुख्य भूमिका में हैं, 12 मार्च को सीधे ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स पर रिलीज हुई थी। दिलचस्प बात यह है कि इस फिल्म का एक बड़ा हिस्सा कोरिया में शूट किया गया था, और यह प्रियंका अरुल मोहन का पहला ऐसा प्रोजेक्ट है जिसमें उन्हें इंटरनेशनल सितारों के साथ काम करने का मौका मिला।

वर्क प्लेस पर कामकाजी मांओं के लिए क्यों नहीं हैं बच्चों के कमरे : कंगना रनौत

मुंबई/एजेन्सी

आज के दौर में महिलाओं की भागीदारी हर क्षेत्र में तेजी से बढ़ रही है, लेकिन चुनौती आज भी वही है परिवार और करियर के बीच संतुलन बनाने की। खासकर मां बनने के बाद कई महिलाओं के लिए नौकरी और बच्चों की जिम्मेदारी को साथ लेकर चलना आसान नहीं होता। इसी मुद्दे को लेकर अभिनेत्री और सांसद कंगना रनौत ने अपनी नई फिल्म 'भारत भाग्य विधाता' के प्रमोशन के दौरान खुलकर बात की है। कंगना रनौत ने कहा कि अगर समाज और सरकार चाहते हैं कि महिलाएं बड़े पैमाने पर वर्कप्लेस पर सक्रिय रहें तो उन्हें बेहतर सुविधाएं और सहयोग भी दिया जाना चाहिए। कंगना ने शूटिंग के दिनों को याद करते हुए कहा, मेरी को स्टार स्मिता तांबे की बेटियां अक्सर सेट पर आया करती थीं। वहीं अभिनेता अक्षत का बच्चा भी कई बार शूटिंग सेट पर मौजूद रहता था। बच्चे शूटिंग के बीच खाली समय में एक-दूसरे के साथ खेलते थे और कलाकार अपने काम में व्यस्त रहते थे। इन सबको देखकर मेरे मन में एक सवाल बार-बार उठता था कि आखिर काम की जगहों को इस तरह क्यों नहीं बनाया जाता? कामकाजी मांओं के लिए बच्चों के कमरे क्यों नहीं हैं?

कंगना रनौत ने कहा, आजकल वर्कप्लेस पर कर्मचारियों के लिए कई तरह की सुविधाओं की चर्चा होती है। कहीं प्रार्थना कक्ष बनाए जाते हैं तो कहीं अन्य जरूरतों को ध्यान में रखकर खास इंतजाम किए जाते हैं, लेकिन बच्चों के लिए अलग कमरों या देखभाल की व्यवस्था बहुत कम देखने को मिलती है। जब महिलाओं को काम करने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है, तो यह भी जरूरी है कि उनके बच्चों की जरूरतों को ध्यान में रखा जाए। यह केवल एक सुविधा नहीं, बल्कि एक आवश्यक व्यवस्था होनी चाहिए।

अभिनेत्री ने कहा, महिलाओं को वर्कप्लेस पर लाने और उन्हें लंबे समय तक काम से जुड़े रहने के लिए केवल नीतियां बनाना काफी नहीं है। इसके साथ ऐसी सुविधाएं भी जरूरी हैं जो उनके जीवन को

आसान बना सकें। एक मां अपने बच्चे की चिंता से पूरी तरह मुक्त नहीं हो सकती। अगर कार्यस्थल पर बच्चों के लिए सुरक्षित जगह हो, तो महिलाएं ज्यादा आत्मविश्वास और सुकून के साथ अपना काम कर पाएंगी।कंगना रनौत ने इस विषय को सरकार की सोच और महिलाओं की बढ़ती भागीदारी से भी जोड़ा। उन्होंने कहा, देश में महिलाओं को आगे बढ़ाने और उन्हें हर क्षेत्र में शामिल करने की कोशिश की जा रही है। यह एक सराहनीय कदम है, लेकिन इसके साथ आने वाली चुनौतियों को भी समझना होगा। जब बड़ी संख्या में महिलाएं वर्कप्लेस में आएंगी, तब बच्चों की देखभाल और पारिवारिक जिम्मेदारियों का सवाल और ज्यादा महत्वपूर्ण हो जाएगा।अपने बयान में कंगना ने कहा, आज कई महिलाओं के सामने ऐसी स्थिति आ जाती है, जहां उन्हें परिवार और करियर में से किसी एक को प्राथमिकता देनी पड़ती है। कई बार उचित सहयोग न मिलने के कारण महिलाएं अपने पेशेवर सपनों से समझौता कर लेती हैं। अगर समाज सच में महिलाओं को हर क्षेत्र में आगे बढ़ते देखना चाहता है तो उन्हें मजबूत सहायता व्यवस्था देनी होगी। केवल महिलाओं से उम्मीद करना पर्याप्त नहीं है, बल्कि उनके लिए अनुकूल माहौल तैयार करना भी उतना ही जरूरी है।

कंगना रनौत का मानना है कि आने वाले समय में यह मुद्दा और बड़ा होने वाला है। जैसे-जैसे ज्यादा महिलाएं नेतृत्व की भूमिकाओं में आएंगी और विभिन्न क्षेत्रों में अपनी पहचान बनाएंगी, वैसे-वैसे बच्चों की देखभाल से जुड़ी सुविधाओं की जरूरत भी बढ़ेगी। इस विषय पर गंभीर चर्चा होनी चाहिए ताकि भविष्य में महिलाओं को करियर और परिवार के बीच कठिन चुनाव न करना पड़े।

दीप प्रज्वलित

पटना में मंगलवार को गन्ना उद्योग विभाग और वसंतदादा शुगर इंस्टीट्यूट, पुणे के बीच एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर के दौरान पारंपरिक दीप प्रज्वलित करते बिहार के गन्ना उद्योग मंत्री संजय कुमार।

दर्शकों को खास नजरिए से देखती हैं जान्हवी कपूर

नई दिल्ली/एजेन्सी

अभिनेत्री जान्हवी कपूर की फिल्म 'पेड्डी' सिनेमाघरों में रिलीज को तैयार है। फिल्म के प्रमोशन में व्यस्त अभिनेत्री को उम्मीद है कि दर्शक उन्हें और उनकी फिल्म को वैसा ही प्यार देंगे, जैसा हमेशा देते आए हैं। उन्होंने यह भी बताया कि व दर्शकों को खास नजरिए से देखती हैं। फिल्म 'पेड्डी' की रिलीज से पहले उन्होंने कहा कि ईमानदारी और मेहनत से बनी फिल्म सही लोगों तक जरूर पहुंचती है। उन्होंने दर्शकों की राय को बेहद महत्वपूर्ण बताया और कहा कि कलाकारों को उनकी फीडबैक से सीखना चाहिए। साल 2018 में फिल्म 'धड़क' से बॉलीवुड में डेब्यू करने वाली जान्हवी कपूर ने से बातचीत में कहा, मुझे लगता है कि फिल्म बनाना एक तरह का सेवा कार्य है। हम दर्शकों को मनोरंजन देने के लिए फिल्में बनाते हैं। अगर फिल्म अच्छे इरादे, कड़ी मेहनत और ईमानदारी से बनाई जाए तो वह उन लोगों तक पहुंचती है, जहां पहुंचनी चाहिए।

जान्हवी ने सोशल मीडिया पर फिल्म रिलीज से पहले ही नकारात्मक टिप्पणियां करने वाले

लोगों का जिक्र करते हुए कहा कि लोग जल्दी जज कर लेते हैं, लेकिन उनकी राय को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। उन्होंने जोर देकर कहा, दर्शक ईश्वर की तरह हैं और हम उनकी सेवा या बेहतर करने की कोशिश कर रहे हैं। उनकी हर राय का स्वागत है। अगर इससे हमें बेहतर काम करने में मदद मिले तो हम सब कुछ स्वीकार करेंगे।अभिनेत्री ने यह भी बताया कि फिल्मों के प्रति उनका नजरिया पूरी तरह सकारात्मक है। वह मानती हैं कि दर्शकों की भावनाओं को समझना और उनका सम्मान करना हर कलाकार की जिम्मेदारी है। बुची बाबू सना के निर्देशन में बनी तेलुगु फिल्म 'पेड्डी' 4 जून को थिएटर्स में रिलीज होगी। इसमें जान्हवी के साथ राम चरण, बोमन ईरानी, शिवा राजकुमार, जगपति बाबू और दिव्येंदु अहम भूमिकाओं में हैं।

जायजा

दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता मंगलवार को नई दिल्ली के बुराड़ी में औचक निरीक्षण के दौरान जिला परिवहन कार्यालय, वाहन निरीक्षण इकाई, वाहन प्रशिक्षण संस्थान और स्वचालित परीक्षण स्टेशन का जायजा लेती हुईं।

भाई ने मेरा हाथ थामकर साथ में डांस किया था : दिव्या दत्ता

मुंबई/एजेन्सी

अभिनेत्री दिव्या दत्ता ने भारतीय सिनेमा में अपने बहुमुखी अभिनय से दर्शकों के दिलों पर अमिट छाप छोड़ी है। उन्हें वर्ष 2018 में फिल्म 'इरादा' के लिए सर्वश्रेष्ठ सहायक अभिनेत्री का राष्ट्रीय पुरस्कार मिला था। सोमवार को अभिनेत्री ने इस खास पल को याद करते हुए एक भावुक पोस्ट साझा की। अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो पोस्ट किया। इस वीडियो में वह नई दिल्ली के विज्ञान भवन में पुरस्कार प्राप्त करती नजर आ रही हैं। साथ ही, वीडियो में फिल्म 'इरादा' में उनके द्वारा निभाए गए पंजाब की मुख्यमंत्री के किरदार की कुछ झलकियां भी शामिल हैं। अभिनेत्री ने पुराने दिनों को याद करते हुए लिखा, यह पल मेरे लिए बहुत खास था। फिल्म 'इरादा' के लिए मिला मेरा पहला राष्ट्रीय पुरस्कार आज भी यादगार है। मुझे याद है कि उस खुशी के मौके पर मेरे भाई ने मेरा हाथ थामकर मेरे साथ डांस किया था।

अभिनेत्री ने बताया कि इस फिल्म ने उन्हें अपनी मां के निधन के गम से उबरने में काफी मदद की थी। उन्होंने उस दौर को याद करते हुए लिखा, 'इरादा' वह पहली फिल्म थी, जिसकी शूटिंग मैंने मां के जाने के बाद की थी। उस समय मैं भावनात्मक रूप से काफी टूट चुकी थी, लेकिन इस फिल्म ने मुझे उस मुश्किल दौर से बाहर निकलने में बहुत मदद की। इन यादों को साझा करने के लिए दिव्या संचारि का दिल से धन्यवाद। अभिनेत्री दिव्या दत्ता को वर्ष 2018 में 65वें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कारों में फिल्म 'इरादा' के लिए सर्वश्रेष्ठ सहायक अभिनेत्री का राष्ट्रीय पुरस्कार मिला था। उन्हें यह प्रतिष्ठित सम्मान फिल्म में उनके प्रभावशाली अभिनय के लिए प्रदान किया गया था।फिल्म 'इरादा' में दिव्या दत्ता ने पंजाब की मुख्यमंत्री का किरदार निभाया था। उनके साथ फिल्म में नसीरुद्दीन शाह, अरशद वारसी जैसे मंजे हुए कलाकार भी प्रमुख भूमिकाओं में थे। यह उनके करियर का पहला राष्ट्रीय पुरस्कार था।

मां के साथ ज्यादा समय नहीं बिता पाने का रश्मि देसाई को दुख, बोलीं- 'मुझे अपराधबोध होता है'

मुंबई/एजेन्सी

अभिनेत्री रश्मि देसाई हाल ही में राजीव खंडेलवाल के रियलिटी टीवी शो 'तुम हो ना – घर की सुपरस्टार' में अपनी मां रसीला देसाई के साथ नजर आईं। इस दौरान रश्मि ने मां-बेटी के रिश्ते और परिवार को समय न दे पाने पर बात कीं। इस दौरान वह बेहद भावुक नजर आईं। शो में बातचीत के दौरान रश्मि ने स्वीकार किया कि व्यस्त पेशेवर जिंदगी के कारण वह अपनी मां के साथ पर्याप्त समय नहीं बिता पातीं और इसे लेकर उन्हें अपराधबोध महसूस होता है। होस्ट राजीव खंडेलवाल ने रश्मि की मां से पूछा कि क्या उनकी बेटी घर में भी उतने ही नखरे करती हैं, जितना लोग अक्सर कलाकारों के बारे में सोचते हैं। इस पर रसीला देसाई ने मुस्कुराते हुए कहा कि रश्मि आमतौर पर ज्यादा नखरे नहीं करतीं, हालांकि कभी-कभी ऐसा हो जाता है।रसीला ने बताया कि काम की व्यस्तता के कारण रश्मि का ज्यादातर समय घर से बाहर ही गुजरता है। उन्होंने कहा कि एक समय ऐसा भी था जब दोनों अपने-अपने काम में इतने व्यस्त रहते थे कि बातचीत के लिए भी मुश्किल से समय मिल पाता था। अब रिटायरमेंट के बाद वह चाहती हैं कि बेटी उनके साथ अधिक समय बिताएं, ताकि दोनों बैठकर खुलकर बातें कर सकें। मां की यह बात सुनकर रश्मि भावुक हो गईं। उन्होंने कहा कि उन्हें इस बात का एहसास है कि वह अपनी मां को पर्याप्त समय नहीं दे पा रही हैं। अभिनेत्री ने माना कि यह बात उन्हें अंदर ही अंदर परेशान करती है और इसके लिए वह खुद को दोषी भी मानती हैं।रश्मि ने कहा कि उनके जीवन की सबसे बड़ी सीख उनकी मां से ही मिली है। उन्होंने बचपन से अपनी मां को लगातार मेहनत करते देखा है। रसीला देसाई कम नींद में भी पूरे समर्पण के साथ काम करती थीं और अपने लक्ष्य पर केंद्रित रहती थीं। यही वजह है कि काम के प्रति वही अनुशासन और समर्पण रश्मि के स्वभाव का भी हिस्सा बन गया। अभिनेत्री ने बताया कि उन्होंने बहुत कम उम्र में काम करना शुरू कर दिया था। जब वह 16 साल की थीं और उनका भाई 14 साल का था, तभी से दोनों को लगातार मेहनत करने की आदत पड़ गई थी। उन्होंने कहा कि उनके परिवार में खाली बैठने की बजाय कुछ न कुछ सीखने और आगे बढ़ने पर हमेशा जोर दिया जाता है। रश्मि ने माना कि आज भी जब उन्हें काम से थोड़ा समय मिलता है, तब भी वह खुद को किसी नई चीज को सीखने या किसी गतिविधि में व्यस्त रखती हैं।

तूफानी टाइटन्स टीम बनी जीतो क्रिकेट प्रतियोगिता की विजेता व क्रिया टीम बनी उपविजेता

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। जैन इन्टरनेशनल ट्रेड आर्गेनाइजेशन (जीतो) लेडीज विंग मैसूरु ने जीतो चैप्टर और अरसी स्पोर्ट क्लब के सहयोग से स्पोटर्स फिस्टा-2 का आयोजन किया जिसमें क्रिकेट प्रतियोगिता में 6 टीमों ने तथा बैडमिंटन प्रतियोगिता में 100 से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में डॉ सिनी अर्जुन व डॉ अर्जुन उपस्थित थे। लेडीज़ विंग की अध्यक्ष मोना भटेवरा ने सभी का स्वागत किया और कार्यक्रम की जानकारी दी। मुख्य शाखा के अध्यक्ष विनोद बाकलीवाल, मुख्य सचिव गौतम सालेचा ने अपने विचार व्यक्त किए। इस मौके पर जीतो के उपाध्यक्ष भेरूलाल पितलिया कोषाध्यक्ष नेमीचन्द श्रीश्रीमाल, लेडीज़ विंग के संयोजक कांतिलाल चौहान, यूथ विंग के अध्यक्ष सिद्धार्थ काटारिया सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे। शहर के डीसीपी सुन्दरराज की भी विशेष उपस्थिति थी।

क्रिकेट प्रतियोगिता में तूफानी टाइटन्स टीम विजेता बनी तथा क्रिया टीम उपविजेता रही।

सभी विजेताओं को नगद राशि व ट्रॉफी से सम्मानित किया गया।इस कार्यक्रम में लेडीज़ विंग की कोषाध्यक्ष मीनाक्षी कोठारी, सहकोषाध्यक्ष सीमा बोहरा, संयोजिका नीलम लोढ़ा की टीम ने व्यवस्था संभाली। लेडीज विंग की सहसचिव योगिता मुथा ने संचालन किया और उपाध्यक्ष सपना गांधी ने धन्यवाद दिया।

तेरापंथ सभा आडगुड़ी की नई कार्यकारिणी समिति ने ली शपथ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्थानीय तेरापंथी सभा आडगुड़ी की नई कार्यकारिणी समिति का शपथ ग्रहण समारोह तेरापंथ भवन में साध्वीश्री पावनप्रभाभजी के सान्निध्य में मंगलवार को हुआ। इस आयोजन में साध्वीश्री पावनप्रभाजी ने बीस मिनट में सवा लाख 'ॐ ह्रीं नमः' का मंत्र जाप करवाया। नवगठित टीम को शुभकामनाएं देते हुए साध्वीश्री ने कहा कि सामाजिक कार्यों के साथ आध्यात्मिक कार्य इस भवन में होते रहे ताकि स्वयं का विकास करते हुए धर्मसंघ का गौरव बढ़ाते रहें। साध्वीश्री आत्मायशाजी, उन्नतयशाजी, रम्यप्रभाजी ने भी शुभकामनाएं दी। संस्कारक जितेंद्र घोषल, महेंद्र दक, छतरसिंह मालू, विनोद बरड़िया ने जैन संस्कार विधि द्वारा नवमनोनीत अध्यक्ष कन्हैयालाल सिंघी के शपथ ग्रहण समारोह को विधिवत प्रारंभ किया।

निवर्तमान अध्यक्ष स्वर्णमाला पोखरणा ने कन्हैयालाल सिंघी को अध्यक्ष पद की शपथ दिलाई। सिंघी ने नए पदाधिकारियों के नामों की घोषणा करते हुए राजेन्द्र पोकरना को मंत्री, अभयराज कोठारी को उपाध्यक्ष, कान्तिलाल संचेती को कोषाध्यक्ष, पंकज सुराणा को सहमंत्री, लतेश सेठिया को संगठन मंत्री मनोनीत किया।ङ्ग कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए महासभा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष प्रकाश लोढ़ा ने नवमनोनीत टीम को शुभकामना दी।

महासभा कर्नाटक आंचलिक प्रभारी महेंद्र दक ने संविधान की जानकारी दी। सभा के प्रभारी नवनीत मुथा, प्रकाश बाबेल, भवरलाल मांडोत, कुंदन गन्ना, पुष्पराज चौपड़ा,वीणा बैद, लक्ष्मी बोहरा, जितेन्द्र कोचर ने नव मनोनीत टीम को आगामी कार्यकाल हेतु शुभकामना दी। इस अवसर पर अनेक श्रावक श्राविकाएं उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन ज्योति संचेती ने किया तथा मंत्री राजेंद्र पोकरना ने धन्यवाद दिया।

डिग्री

बेंगलूरु के ज्ञान ज्योति सभागार में मंगलवार को नृपतुंगा विश्वविद्यालय के दूसरे और तीसरे वार्षिक दीक्षांत समारोह-2026 के दौरान डॉक्टरेट ऑफ लेटर्स की मानद उपाधि से सम्मानित होने के बाद अपनी डिग्री के साथ पोज देतीं पूर्व मंत्री और कर्नाटक फिल्म चैंबर ऑफ कॉमर्स की अध्यक्ष जयमाला।

दीपक केबल्स मामले में छापेमारी, 1.27 करोड़ का सोना और कैश जब्त

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के बेंगलूरु जोनल ऑफिस ने 21 से 29 मई को बैंक के साथ धोखाधड़ी से जुड़े एक मामले में दीपक केबल्स (इंडिया) लिमिटेड से संबंधित व्यक्तियों और संस्थाओं के विभिन्न परिसरों पर तलाशी अभियान चलाया। तलाशी अभियान के दौरान, दीपक केबल्स (इंडिया) लिमिटेड, दीपक केबल्स इंडिया लिमिटेड (डीसीआईएल) के निदेशक के वेंकटेश्वर राव, आधुनिक कॉर्पोरेशन लिमिटेड के निदेशक महेश अग्रवाल (कोलकाता) और अन्य से संबंधित विभिन्न आपत्तिजनक दस्तावेज पीएमएलए, 2002 के प्रावधानों के तहत जब्त किए गए। इसमें ईडी ने 1.27 करोड़ का सोना (आभूषण) और कैश जब्त किया है। वहीं, ईडी ने पीएमएलए, 2002 की धारा 17(1ए) के तहत 18 करोड़ की शेष राशि वाले विभिन्न बैंक खातों को अस्थायी रूप से फ्रीज कर दिया है।

ईडी ने दीपक केबल्स इंडिया लिमिटेड (डीसीआईएल) और उसके निदेशक के वेंकटेश्वर राव तथा अन्य के खिलाफ सीबीआई द्वारा दर्ज एफआईआर के आधार पर जांच शुरू की। इन पर एसबीआई के नेतृत्व वाले बैंकों के एक समूह के साथ 899.35 करोड़ की धोखाधड़ी करने का आरोप है। यह धोखाधड़ी बड़ी ऋण सुविधाएं प्राप्त करके और ऋण निधियों को अन्यत्र मोड़कर की गई थी।

कंपनी ने कथित तौर पर बैंक ऋण प्राप्त करने और उन्हें जारी रखने के लिए झूठे वित्तीय विवरण प्रस्तुत किए और खातों की पुस्तकों में हेरफेर किया।

ईडी की जांच से पता चला कि आरोपियों ने काल्पनिक बिक्री और खरीद, सर्कुलर ट्रेडिंग (आपसी व्यापार) और नकली कॉर्पोरेट गारंटी जारी करने के लिए कई संस्थाओं का उपयोग किया। इन लेन-देनों का उपयोग कृत्रिम रूप से टर्नओवर बढ़ाने, बैंकों से आहरण शक्ति बढ़ाने, मौजूदा ऋणों को 'एवरग्रीन' (लगातार चालू) रखने और संबंधित कंपनियों तथा व्यक्तिगत खातों के माध्यम से 'अपराध से अर्जित आय' को अन्यत्र मोड़ने के लिए किया गया, जिससे उनके अवैध मूल को छिपाया जा सके। जांच में यह भी पाया गया कि ऋण निधियों की एक बड़ी राशि बिना किसी व्यावसायिक औचित्य और संदिग्ध उद्देश्य के के. वेंकटेश्वर राव के नियंत्रण वाली संबंधित संस्थाओं को अन्यत्र मोड़ दी गई थी। वहीं, आगे की जांच जारी है।

'ब्रांड बेंगलूरु' को लेकर नेता प्रतिपक्ष अशोक ने शिवकुमार पर निशाना साधा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष आर. अशोक ने बेंगलूरु की चरमराती बुनियादी सुविधाओं को लेकर नामित मुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार पर मंगलवार को जोरदार हमला बोला और उनके 'ब्रांड बेंगलूरु' के बड़े सपने पर सवाल उठाए। अशोक ने कहा कि शहर के प्रति इस ''आपराधिक लापरवाही'' के लिए पूरी तरह शिवकुमार जिम्मेदार हैं, जो सिद्दरामय्या सरकार में बेंगलूरु विकास के प्रभारी मंत्री थे।

भाजपा नेता ने ग्रेटर बेंगलूरु प्राधिकरण (जीबीए) के ''एक किलोमीटर'' अभियान पर भी निशाना साधा और इसे संवेदनहीन तथा मजाक करार दिया। उन्होंने कहा कि ऐसे अभियान चलाने के बजाय पहले शहर के जर्जर और बदहाल बुनियादी ढांचे को दुरुस्त किया जाना चाहिए।

जीबीए ने नागरिकों से एक किलोमीटर पैदल चलने की अपील की थी, लेकिन जब लोगों ने चलने लायक फुटपाथ की मांग उठाई तो प्राधिकरण ने अपनी सोशल मीडिया पोस्ट हटा ली। अशोक ने एक्स पर पोस्ट में लिखा, ''देखो हमारी आईटी राजधानी का क्या हाल हो गया है। एक हफ्ते की बारिश में बेंगलूरु की सड़कें जानलेवा हो गई हैं। हालत यह है कि लोगों के लिए यह समझना मुश्किल हो गया है कि सड़क कहां खत्म होती है और खुले तथा उफनते नाले कहां से शुरू होते हैं।''

उन्होंने कहा, चिकपेट, के.आर. मार्केट और मामुलपेट से लेकर होरामावु, आउटर रिंग रोड और लवेल रोड तक, पूरा शहर मानो खतरनाक बाधाओं से भरे रास्ते में तब्दील हो गया है। एक ओर ग्रेटर बेंगलूरु अथॉरिटी (जीबीए) दिखावटी कवायदों और मौसमी नौटंकी में व्यस्त है, आम आदमी गंदे नाले के पानी से भरे गड्ढों से जान जोखिम में डालकर गुजर रहा है।

अशोक ने कहा कि इस ''आपराधिक लापरवाही'' के लिए सीधे तौर पर नामित मुख्यमंत्री शिवकुमार जिम्मेदार हैं। जिस शहर की रक्षा उन्हें करनी थी, उसे उन्होंने सत्ता की कुर्सी पाने की जोड़तोड़ में पूरी तरह भुला दिया। नेता प्रतिपक्ष ने तंज कसते हुए पूछा, ''क्या यही है आपका 'ब्रांड बेंगलूरु' का बड़ा सपना, शिवकुमार जी? एक ऐसा शहर जहां कारोबार ठप हो, ट्रांसपोर्टर व्यावसायिक इलाकों में घुसने से मना कर दें और दोपहिया सवार रोज अपनी जान दांव पर लगाकर निकलें?'' अशोक ने कहा कि टूटी सड़कें ठीक करने के बजाय शिवकुमार का प्रशासन एक किलोमीटर'' जैसे हास्यास्पद सोशल मीडिया अभियान से नागरिकों का मजाक उड़ा रहा है।

देहव्यापार का रैकेट चलाने के आरोप में चार व्यक्ति गिरफ्तार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। बेंगलूरु के विभिन्न इलाकों में किराये के मकानों से देहव्यापार का रैकेट चलाने के आरोप में तीन महिलाओं समेत चार लोगों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने मंगलवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि एक गुप्त सूचना के आधार पर केंद्रीय अपराध शाखा की महिला सुरक्षा दस्ते के अधिकारियों ने अलग-अलग तारीखों पर निर्धारित स्थानों पर छापेमारी की। पुलिस ने बताया कि बेंगलूरु के टी दासरहल्ली, जरगनहल्ली और मुदलापल्या इलाकों में किराये के मकानों में महिलाओं को रखकर देहव्यापार कराया जा रहा था।

पुलिस के अनुसार, इस अभियान के दौरान उन्होंने तीन महिलाओं और एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया जो कथित तौर पर महिलाओं को देहव्यापार में धकेलने या इसमें सहयोग करने में शामिल थे। उन्होंने तीन महिलाओं को भी मुक्त कराया जिनमें अन्य राज्यों से दो महिलाएं शामिल हैं जिन्हें कथित तौर पर वेश्यावृत्ति में धकेला गया था।

बेंगलूरु पुलिस आयुक्त सीमांत कुमार सिंह के कार्यालय द्वारा जारी एक बयान में कहा गया है, ''गिरफ्तार व्यक्तियों से पूछताछ के दौरान उन्होंने कथित तौर पर स्वीकार किया कि अधिक पैसा कमाने के इरादे से वे देहव्यापार की सेवा के इच्छुक पुरुषों से फोन पर संपर्क करते थे उन्हें किराये के घरों में बुलाते तथा वहां वेश्यावृत्ति की गतिविधियां चलाते थे।'' पुलिस ने बताया कि आरोपियों के खिलाफ बागलगुंटे थाना, पुत्तेनहल्ली थाना और चंद्र लेआउट थाने में मामले दर्ज किए गए हैं और आगे की जांच जारी है।

विश्व पर्यावरण दिवस

मुंबई में मंगलवार को आयोजित एक विशेष 'विश्व पर्यावरण दिवस' समारोह में शामिल होने पहुंचीं बॉलीवुड अभिनेत्री भूमि पेडनेकर।

मोहनलाल शर्मा बने विफा गुंटूर चैप्टर के अध्यक्ष व महामंत्री बने पवन शर्मा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गुंटूर। विप्र फाउंडेशन(विफा) जोन 16 के गुंटूर चैप्टर की साधारण सभा सम्पन्न हुई। बैठक में जोन महामंत्री कमल तिवाड़ी ने गायत्री मंत्र का जाप कर क्षेत्रीय महामंत्री (दक्षिण) भगवान व्यास, जोन अध्यक्ष गोपाल शर्मा, मदन पुरोहित, विजयवाड़ा चैप्टर के अध्यक्ष ओमप्रकाश शर्मा को मंच पर आमंत्रित किया।

भगवान परशुराम की आराधना के पश्चात जोन अध्यक्ष गोपाल शर्मा ने सभी का स्वागत करते हुए संगठन का महत्व बताते हुए सभी को एकजुट हो कर विफा को मजबूत करने का आह्वान किया। क्षेत्रीय महामंत्री भगवान व्यास ने विफा की स्थापना से लेकर अभी तक के किए गए राष्ट्रव्यापी कार्यक्रमों की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने फाउंडेशन की नीतियों, उद्देश्यों और संगठन की कार्यप्रणाली के बारे में विस्तार से बताया।

सदस्यता अभियान के बारे में जानकारी देते हुए कहा कि गुंटूर में निवासित विप्र बंधु 15 जून तक संस्था से जुड़ सकते हैं।ङ्गङ्गबैठक में जोन अध्यक्ष गोपाल शर्मा वर्ष 2026-28 के मनोनीत पदाधिकारियों एवं कार्यकारिणी सदस्यों के नाम की घोषणा की जिसमें अध्यक्ष मोहनलाल शर्मा, महामंत्री पवन शर्मा, उपाध्यक्ष देवीप्रसाद असोपा व भारत पुरोहित, उपमंत्री पवन पलोड, वासु डोभा, कोषाध्यक्ष रामसुंदर पंचारिया सहित कार्यकारिणी समिति में नवीन पंचारिया, नरेश पुरोहित, ललित कुमार उपाध्याय, नारायण पलोड, दिनेश कुमार पंचारिया, चेतन तिवारी के नामों की घोषणा की गई।उपस्थित सदस्यों ने सर्वसम्मति से अनुमोदन किया। सभी वरिष्ठ पदाधिकारियों ने नई टीम के सदस्यों को शुभकामनाएं दी।

मातृछाया की 'साधर्मिक भक्ति' से लाभान्वित हुए 35 परिवार, बांटी राशन सामग्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के जैन महिला संगठन 'मातृछाया' द्वारा प्रतिमाह आयोजित की जाने वाली साधर्मिक भक्ति के अंतर्गत मंगलवार को 35 साधर्मिक परिवारों को खाद्य सामग्री एवं आवश्यक उपयोग की वस्तुओं का वितरण किया गया। इस माह की साधर्मिक भक्ति का लाभ कांताबाई महावीरचंद समदड़िया परिवार ने लिया। आयोजन में सभी लाभार्थी परिवारों को आवश्यक सामग्री प्रदान की गई। आम के मौसम को ध्यान में रखते हुए सभी लाभार्थियों को आम भी वितरित किए गए। संगठन की मार्गदर्शिका त्रिशला कोठारी ने बताया कि मातृछाया द्वारा समय-समय पर मौसम अनुसार फल एवं अन्य उपयोगी सामग्री भी उपलब्ध करवाई जाती है। संगठन की अध्यक्ष ललिता नागोरी ने कहा कि परोपकार से बढ़कर कोई कार्य नहीं और सेवा से बढ़कर कोई साधना नहीं। कार्यक्रम में इंदिरा बाफना, नीलम ललवाणी, उर्मिला सोलंकी, निर्मला दांतेवाड़िया, लीला भंसाली, पुष्पा नागोरी सहित मातृछाया की अनेक सदस्याएँ उपस्थित थीं जिन्होंने सेवा कार्य में अपना योगदान दिया।

अनुशासनहीन का जीवन बिना ब्रेक की गाड़ी के समान : राष्ट्रसंत कमलमुनि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के मल्लेश्वरम स्थित स्थानक भवन में विराजित राष्ट्रसंत कमलमुनिजी कमलेश ने सोमवार को अपने दैनिक प्रवचन में कहा कि सभी धर्म का आध्यात्मिक साधना का असली प्राण है अनुशासन। अनुशासन के बिना किसी भी क्षेत्र में व्यक्ति विकास व सफलता प्राप्त नहीं कर सकता। वर्तमान में व्यक्ति दूसरों को अनुशासन में रखना चाहता है लेकिन स्वयं उसमें रहने को तैयार नहीं होता है। आत्मानुशासन सबसे महान धर्म है। उन्होंने कहा कि बिना अनुशासन के अमृत जैसा धर्म भी जहर के रूप में परिवर्तित हो जाता है, विकास के स्थान पर विनाश का काम होता है। धार्मिकता की दुहाई देने वालों में अनुशासन के दर्शन दुर्लभ होते जा रहे हैं, वे मुर्दे धर्म का पालन कर रहे हैं। जिसको अनुशासन गुलामी जैसा लगता है अखरता है बंधन के रूप में मानता है अपनी आजादी में खलल मानता है वह धर्म और साधना के लिए अयोग्य व अपात्र है। राष्ट्रसंत ने कहा कि जो अनुशासन का पालन करता है, अनुशासन को परमात्मा के रूप में मानता है, अनुशासन को अनंत उपकारी मानता है, उसके कठोर बात को भी हितकारी और कल्याणकारी मानकर समर्पित होता है वह धर्म का असली पात्र होता है व सफलता उसके चरण चूमती है। जिसको अनुशासन खटकता है वह ज्ञानी होकर भी अज्ञानी है। संतश्री ने कहा कि स्वच्छंदता, अनुशासनहीन का जीवन बिना ब्रेक की गाड़ी के समान है। अनुशासन पालनकर्ता को अनदेखा करना साक्षात परमात्मा का अपमान करने के समान है।

नई दिल्ली में मंगलवार को असम की मूगा रेशम अर्थव्यवस्था को मजबूत करने और रेशम उत्पादकों व बुनकरों के लिए स्थायी आजीविका को बढ़ावा देने वाली पहल 'मिशन मूगा सिल्क' के वर्चुअल लॉन्च के दौरान केंद्रीय संचार एवं पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्री ज्योतिरादित्य एम. सिंधिया और असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा।

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**,
(*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.
HEAD OFFICE : DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT, New Media Company, 6/4, Cantonment Station Road, Bangalore 560051. Editorial : 080-25363030 / 9945488003. For Advertisement : 9945488002 - email : news@dakshinbharat.com/**RNI No. 58061/93.**